



# सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

## उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

खण्ड 79] प्रयागराज, शनिवार, 05 जुलाई, 2025 ई० (आषाढ़ 14, 1947 शक संवत्) [संख्या 27

### विषय-सूची

हर भाग के पन्ने अलग-अलग किये गये हैं, जिससे इनके अलग-अलग खण्ड बन सके।

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा	विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा
सम्पूर्ण गजट का मूल्य		रु०			रु०
भाग 1— विज्ञप्ति—अवकाश, नियुक्ति, स्थान—नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस	361—366	3075	भाग 5—एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तर प्रदेश	...	975
भाग 1—क— नियम, कार्य-विधियाँ, आज्ञायें, विज्ञप्तियाँ इत्यादि, जिनको उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया	691—722	1500	भाग 6—(क) बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किये गये या प्रस्तुत किये जाने से पहले प्रकाशित किये गये (ख) सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट क—भारतीय संसद के ऐक्ट	...	975
भाग 1—ख (1) औद्योगिक न्यायाधिकरणों के अभिनिर्णय			भाग 7—(क) बिल, जो राज्य की धारा सभाओं में प्रस्तुत किये जाने के पहले प्रकाशित किये गये		
भाग 1—ख (2)—श्रम न्यायालयों के अभिनिर्णय			(ख) सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट		
भाग 2—आज्ञायें, विज्ञप्तियाँ, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियाँ, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों का उद्धरण	...	975	भाग 7—क—उत्तर प्रदेशीय धारा सभाओं के ऐक्ट भाग 7—ख—इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियाँ	...	975
भाग 3—स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़पत्र, खण्ड ग—निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा खण्ड घ—जिला पंचायत	...	975	भाग 8—नगरपालिका परिषद्, नगर पंचायत, सरकारी कागज-पत्र, दवाई हुई रुई की गाठों का विवरण-पत्र, जन्म-मरण के आँकड़े, रोगग्रस्त होने वालों और मरने वालों के आँकड़े, फसल और ऋतु सम्बन्धी रिपोर्ट, बाजार भाव, सूचना, विज्ञापन इत्यादि	1061-1100	975
भाग 4— निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश	...	975	स्टोर्स—पर्चेज विभाग का क्रोड़ पत्र	...	1425

**भाग 1**

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस।

**आयुष विभाग**

अनुभाग-1

नियुक्ति/तैनाती

19 जुलाई, 2023 ई0

सं0 4124/96-आयुष-1-2023-155/2017-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा किये गये चयन के फलस्वरूप प्रेषित संस्तुति पत्र संख्या-493(3)/03/डी0आर0/एस-9/2020-21, दिनांक 02 फरवरी, 2023 एवं पत्र संख्या-493(4)/03/डी0आर0/एस-9/2020-21 दिनांक 28 मार्च, 2023 के आधार पर श्री राज्यपाल आयुष विभाग, उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा और सामुदायिक स्वास्थ्य (आयुर्वेदिक और यूनानी) सेवा संवर्ग के अन्तर्गत वेतनमान रु0 15,600-39,100/- ग्रेड पे-5,400/- (मैट्रिक्स लेवल-10) में निम्नलिखित तालिका में अंकित अभ्यर्थी को चिकित्साधिकारी (सामुदायिक स्वास्थ्य) के पद पर मौलिक रूप से नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

अभ्यर्थी का नाम	पिता/पति का नाम	मा0 आयोग द्वारा निर्गत मुख्य सूची में क्रमांक	रजिस्ट्रेशन नम्बर	गृह जनपद	स्थायी पता	तैनाती का जनपद
1	2	3	4	5	6	7
सुश्री सौम्या शुक्ला	श्री अशोक कुमार शुक्ला	132	54100055275	प्रयागराज	निवासी-63 5 जे 2 शिवकुटी मेला रोड तेलियरगंज प्रयागराज-211004	हरदोई

उक्त नियुक्ति/तैनाती निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन होगी—

(1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा और सामुदायिक स्वास्थ्य (आयुर्वेद एवं यूनानी) (समूह क और ख) सेवा नियमावली 2003 के नियम-18 के अधीन 02 वर्ष की परीक्षा पर रखा जायेगा।

(2) नियुक्त अभ्यर्थी को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य मंहगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते इत्यादि भी देय होंगे।

(3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या-सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।

(4) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा और सामुदायिक स्वास्थ्य (आयुर्वेद एवं यूनानी) (समूह क और ख) सेवा नियमावली 2003 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।

(5) उक्त अभ्यर्थी सम्बन्धित प्रस्तर-7 में अंकित सभी प्रमाण-पत्र आवंटित जनपद के मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष 01 माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपने तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

(6) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय नहीं होगा।

(7) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित अभ्यर्थी को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

1— 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हो और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हो, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

2— अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में, शपथ-पत्र।

3— आयुर्वेदिक तथा यूनानी तिब्बी चिकित्सा पद्धति बोर्ड, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा दिये गये स्थाई पंजीकरण की दो प्रमाणित प्रतियाँ।

4— ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

5— गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

6— चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

7— केवल एक जीवित पति/पत्नी होने का प्रमाण-पत्र।

8— राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित अभ्यर्थी के पासपोर्ट साइज की दो फोटो।

9— अभ्यर्थी की शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित प्रतियाँ।

(8) उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा और सामुदायिक स्वास्थ्य (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारी की वरिष्ठता, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज से प्राप्त श्रेष्ठता क्रम (मेरिट) के आधार पर यथासमय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

सं0 4125/96-आयुष-1-2023-155/2017-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा किये गये चयन के फलस्वरूप प्रेषित संस्तुति पत्र संख्या-493(3)/03/डी0आर0/एस-9/2020-21, दिनांक 02 फरवरी, 2023 एवं पत्र संख्या-493(4)/03/डी0आर0/एस-9/2020-21 दिनांक 28 मार्च, 2023 के आधार पर श्री राज्यपाल आयुष विभाग, उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा और सामुदायिक स्वास्थ्य (आयुर्वेदिक और यूनानी) सेवा संवर्ग के अन्तर्गत वेतनमान रु0 15,600-39,100/- ग्रेड पे-5,400/- (मैट्रिक्स लेवल-10) में निम्नलिखित तालिका में अंकित अभ्यर्थी को चिकित्साधिकारी (सामुदायिक स्वास्थ्य) के पद पर मौलिक रूप से नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

अभ्यर्थी का नाम	पिता/पति का नाम	मा0 आयोग द्वारा निर्गत मुख्य सूची में क्रमांक	रजिस्ट्रेशन नम्बर	गृह जनपद	स्थायी पता	तैनाती का जनपद
1	2	3	4	5	6	7
श्री प्रिय रंजन तिवारी	श्री दिनेश तिवारी	171	54100153887	प्रयागराज	निवासी-एस0-401, सुमित्रा निवास, 213 लाला लाजपत राय रोड, न्यू कटरा प्रयागराज-211002	संत रविदास नगर (भदोही)

उक्त नियुक्ति/तैनाती निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन होगी—

(1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा और सामुदायिक स्वास्थ्य (आयुर्वेद एवं यूनानी) (समूह क और ख) सेवा नियमावली 2003 के नियम-18 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।

(2) नियुक्त अभ्यर्थी को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य मंहगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते इत्यादि भी देय होंगे।

(3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या-सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।

(4) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा और सामुदायिक स्वास्थ्य (आयुर्वेद एवं यूनानी) (समूह क और ख) सेवा नियमावली 2003 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।

(5) उक्त अभ्यर्थी सम्बन्धित प्रस्तर-7 में अंकित सभी प्रमाण-पत्र आवंटित जनपद के मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष 01 माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपने तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

(6) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय नहीं होगा।

(7) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित अभ्यर्थी को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

1— 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हो और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हो, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

2— अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में, शपथ-पत्र।

3— आयुर्वेदिक तथा यूनानी तिब्बी चिकित्सा पद्धति बोर्ड, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा दिये गये स्थाई पंजीकरण की दो प्रमाणित प्रतियाँ।

4— ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

5— गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

6— चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

7— केवल एक जीवित पति/पत्नी होने का प्रमाण-पत्र।

8— राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित अभ्यर्थी के पासपोर्ट साइज की दो फोटो।

9— अभ्यर्थी की शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित प्रतियाँ।

(8) उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा और सामुदायिक स्वास्थ्य (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारी की वरिष्ठता, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज से प्राप्त श्रेष्ठता क्रम (मेरिट) के आधार पर यथासमय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

सं0 4126/96-आयुष-1-2023-155/2017-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा किये गये चयन के फलस्वरूप प्रेषित संस्तुति पत्र संख्या-493(3)/03/डी0आर0/एस-9/2020-21, दिनांक 02 फरवरी, 2023 एवं पत्र संख्या-493(4)/03/डी0आर0/एस-9/2020-21 दिनांक 28 मार्च, 2023 के आधार पर श्री राज्यपाल आयुष विभाग, उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा और सामुदायिक स्वास्थ्य (आयुर्वेदिक और यूनानी) सेवा संवर्ग के अन्तर्गत वेतनमान रु0 15,600-39,100/- ग्रेड पे-5,400/- (मैट्रिक्स लेवल-10) में निम्नलिखित तालिका में अंकित अभ्यर्थी को चिकित्साधिकारी (सामुदायिक स्वास्थ्य) के पद पर मौलिक रूप से नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

अभ्यर्थी का नाम	पिता/पति का नाम	मा0 आयोग द्वारा निर्गत मुख्य सूची में क्रमांक	रजिस्ट्रेशन नम्बर	गृह जनपद	स्थायी पता	तैनाती का जनपद
1	2	3	4	5	6	7
वन्दना सिंह पटेल	पत्नी श्री शैलेश पटेल	149	54100136224	प्रयागराज	निवासी-32ए, ओल्ड अल्लापुर, दारागंज, प्रयागराज-211006	प्रतापगढ़

उक्त नियुक्ति/तैनाती निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन होगी—

(1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा और सामुदायिक स्वास्थ्य (आयुर्वेद एवं यूनानी) (समूह क और ख) सेवा नियमावली 2003 के नियम-18 के अधीन 02 वर्ष की परीक्षा पर रखा जायेगा।

(2) नियुक्त अभ्यर्थी को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य मंहगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते इत्यादि भी देय होंगे।

(3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या-सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।

(4) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा और सामुदायिक स्वास्थ्य (आयुर्वेद एवं यूनानी) (समूह क और ख) सेवा नियमावली 2003 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।

(5) उक्त अभ्यर्थी सम्बन्धित प्रस्तर-7 में अंकित सभी प्रमाण-पत्र आवंटित जनपद के मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष 01 माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपने तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।

(6) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय नहीं होगा।

(7) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित अभ्यर्थी को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

1— 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हो और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हो, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

2— अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में, शपथ-पत्र।

3— आयुर्वेदिक तथा यूनानी तिब्बी चिकित्सा पद्धति बोर्ड, उ0प्र0 लखनऊ द्वारा दिये गये स्थाई पंजीकरण की दो प्रमाणित प्रतियाँ।

4— ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

- 5— गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
- 6— चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
- 7— केवल एक जीवित पति/पत्नी होने का प्रमाण-पत्र।
- 8— राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित अभ्यर्थी के पासपोर्ट साइज की दो फोटो।
- 9— अभ्यर्थी की शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित प्रतियाँ।

(8) उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा और सामुदायिक स्वास्थ्य (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारी की वरिष्ठता, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज से प्राप्त श्रेष्ठता क्रम (मेरिट) के आधार पर यथासमय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

आज्ञा से,  
लीना जौहरी,  
प्रमुख सचिव।



# सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

## उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 05 जुलाई, 2025 ई० (आषाढ़ 14, 1947 शक संवत्)

### भाग 1-क

नियम, कार्य विधियां, आज्ञायें, विज्ञप्तियां इत्यादि, जिनको उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया।

### भदोही के जिलाधिकारी की आज्ञायें

आदेश

08 जनवरी, 2024 ई०

सं० 293/डी०एल०आर०सी०-पुनर्ग्रहण/2024-शासनादेश संख्या-740/एक-1-2016-20(5)/2016 दिनांक 03 जून, 2016 एवं शासनादेश संख्या-744/एक-1-2016-20(5)/2016 दिनांक 03 जून, 2016 का आंशिक परिष्कार करते हुए और उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 (उ०प्र० अधिनियम सं० 8 सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड (ग) तथा उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता नियमावली 2016 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्ति तथा शासकीय अधिसूचना संख्या-741/एक-1-2016-20(5)/2016 दिनांक 03 जून, 2016 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं गौरांग राठी, जिलाधिकारी भदोही निम्न अनुसूची में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त शासनादेश दिनांक 03 जून, 2016 के अनुसार अनुसूची के स्तम्भ 6 में उल्लिखित ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्ध में निहित थी, को फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ।

### अनुसूची

क्र० सं०	जिला	तहसील	परगना	गाँव	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी/प्रकृति	विवरण (प्रयोजन जिसके लिए भूमि पुनर्ग्रहीत की जा रही है)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	भदोही	भदोही	भदोही	धसकरी	65	0.260 हेक्टेयर	नवीन परती	पंचायती राज विभाग उ०प्र० शासन (खेल का मैदान धसकरी हेतु)

सं0 294 / डी0एल0आर0सी0-पुनर्ग्रहण / 2024-शासनादेश संख्या-740 / एक-1-2016-20(5) / 2016 दिनांक 03 जून, 2016 एवं शासनादेश संख्या-744 / एक-1-2016-20(5) / 2016 दिनांक 03 जून, 2016 का आंशिक परिष्कार करते हुए और उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 (उ0प्र0 अधिनियम सं0 8 सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड (ग) तथा उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता नियमावली 2016 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्ति तथा शासकीय अधिसूचना संख्या-741 / एक-1-2016-20(5) / 2016 दिनांक 03 जून, 2016 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं गौरांग राठी, जिलाधिकारी भदोही निम्न अनुसूची में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त शासनादेश दिनांक 03 जून, 2016 के अनुसार अनुसूची के स्तम्भ 6 में उल्लिखित ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्ध में निहित थी, को फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ।

#### अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील	परगना	गाँव	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी/प्रकृति	विवरण (प्रयोजन जिसके लिए भूमि पुनर्गृहीत की जा रही है)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	भदोही	भदोही	भदोही	हृदयपट्टी	503ख	0.143 हेक्टेयर	ऊसर	पंचायती राज विभाग उ0प्र0 शासन (खेल का मैदान हृदयपट्टी हेतु)

गौरांग राठी,  
जिलाधिकारी, भदोही।

31 जुलाई, 2024 ई0

सं0 397 / डी0एल0आर0सी0-पुनर्ग्रहण / 2024-शासनादेश संख्या-740 / एक-1-2016-20(5) / 2016 दिनांक 03 जून, 2016 एवं शासनादेश संख्या-744 / एक-1-2016-20(5) / 2016 दिनांक 03 जून, 2016 का आंशिक परिष्कार करते हुए और उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 (उ0प्र0 अधिनियम सं0 8 सन् 2012) की धारा 59 की उप धारा (4) के खण्ड (ग) तथा उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता नियमावली 2016 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्ति तथा शासकीय अधिसूचना संख्या-741 / एक-1-2016-20(5) / 2016 दिनांक 03 जून, 2016 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं विशाल सिंह, जिलाधिकारी भदोही निम्न अनुसूची में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त शासनादेश दिनांक 03 जून, 2016 के अनुसार अनुसूची के स्तम्भ 6 में उल्लिखित ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्ध में निहित थी, को फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ।

#### अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील	परगना	गाँव	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी/ प्रकृति	विवरण (प्रयोजन जिसके लिए भूमि पुनर्गृहीत की जा रही है)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	भदोही	ज्ञानपुर	भदोही	मोहनपुर	232	0.035 हेक्टेयर	प्राचीन परती	चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उ0प्र0 शासन (PM-ABHIM) उपकेन्द्र भवन के निर्माण हेतु)



22 अगस्त, 2024 ई0

सं0 414 / डी0एल0आर0सी0-पुनर्ग्रहण / 2024-शासनादेश संख्या-740 / एक-1-2016-20(5) / 2016 दिनांक 03 जून, 2016 एवं शासनादेश संख्या-744 / एक-1-2016-20(5) / 2016 दिनांक 03 जून, 2016 का आंशिक परिष्कार करते हुए और उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 (उ0प्र0 अधिनियम सं0 8 सन् 2012) की धारा 59 की उप धारा (4) के खण्ड (ग) तथा उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता नियमावली 2016 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्ति तथा शासकीय अधिसूचना संख्या-741 / एक-1-2016-20(5) / 2016 दिनांक 03 जून, 2016 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं विशाल सिंह, जिलाधिकारी भदोही निम्न अनुसूची में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त शासनादेश दिनांक 03 जून, 2016 के अनुसार अनुसूची के स्तम्भ 6 में उल्लिखित ग्राम पंचायतों / स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्ध में निहित थी, को फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ।

## अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील	परगना	गाँव	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी / प्रकृति	विवरण (प्रयोजन जिसके लिए भूमि पुनर्ग्रहीत की जा रही है)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	भदोही	भदोही	भदोही	मूँसीलाटपुर	273क	0.126 हेक्टेयर	नई परती	बेसिक शिक्षा विभाग उ0प्र0 शासन (प्राथमिक विद्यालय, मूँसीलाटपुर डगडगऊवा हेतु)

सं0 415 / डी0एल0आर0सी0-पुनर्ग्रहण / 2024-शासनादेश संख्या-740 / एक-1-2016-20(5) / 2016 दिनांक 03 जून, 2016 एवं शासनादेश संख्या-744 / एक-1-2016-20(5) / 2016 दिनांक 03 जून, 2016 का आंशिक परिष्कार करते हुए और उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 (उ0प्र0 अधिनियम सं0 8 सन् 2012) की धारा 59 की उप धारा (4) के खण्ड (ग) तथा उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता नियमावली 2016 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्ति तथा शासकीय अधिसूचना संख्या-741 / एक-1-2016-20(5) / 2016 दिनांक 03 जून, 2016 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं विशाल सिंह, जिलाधिकारी भदोही निम्न अनुसूची में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त शासनादेश दिनांक 03 जून, 2016 के अनुसार अनुसूची के स्तम्भ 6 में उल्लिखित ग्राम पंचायतों / स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्ध में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ।

## अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील	परगना	गाँव	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी / प्रकृति	विवरण (प्रयोजन जिसके लिए भूमि पुनर्ग्रहीत की जा रही है)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	भदोही	भदोही	भदोही	मूँसीलाटपुर	268क	0.091 हेक्टेयर	ऊसर	बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग उ0प्र0 शासन (आंगनबाड़ी केन्द्र मूँसीलाटपुर डगडगऊवा हेतु)

29 अगस्त, 2024 ई0

सं0 421 / डी0एल0आर0सी0-पुनर्ग्रहण / 2024-शासनादेश संख्या-740 / एक-1-2016-20(5) / 2016 दिनांक 03 जून, 2016 एवं शासनादेश संख्या-744 / एक-1-2016-20(5) / 2016 दिनांक 03 जून, 2016 का आंशिक परिष्कार करते हुए और उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 (उ0प्र0 अधिनियम सं0 8 सन् 2012) की धारा 59 की उप धारा (4) के खण्ड (ग) तथा उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता नियमावली 2016 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्ति तथा शासकीय अधिसूचना संख्या-741 / एक-1-2016-20(5) / 2016 दिनांक 03 जून, 2016 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं विशाल सिंह, जिलाधिकारी भदोही निम्न अनुसूची में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त शासनादेश दिनांक 03 जून, 2016 के अनुसार अनुसूची के स्तम्भ 6 में उल्लिखित ग्राम पंचायतों / स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्ध में निहित थी, को फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ।

### अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील	परगना	गाँव	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी / प्रकृति	विवरण (प्रयोजन जिसके लिए भूमि पुनर्ग्रहीत की जा रही है)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	भदोही	ज्ञानपुर	भदोही	महुआरी	14	0.013 हेक्टेयर	पुरानी परती	बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग उ0प्र0 शासन (बाल विकास परियोजना डीघ के कार्यालय सहगोदाम के निर्माण हेतु)

30 अगस्त, 2024 ई0

आदेश

सं0 422 / डी0एल0आर0सी0-पुनर्ग्रहण / 2024-शासनादेश संख्या-740 / एक-1-2016-20(5) / 2016 दिनांक 03 जून, 2016 एवं शासनादेश संख्या-744 / एक-1-2016-20(5) / 2016 दिनांक 03 जून, 2016 का आंशिक परिष्कार करते हुए और उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 (उ0प्र0 अधिनियम सं0 8 सन् 2012) की धारा 59 की उप धारा (4) के खण्ड (ग) तथा उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता नियमावली 2016 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्ति तथा शासकीय अधिसूचना संख्या-741 / एक-1-2016-20(5) / 2016 दिनांक 03 जून, 2016 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं विशाल सिंह, जिलाधिकारी भदोही निम्न अनुसूची में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त शासनादेश दिनांक 03 जून, 2016 के अनुसार अनुसूची के स्तम्भ 6 में उल्लिखित ग्राम पंचायतों / स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्ध में निहित थी, को फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ।

## अनुसूची

क्र० सं०	जिला	तहसील	परगना	गाँव	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी / प्रकृति	विवरण (प्रयोजन जिसके लिए भूमि पुनर्गृहीत की जा रही है)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	भदोही	भदोही	भदोही	सेमरा	242क	0.038 हेक्टेयर	बंजर	चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उ०प्र० शासन (उपकेन्द्र भवन के निर्माण हेतु)

विशाल सिंह,  
जिलाधिकारी,  
भदोही।

## जनता के प्रयोजनार्थ भूमि नियोजन की विज्ञप्तियां

## राजस्व विभाग

समुचित सरकार/कलेक्टर द्वारा घोषणा

(अधिनियम की धारा-19 की उपधारा (1) के अन्तर्गत)

अधिसूचना

11 फरवरी, 2025 ई०

सं० 1186/वि०भू०अ०अ०/सं०सं०/मथुरा/2025—चूँकि प्रारम्भिक अधिसूचना संख्या-457/वि०भू०अ०अ०/सं० सं०/मथुरा/2024 दिनांक 06 जुलाई, 2024 सार्वजनिक प्रयोजनार्थ जनपद मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे से वृन्दावन (पागल बाबा मन्दिर) तक (अ०जि०मा०) 04 लेन मार्ग के निर्माण (लम्बाई—7.278 कि०मी०) एवं मार्ग निर्माण के संरक्षण में आ रही यमुना नदी पर 02 लेन सेतु के निर्माण कार्य हेतु जिला मथुरा तहसील मांट स्थित राजस्व ग्राम ढकू एवं ग्राम पानीगांव बांगर में अर्जित की जाने वाली कुल 1.734987 हेक्टेयर भूमि के सम्बन्ध में भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (अधिनियम सं०-30 सन् 2013) (जिसे आगे “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा-11 की उप-धारा (1) के अधीन निर्गत की गयी थी तथा अन्तिम रूप से दिनांक 16 जुलाई, 2024 को प्रकाशित की गयी थी। उपरोक्त परियोजना हेतु भूमि अर्जन से किसी भी परिवार का

विस्थापित होना सम्भाव्य नहीं है। अतएव, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन के प्रयोजनार्थ प्रशासक नियुक्त किया जाना आवश्यक नहीं था।

अतएव, अब, उक्त अधिनियम की धारा-15 की उप-धारा (2) के अधीन परन्तुक अनुसरण में प्रस्तुत की गयी कलेक्टर (भूमि अध्याप्ति) की रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् अधिसूचना सं0-491/एक-13-2014-7क (51)/2014 लखनऊ दिनांक 06 अगस्त, 2014 के तहत राज्यपाल महोदय द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके कलेक्टर मथुरा उक्त अधिनियम की धारा-19 की उप-धारा (1) के अधीन घोषणा करते हैं कि उनका यह समाधान हो गया है कि प्रदत्त अनुसूची "क" में उल्लिखित भूमि का क्षेत्रफल सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यक है और अनुसूची "ख" में यथा—प्रदत्त ग्राम, परगना और जिला में कोई भूमि विस्थापित परिवारों के पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन के लिए चिह्नांकित नहीं की गयी है (इस परियोजना हेतु भूमि अर्जन के कारण किसी परिवार का विस्थापित होना सम्भाव्य नहीं है)।

जनपद मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे से वृन्दावन (पागल बाबा मन्दिर) तक (अ0जि0मा0) 04 लेन मार्ग के निर्माण (लम्बाई—7.278 कि0मी0) एवं मार्ग निर्माण के संरेखण में आ रही यमुना नदी पर 02 लेन सेतु के निर्माण कार्य हेतु भूमि अर्जन से किसी भी परिवार का विस्थापित होना सम्भाव्य नहीं है। अतएव पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन हेतु कोई भूमि चिन्हित करने और पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन योजना का सारांश प्रकाशित किये जाने की कोई आवश्यकता नहीं है।

### अनुसूची "क"

(प्रस्तावित अर्जन के अन्तर्गत भूमि)

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	भू-खण्ड संख्या	अर्जित क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6
					हेक्टेयर
मथुरा	मांट	मांट	ढकू	02मि0	0.006072
मथुरा	मांट	मांट	पानीगांव बांगर	777	0.648785
				774मि0	0.0519
				773	0.0887
				772 मि0	0.77223
				259मि0	0.1673
				योग.	1.728915
				कुल योग.	1.734987

## अनुसूची "ख"

(विस्थापित परिवारों के लिए व्यवस्थापन क्षेत्र के रूप में चिन्हित भूमि)

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	भू-खण्ड संख्या	पुनर्वासन हेतु चिन्हित अर्जित क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6
मथुरा	मांट	मांट	ढकू	शून्य	शून्य
पानीगांव बांगर					

(इस परियोजना हेतु भूमि अर्जन के कारण किसी भी परिवार का विस्थापित होना सम्भाव्य नहीं है)

**टिप्पणी**— उक्त भूमि का स्थल नक्शा कार्यालय जिलाधिकारी (भूमि अध्याप्ति अनुभाग), मथुरा में देखा जा सकता है।

चन्द्र प्रकाश सिंह,  
कलेक्टर/प्राधिकृत अधिकारी,  
मथुरा।

## Revenue Department

Declaration by Appropriate Government/Collector

(Under Sub-Section (1) of Section 19 of the Act)

## NOTIFICATION

February 11, 2025

**No. 1186/S.L.A.O./J.O./MATHURA/2025**—Whereas preliminary notification No. 457/S.L.A.O./J.O./Mathura/2024 dated 06-07-2024 was issued under Sub-section (1) of Section-11 of the Right to Fair Compensation and Transparency in Rehabilitation & Resettlement Act 2013 (Act no. 30 of 2013) (hereinafter referred to as the said Act), in respect of 0.006072 hectare of land in Village-Dhaku and 1.728915 hectare of land in Village-Panigaon Bangar Tehsil-Mant, District-Mathura required for public purpose for contruction of 04 lane road (length-7.278 Km.) from Yamuna Expressway to Vrindavan (Pagal Baba Temple) (O.D.R.) and for construction of 02 lane bridge on Yamuna River lying in the alignment of the road construction in District Mathura and lastly published on 16-07-2024. There is no family likely to be displaced due to land acquisition for the above said project. Hence there was no need to appoint Administrator for the purpose of Rehabilitation & Resettlement of the Project affected families.

Now, therefore, after considering the report of the Collector (Land Acquisition) submitted in pursuance to provision under sub-section (2) of Section 15 of the said Act, in exercise of the powers conferred by the Governor *vide* Notification No. 491/I-13-2014-7ka(51)/ 2014 Lucknow, Dated August 06, 2014, the Collector Mathura declares under Section 19(1) of the Act that he is satisfied that the area of the land mentioned in the given Schedule "A" is needed for public purpose and no land in the Village, Pargana

and District as given in Schedule "B" has been identified for Rehabilitation & Resettlement of the displaced families (No family is likely to be displaced due to land acquisition for this project).

No family is likely to be displaced due to land acquisition for construction of 04 lane road (length-7.278 Km.) from Yamuna Expressway to Vrindavan (Pagal Baba Temple) (O.D.R.) and for construction of 02 lane bridge on Yamuna river lying in the alignment of the road construction in District Mathura. Hence there is no need for identification of any land for Rehabilitation and Resettlement and publication of summary of Rehabilitation & Resettlement Scheme.

#### SCHEDULE "A"

(Land under proposed acquisition)

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area to be acquired
1	2	3	4	5	6
					<i>Hectare</i>
Mathura	Mant	Mant	Dhaku	2 M.	0.006072
Mathura	Mant	Mant	Panigaon Bangar	777	0.648785
Do.	Do.	Do.	Do.	774 M.	0.0519
Do.	Do.	Do.	Do.	773	0.0887
Do.	Do.	Do.	Do.	772 M.	0.77223
Do.	Do.	Do.	Do.	259 M.	0.1673
<b>Total . .</b>					<b>1.728915</b>
<b>G. Total . .</b>					<b>1.734987</b>

#### SCHEDULE "B"

(Land Identified as settlement area for displaced families)

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area acquired earmarked for rehabilitation
1	2	3	4	5	6
					<i>Hectare</i>
Mathura	Mant	Mant	Dhaku	Nil	Nil
Mathura	Mant	Mant	Panigaon Bangar	Nil	Nil

(No family is likely to be displaced due to land acquisition for this project)

NOTE- The site map of land may be inspected in the Office of the Collector for the purpose of acquisition.

Chandra Prakash Singh,  
Collector/Authorised Officer,  
Mathura.

**राजस्व विभाग**

समुचित सरकार/कलेक्टर द्वारा घोषणा  
(अधिनियम की धारा-19 की उपधारा (1) के अन्तर्गत)

अधिसूचना

17 फरवरी, 2025 ई0

सं0 1199/वि0भू0अ0अ0/सं0सं0/मथुरा/2025—चूँकि प्रारम्भिक अधिसूचना संख्या-694/वि0भू0अ0अ0/सं0 सं0/मथुरा/2024 दिनांक 24 सितम्बर, 2024 सार्वजनिक प्रयोजनार्थ जनपद मथुरा में बृज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग के अन्तर्गत हथौड़ा से अड़्डा मार्ग के नवनिर्माण कार्य हेतु जिला मथुरा तहसील महावन स्थिति राजस्व ग्राम-हथौड़ा में अर्जित की जाने वाली कुल 0.197463 हेक्टेयर भूमि के सम्बन्ध में भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (अधिनियम सं0-30 सन् 2013) (जिसे आगे “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा-11 की उप-धारा (1) के अधीन निर्गत की गयी थी तथा अन्तिम रूप से दिनांक 07 दिसम्बर, 2024 को प्रकाशित की गयी थी। उपरोक्त परियोजना हेतु भूमि अर्जन से किसी भी परिवार का विस्थापित होना सम्भाव्य नहीं है। अतएव, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन के प्रयोजनार्थ प्रशासक नियुक्त किया जाना आवश्यक नहीं था।

अतएव, अब, उक्त अधिनियम की धारा-15 की उप-धारा (2) के अधीन परन्तुक अनुसरण में प्रस्तुत की गयी कलेक्टर (भूमि अध्याप्ति) की रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् अधिसूचना सं0-491/एक-13-2014-7क (51)/2014 लखनऊ दिनांक 06 अगस्त, 2014 के तहत राज्यपाल महोदय द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके कलेक्टर मथुरा उक्त अधिनियम की धारा-19 की उप-धारा (1) के अधीन घोषणा करते हैं कि उनका यह समाधान हो गया है कि प्रदत्त अनुसूची “क” में उल्लिखित भूमि का क्षेत्रफल सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यक है और अनुसूची “ख” में यथा—प्रदत्त ग्राम, परगना और जिला में कोई भूमि विस्थापित परिवारों के पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन के लिए चिन्हांकित नहीं की गयी है (इस परियोजना हेतु भूमि अर्जन के कारण किसी परिवार का विस्थापित होना सम्भाव्य नहीं है)।

जनपद मथुरा में बृज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग के अन्तर्गत हथौड़ा से अड़्डा मार्ग के नवनिर्माण कार्य हेतु भूमि अर्जन से किसी भी परिवार का विस्थापित होना सम्भाव्य नहीं है। अतएव पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन हेतु कोई भूमि चिन्हित करने और पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन योजना का सारांश प्रकाशित किये जाने की कोई आवश्यकता नहीं है।

**अनुसूची “क”**

(प्रस्तावित अर्जन के अन्तर्गत भूमि)

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	भू-खण्ड संख्या	अर्जित क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6
					हेक्टेयर
मथुरा	महावन	महावन	हथौड़ा	285	0.0014
				416	0.0101
				427मि0	0.001463
				431	0.00275

1	2	3	4	5	6
					हेक्टेयर
मथुरा	महावन	महावन	हथौड़ा	435	0.00275
				432	0.0094
				434	0.0060
				437	0.0097
				451	0.1300
				455	0.0239
				<b>योग.</b>	<b>0.197463</b>

### अनुसूची "ख"

(विस्थापित परिवारों के लिए व्यवस्थापन क्षेत्र के रूप में चिन्हित भूमि)

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	भू-खण्ड संख्या	पुनर्वासन हेतु चिन्हित अर्जित क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)
1	2	3	4	5	6
मथुरा	महावन	महावन	हथौड़ा	शून्य	शून्य

(इस परियोजना हेतु भूमि अर्जन के कारण किसी भी परिवार का विस्थापित होना सम्भाव्य नहीं है)

**टिप्पणी**— उक्त भूमि का स्थल नक्शा कार्यालय जिलाधिकारी (भूमि अध्याप्ति अनुभाग), मथुरा में देखा जा सकता है।

चन्द्र प्रकाश सिंह,  
कलेक्टर/प्राधिकृत अधिकारी,  
मथुरा।

### Revenue Department

Declaration by Appropriate Government/Collector

(Under Sub-Section (1) of Section 19 of the Act)

NOTIFICATION

February 17, 2025

**No. 1199/S.L.A.O./J.O./MATHURA/2025**—Whereas preliminary notification No. 694/S.L.A.O./J.O./Mathura/2024 dated 24-09-2024 was issued under Sub-section (1) of Section-11 of the Right to Fair Compensation and Transparency in Rehabilitation & Resettlement Act 2013 (Act no. 30 of 2013) (hereinafter referred to as the said Act), in respect of 0.197463 hectare of land in Village-Hathoda Tehsil-



Mahavan, District-Mathura required for public purpose for contruction work of Road from Hathoda to Adda lying under Brij Chaurasi Kos Parikrama Marg in District-Mathura and lastly published on 07-12-2024. There is no family likely to be displaced due to land acquisition for the above said project. Hence there was no need to appoint Administrator for the purpose of Rehabilitation & Resettlement of the Project affected families.

Now, therefore, after considering the report of the Collector (Land Acquisition) submitted in pursuance to provision under sub-section (2) of Section 15 of the said Act, in exercise of the powers conferred by the Governor *vide* Notification No. 491/I-13-2014-7ka(51)/ 2014 Lucknow, Dated August 06, 2014, the Collector Mathura declares under Section 19(1) of the Act that he is satisfied that the area of the land mentioned in the given Schedule "A" is needed for public purpose and no land in the Village, Pargana and District as given in Schedule "B" has been identified for Rehabilitation & Resettlement of the displaced families (No family is likely to be displaced due to land acquisition for this project).

No family is likely to be displaced due to land acquisition for contruction work of Road from Hathoda to Adda lying under Brij Chaurasi Kos Parikrama Marg in District Mathura. Hence there is no need for identification of any land for Rehabilitation and Resettlement and publication of summary of Rehabilitation & Resettlement Scheme.

#### SCHEDULE "A"

(Land under proposed acquisition)

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area to be acquired
1	2	3	4	5	6
					<i>Hectare</i>
Mathura	Mahavan	Mahavan	Hathoda	285	0.0014
Do.	Do.	Do.	Do.	416	0.0101
Do.	Do.	Do.	Do.	427 M.	0.001463
Do.	Do.	Do.	Do.	431	0.00275
Do.	Do.	Do.	Do.	435	0.00275
Do.	Do.	Do.	Do.	432	0.0094
Do.	Do.	Do.	Do.	434	0.0060
Do.	Do.	Do.	Do.	437	0.0097
Do.	Do.	Do.	Do.	451	0.1300
Do.	Do.	Do.	Do.	455	0.0239
Total . .					<b>0.197463</b>

**SCHEDULE "B"**

(Land identified as settlement area for displaced families)

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area acquired earmarked for rehabilitation (In Hectare)
1	2	3	4	5	6
Mathura	Mahavan	Mahavan	Hathoda	Nil	Nil

(No family is likely to be displaced due to land acquisition for this project)

NOTE- The site map of land may be inspected in the Office of the Collector for the purpose of acquisition.

Chandra Prakash Singh,

*Collector/Authorised Officer, Mathura.***राजस्व विभाग**

समुचित सरकार/कलेक्टर द्वारा घोषणा

(अधिनियम की धारा-19 की उपधारा (1) के अन्तर्गत)

अधिसूचना

25 फरवरी, 2025 ई0

सं0 1253/वि0भू0अ0अ0/सं0सं0/मथुरा/2025—चूँकि प्रारम्भिक अधिसूचना संख्या-693/वि0भू0अ0अ0/सं0 सं0/मथुरा/2024 दिनांक 24 सितम्बर, 2024 सार्वजनिक प्रयोजनार्थ जनपद मथुरा में गोवर्धन परिक्रमा मार्ग के चारों ओर सर्विस रोड के निर्माण हेतु जिला मथुरा तहसील गोवर्धन स्थिति राजस्व ग्राम-गोवर्धन ब्राह्मणान/क्षे0 0.093199 हेक्टे0, गोवर्धन गोरवा/क्षे0 0.707000 हेक्टे0, आन्चौर/क्षे0 1.819423 हेक्टे0, जतीपुरा/क्षे0 0.302996 हेक्टे0, सकीतरा/क्षे0 1.020000 हेक्टे0 एवं राधाकुण्ड/क्षे0 0.193600 हेक्टे0 तदनुसार कुल 4.136218 हेक्टे0 अर्जित की जाने वाली भूमि के सम्बन्ध में भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (अधिनियम सं0-30 सन् 2013) (जिसे आगे "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा-11 की उप-धारा (1) के अधीन निर्गत की गयी थी तथा अन्तिम रूप से दिनांक 21 दिसम्बर, 2024 को प्रकाशित की गयी थी। उपरोक्त परियोजना हेतु भूमि अर्जन से किसी भी परिवार का विस्थापित होना सम्भाव्य नहीं है। अतएव, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन के प्रयोजनार्थ प्रशासक नियुक्त किया जाना आवश्यक नहीं था।

अतएव, अब, उक्त अधिनियम की धारा-15 की उप-धारा (2) के अधीन परन्तुक अनुसरण में प्रस्तुत की गयी कलेक्टर (भूमि अध्याप्ति) की रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् अधिसूचना सं0-491/एक-13-2014-7क (51)/2014 लखनऊ दिनांक 06 अगस्त, 2014 के तहत राज्यपाल महोदय द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके कलेक्टर मथुरा उक्त अधिनियम की धारा-19 की उप-धारा (1) के अधीन घोषणा करते हैं कि उनका यह समाधान हो गया है कि प्रदत्त अनुसूची "क" में उल्लिखित भूमि का क्षेत्रफल सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यक है और अनुसूची "ख" में यथा-प्रदत्त ग्राम, परगना और जिला में कोई भूमि विस्थापित परिवारों के पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन के लिए चिन्हांकित नहीं की गयी है (इस परियोजना हेतु भूमि अर्जन के कारण किसी परिवार का विस्थापित होना सम्भाव्य नहीं है)।

जनपद मथुरा में गोवर्धन परिक्रमा मार्ग के चारों ओर सर्विस रोड के निर्माण हेतु भूमि अर्जन से किसी भी परिवार का विस्थापित होना सम्भाव्य नहीं है। अतएव पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन हेतु कोई भूमि चिह्नित करने और पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन योजना का सारांश प्रकाशित किये जाने की कोई आवश्यकता नहीं है।

### अनुसूची "क"

(प्रस्तावित अर्जन के अन्तर्गत भूमि)

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	भू-खण्ड संख्या	अर्जित क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6
					हेक्टेयर
मथुरा	गोवर्धन	गोवर्धन	गोवर्धन ब्राह्मणान	773	0.024000
				784	0.062303
				814	0.006896
				<b>योग .</b>	<b>0.093199</b>
			गोवर्धन गोरवा	324	0.317000
				325	0.350000
				<b>योग .</b>	<b>0.667000</b>
			आन्यौर	72	0.160000
				88	0.034200
				130	0.360000
				225	0.120000
				343	0.068000
				381	0.007000
				386	0.061600
				396	0.120000
				397	0.312000
				398	0.013600
				93	0.034600
				96	0.114891
				153	0.041332
				379	0.016000
				318	0.016000
				<b>योग .</b>	<b>1.479223</b>

1	2	3	4	5	6
					हेक्टेयर
मथुरा	गोवर्धन	गोवर्धन	जतीपुरा	310	0.011200
				338	0.056000
				348	0.003200
				347	0.050414
				404	0.010800
				योग.	0.131614
			सकीतरा	249	0.152000
				257	0.298000
				329	0.080000
				470	0.200000
				651	0.080000
				669	0.100000
				438	0.010000
				योग.	0.920000
			राधाकुण्ड	785	0.028000
				834	0.096000
				837	0.025600
				877	0.044000
				योग.	0.193600
				कुल योग.	3.484636

## अनुसूची "ख"

(विस्थापित परिवारों के लिए व्यवस्थापन क्षेत्र के रूप में चिन्हित भूमि)

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	भू-खण्ड संख्या	पुनर्वासन हेतु चिन्हित अर्जित क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6
मथुरा	गोवर्धन	गोवर्धन	गोवर्धन ब्राह्मणान गोवर्धन गोरवा आन्यौर जतीपुरा सकीतरा राधाकुण्ड	शून्य	हेक्टेयर शून्य

(इस परियोजना हेतु भूमि अर्जन के कारण किसी भी परिवार का विस्थापित होना सम्भाव्य नहीं है)

**टिप्पणी**— उक्त भूमि का स्थल नक्शा कार्यालय जिलाधिकारी (भूमि अध्याप्ति अनुभाग), मथुरा में देखा जा सकता है।

चन्द्र प्रकाश सिंह,  
कलेक्टर/प्राधिकृत अधिकारी,  
मथुरा।

## Revenue Department

Declaration by Appropriate Government/Collector

(Under Sub-Section (1) of Section 19 of the Act)

## NOTIFICATION

February 25, 2025

**No. 1253/S.L.A.O./J.O./MATHURA/2025**—Whereas preliminary notification No. 693/S.L.A.O./J.O./Mathura/2024 dated 24-09-2024 was issued under Sub-section (1) of Section-11 of the Right to Fair Compensation and Transparency in Rehabilitation & Resettlement Act, 2013 (Act no. 30 of 2013) (hereinafter referred to as the said Act), in respect of area 0.093199 hectare of land in Village-Govardhan Brahmanan, area 0.707000 hectare of land in Village-Govardhan Gorwa, area 1.819423 hectare of land in Village-Anyaur, area 0.302996 hectare of land in Village-Jatipura, area 1.020000 hectare of land in Village-Sakeetara and area 0.193600 hectare of land in Village-Radhakund Total land area of 4.136218 hectare Tehsil Govardhan, District Mathura required for public purpose for construction of service road around Govardhan Parikrama Marg in District Mathura and lastly published on 21-12-2024. There is no family likely to be displaced due to land acquisition for the above said project. Hence there was no need to appoint Administrator for the purpose of Rehabilitation & Resettlement of the Project affected families.

Now, therefore, after considering the report of the Collector (Land Acquisition) submitted in pursuance to provision under sub-section (2) of Section 15 of the said Act, in exercise of the powers conferred by the Governor vide Notification No. 491/I-13-2014-7ka(51)/ 2014 Lucknow, Dated August 06, 2014, the Collector Mathura declares under Section 19(1) of the Act that he is satisfied that the area of the land mentioned in the given Schedule "A" is needed for public purpose and no land in the Village, Pargana and District as given in Schedule "B" has been identified for Rehabilitation & Resettlement of the displaced families (No family is likely to be displaced due to land acquisition for this project).

No family is likely to be displaced due to land acquisition for construction of service road around Govardhan Parikrama Marg in District Mathura. Hence there is no need for identification of any land for Rehabilitation and Resettlement and publication of summary of Rehabilitation & Resettlement Scheme.

### SCHEDULE "A"

(Land under proposed acquisition)

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area to be Acquired
1	2	3	4	5	6
					<i>Hectare</i>
Mathura	Govardhan	Govardhan	Govardhan Brahmanan	773	0.024000
Do.	Do.	Do.	Do.	784	0.062303
Do.	Do.	Do.	Do.	814	0.006896
Do.	Do.	Do.	Do.	<b>Total ..</b>	<b>0.093199</b>
			Govardhan Gorwa	324	0.317000
Do.	Do.	Do.	Do.	325	0.350000
				<b>Total ..</b>	<b>0.667000</b>
Do.	Do.	Do.	Anyaur	72	0.160000
Do.	Do.	Do.	Do.	88	0.034200
Do.	Do.	Do.	Do.	130	0.360000
Do.	Do.	Do.	Do.	225	0.120000
Do.	Do.	Do.	Do.	343	0.068000
Do.	Do.	Do.	Do.	381	0.007000
Do.	Do.	Do.	Do.	386	0.061600
Do.	Do.	Do.	Do.	396	0.120000
Do.	Do.	Do.	Do.	397	0.312000

1	2	3	4	5	6
					<i>Hectare</i>
Mathura	Govardhan	Govardhan	Anyaur	398	0.013600
Do.	Do.	Do.	Do.	93	0.034600
Do.	Do.	Do.	Do.	96	0.114891
Do.	Do.	Do.	Do.	153	0.041332
Do.	Do.	Do.	Do.	379	0.016000
Do.	Do.	Do.	Do.	318	0.016000
Do.	Do.	Do.	Do.	<b>Total . .</b>	<b>1.479223</b>
			Jatipura	310	0.011200
Do.	Do.	Do.	Do.	338	0.056000
Do.	Do.	Do.	Do.	348	0.003200
Do.	Do.	Do.	Do.	347	0.050414
Do.	Do.	Do.	Do.	404	0.010800
Do.	Do.	Do.	Do.	<b>Total . .</b>	<b>0.131614</b>
			Sakeetara	249	0.152000
Do.	Do.	Do.	Do.	257	0.298000
Do.	Do.	Do.	Do.	329	0.080000
Do.	Do.	Do.	Do.	470	0.200000
Do.	Do.	Do.	Do.	651	0.080000
Do.	Do.	Do.	Do.	669	0.100000
Do.	Do.	Do.	Do.	438	0.010000
Do.	Do.	Do.	Do.	<b>Total . .</b>	<b>0.920000</b>
			Radhakund	785	0.028000
Do.	Do.	Do.	Do.	834	0.096000
Do.	Do.	Do.	Do.	837	0.025600
Do.	Do.	Do.	Do.	877	0.044000
Do.	Do.	Do.	Do.	<b>Total . .</b>	<b>0.193600</b>
			<b>G. Total . .</b>		<b>3.484636</b>

**SCHEDULE “B”**

(Land identified as settlement area for displaced families)

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area acquired earmarked for rehabilitation
1	2	3	4	5	6
					<i>Hectare</i>
Mathura	Govardhan	Govardhan	Govardhan Brahmanan	Nil	Nil
Do.	Do.	Do.	Govardhan Gorwa	Nil	Nil
Do.	Do.	Do.	Anyaur	Nil	Nil
Do.	Do.	Do.	Jatipura	Nil	Nil
Do.	Do.	Do.	Sakeetara	Nil	Nil
Do.	Do.	Do.	Radhakund	Nil	Nil

(No family is likely to be displaced due to land acquisition for this project)

NOTE- The site map of land may be inspected in the Office of the Collector for the purpose of acquisition.

Chandra Prakash Singh,

*Collector/Authorised Officer, Mathura.***राजस्व विभाग**

समुचित सरकार/कलेक्टर द्वारा घोषणा

(अधिनियम की धारा-19 की उपधारा (1) के अन्तर्गत)

अधिसूचना

17 अप्रैल, 2025 ई0

सं0 1452/वि0भू0अ0अ0/सं0सं0/मथुरा/2025—चूँकि प्रारम्भिक अधिसूचना संख्या-695/वि0भू0अ0अ0/सं0 सं0/मथुरा/2024 दिनांक 24 सितम्बर, 2024 सार्वजनिक प्रयोजनार्थ जनपद मथुरा में सुनियोजित आवासीय विकास हेतु विकास हेतु जिला मथुरा तहसील सदर स्थित राजस्व ग्राम—वाटी में अर्जित की जाने वाली कुल 1.1580 हेक्टेयर भूमि के सम्बन्ध में भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (अधिनियम सं0-30 सन् 2013) (जिसे आगे “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा-11 की उप-धारा (1) के अधीन निर्गत की गयी थी तथा अन्तिम रूप से दिनांक 07 दिसम्बर, 2024 को प्रकाशित की गयी थी। उपरोक्त परियोजना हेतु भूमि अर्जन से किसी भी परिवार का विस्थापित होना सम्भाव्य नहीं है। अतएव, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन के प्रयोजनार्थ प्रशासक नियुक्त किया जाना आवश्यक नहीं था।



अतएव, अब, उक्त अधिनियम की धारा-15 की उप-धारा (2) के अधीन परन्तुक अनुसरण में प्रस्तुत की गयी कलेक्टर (भूमि अध्याप्ति) की रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् अधिसूचना सं0-491/एक-13-2014-7क (51)/2014 लखनऊ दिनांक 06 अगस्त, 2014 के तहत राज्यपाल महोदय द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके कलेक्टर मथुरा उक्त अधिनियम की धारा-19 की उप-धारा (1) के अधीन घोषणा करते हैं कि उनका यह समाधान हो गया है कि प्रदत्त अनुसूची "क" में उल्लिखित भूमि का क्षेत्रफल सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यक है और अनुसूची "ख" में यथा—प्रदत्त ग्राम, परगना और जिला में कोई भूमि विस्थापित परिवारों के पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन के लिए चिह्नित नहीं की गयी है (इस परियोजना हेतु भूमि अर्जन के कारण किसी परिवार का विस्थापित होना सम्भाव्य नहीं है)।

जनपद मथुरा में सुनियोजित आवासीय विकास हेतु भूमि अर्जन से किसी भी परिवार का विस्थापित होना सम्भाव्य नहीं है। अतएव पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन हेतु कोई भूमि चिह्नित करने और पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन योजना का सारांश प्रकाशित किये जाने की कोई आवश्यकता नहीं है।

### अनुसूची "क"

(प्रस्तावित अर्जन के अन्तर्गत भूमि)

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	भू-खण्ड संख्या	अर्जित क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6
					हेक्टेयर
मथुरा	सदर	वृन्दावन	वाटी	337	0.3840
				338	0.3880
				339	0.3860
				<b>योग .</b>	<b>1.1580</b>

### अनुसूची "ख"

(विस्थापित परिवारों के लिए व्यवस्थापन क्षेत्र के रूप में चिह्नित भूमि)

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	भू-खण्ड संख्या	पुनर्वासन हेतु चिह्नित अर्जित क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)
1	2	3	4	5	6
मथुरा	सदर	वृन्दावन	वाटी	शून्य	शून्य

(इस परियोजना हेतु भूमि अर्जन के कारण किसी भी परिवार का विस्थापित होना सम्भाव्य नहीं है)

**टिप्पणी—** उक्त भूमि का स्थल नक्शा कार्यालय जिलाधिकारी (भूमि अध्याप्ति अनुभाग), मथुरा में देखा जा सकता है।

चन्द्र प्रकाश सिंह,  
कलेक्टर/प्राधिकृत अधिकारी,  
मथुरा।

**Revenue Department**

Declaration by Appropriate Government/Collector

(Under Sub-Section (1) of Section 19 of the Act)

**NOTIFICATION***April 17, 2025*

**No. 1452/S.L.A.O./J.O./MATHURA/2025**—Whereas preliminary notification No. 695/S.L.A.O./J.O./Mathura/2024 dated 24-09-2024 was issued under Sub-section (1) of Section-11 of the Right to Fair Compensation and Transparency in Rehabilitation & Resettlement Act 2013 (Act no. 30 of 2013) (hereinafter referred to as the said Act), in respect of 1.1580 hectare of land in Village-Vati, Tehsil-Sadar, District-Mathura required for public purpose for Planned housing development in District-Mathura and lastly published on 07-12-2024. There is no family likely to be displaced due to land acquisition for the above said project. Hence there was no need to appoint Administrator for the purpose of Rehabilitation & Resettlement of the Project affected families.

Now, therefore, after considering the report of the Collector (Land Acquisition) submitted in pursuance to provision under sub-section (2) of Section 15 of the said Act, in exercise of the powers conferred by the Governor *vide* Notification No. 491/I-13-2014-7ka(51)/ 2014 Lucknow, Dated August 06, 2014, the Collector Mathura declares under Section 19(1) of the Act that he is satisfied that the area of the land mentioned in the given Schedule "A" is needed for public purpose and no land in the Village, Pargana and District as given in Schedule "B" has been identified for Rehabilitation & Resettlement of the displaced families (No family is likely to be displaced due to land acquisition for this project).

No family is likely to be displaced due to land acquisition for Planned housing Development in District Mathura. Hence there is no need for identification of any land for Rehabilitation and Resettlement and publication of summary of Rehabilitation & Resettlement Scheme.

**SCHEDULE "A"**

(Land under proposed acquisition)

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area to be acquired
1	2	3	4	5	6
					<i>Hectare</i>
Mathura	Sadar	Vrindavan	Vati	337	0.3840
Do.	Do.	Do.	Do.	338	0.3880
Do.	Do.	Do.	Do.	339	0.3860
<b>Total . .</b>					<b>1.1580</b>

**SCHEDULE "B"**

(Land identified as settlement area for displaced families)

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area acquired earmarked for rehabilitation (In Hectare)
1	2	3	4	5	6
Mathura	Sadar	Vrindavan	Vati	Nil	Nil

(No family is likely to be displaced due to land acquisition for this project)

NOTE- The site map of land may be inspected in the Office of the Collector for the purpose of acquisition.

Chandra Prakash Singh,  
Collector/Authorised Officer, Mathura.

**राजस्व विभाग****प्रारूप-18****नियम-20 का उपनियम (2)**

**समुचित सरकार/कलेक्टर द्वारा प्रारम्भिक अधिसूचना  
(अधिनियम की धारा-11 की उपधारा (1) के अन्तर्गत)**

09 अप्रैल, 2025 ई0

सं0 187/वि0भू0अ0अ0/न0म0पा0/आगरा-भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थान में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-11 की उपधारा (1) के अधीन उत्तर प्रदेश सरकार/कलेक्टर (समुचित सरकार के उद्देश्य हेतु) राय है कि आगरा विकास प्राधिकरण, आगरा के माध्यम से सार्वजनिक प्रयोजन "ग्राम-भांडई में अटलपुरम योजना के निर्माण हेतु।" जनपद-आगरा, तहसील सदर आगरा, परगना-आगरा ग्राम- भांडई में कुल 0.05483 हे0 भूमि की आवश्यकता है।

2- अपर जिलाधिकारी (नगर) आगरा, नोडल अधिकारी की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन किया गया है तथा समुचित सरकार को अपनी अनुशंसा प्रस्तुत की गयी है जिसे समुचित सरकार द्वारा दिनांक 10 फरवरी, 2025 को अनुमोदित किया गया है।

3- सामाजिक समाघात निर्धारण रिपोर्ट का सारांश इस प्रकार है-

- (1) ग्राम बल्हैरा में नवीन सिविल एन्क्लेव के विकास हेतु।
- (2) इस परियोजना के निर्माण से कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

4- भूमि अर्जन के कारण कुल (कोई नहीं) परिवार के विस्थापित होने की संभावना है। विस्थापन के लिए अपरिहार्य कारण निम्नवत् है-

शून्य

डिप्टी कलेक्टर/असिस्टेंट कलेक्टर अपर जिलाधिकारी (नगर) आगरा को प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के उद्देश्य से प्रशासक नियुक्त किया जाता है।

5— अतः राज्यपाल सार्वजनिक प्रयोजन हेतु निम्नलिखित अनुसूची में उल्लिखित भूमि को सामान्य सूचना हेतु अधिसूचित करने के लिए सहर्ष सहमति देती है।

क्र० सं०	जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	भूखण्ड सं०/गाटा सं०	अर्जित किये जाने वाला क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6	7
						हेक्टेयर
1	आगरा	सदर आगरा	आगरा	भांडई	626	0.0340
2					659	0.01475
3					660	0.00608
योग . .						<b>0.05483</b>

6— अधिनियम की धारा-12 के अन्तर्गत निर्दिष्ट एवं प्राविधानित भूमि अधिग्रहण के प्रयोजन हेतु आवश्यक कदम उठाये जाने के लिए तथा भूमि का सर्वेक्षण, किसी भूमि के लिए समतलीकरण, खुदाई करने तथा कार्य के समुचित क्रियान्वयन हेतु सभी आवश्यक क्रियाये करने के लिए राज्यपाल कलेक्टर प्राधिकृत करने हेतु निर्देश देते हैं।

7— अधिनियम की धारा-15 के अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति जिसका हित भूमि में निहित हो अधिसूचना के प्रकाशन के 60 (दिन) के अन्दर अपने क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण के विरुद्ध लिखित रूप से कलेक्टर को आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

8— अधिनियम की धारा-11(4) के अन्तर्गत कोई व्यक्ति अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण होने तक कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना प्रारम्भिक अधिसूचना में निर्दिष्ट भूमि का सव्यवहार यथा विक्रय/क्रय या उस भूमि में कोई भार उत्पन्न नहीं कर सकता है।

**टिप्पणी—** उक्त भूमि का स्थल नक्शा कलेक्टर के कार्यालय में देखा जा सकता है।

(ह०) अस्पष्ट,  
राज्य सरकार/कलेक्टर,  
आगरा।

## REVENUE DEPARTMENT

### FORM-18

#### [ Sub-rule (2) of rule 20 ]

#### PRELIMINARY NOTIFICATION BY APPROPRIATE GOVERNMENT/COLLECTOR

[Under sub-section (1) of section 11 of the Act]

#### NOTIFICATION

April 09, 2025

**No. 187/S.L.A.O./N.M.P./Agra**—Under Sub-section (1) of section 11 of the Right Compensation and Transparency in Rehabilitation and Resettlement Act, 2013, Whereas the Government Of Uttar Pradesh/Collector (for the purpose of Appropriate Government) is satisfied that a total of 0.05483 hectares of land is required in the Village-Bhandai, Pargana-Agra, Tehsil-Sadar Agra, District-Agra is required for

public purpose, namely, Development Atal Puram Yojana through Agra Development Authority, Agra (name of requiring body).

2. Social Impact Assessment study was carried out by the A.D.M.(F/R) Agra Nodal Officer of Social Impact Assessment Agency and submits its recommendations to the Appropriate Government which has approved its recommendation on dated February 10, 2025.

3. The summary of the Social Impact Assessment Report as follows-

1- Land is required for public purpose Namely Development for Atal Puram Yogna.

2- There is no any other Anty Effect construction on of this project.

4. A total of No one families are likely to be displaced due to the land acquisition. The reason necessitating such displacement is as under-

----

Deputy Collector/Assistant Collector A.D.M.(F/R) Agra is appointed as 'Administrator for the purpose of rehabilitation and resettlement of the project affected families.

5. Therefore, the Governor is pleased to notify for general information that the land mentioned in the Schedule below is needed for public purpose.-

#### SCHEDULE

Sl. No.	District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area to be acquired
1	2	3	4	5	6	7
						<i>Hectares</i>
1	Agra	Sadar Agra	Agra	Bhandai	626	0.0340
2	Do.	Do.	Do.	Do.	659	0.01475
3	Do.	Do.	Do.	Do.	660	0.00608
<b>Total . .</b>						<b>0.05483</b>

6. The Governor is also pleased to authorize the Collector for the purpose of land acquisition to take necessary steps to entre upon and survey of land, take levels of any land, dig or sub-soil into the sub-oil and do all the Acts required for the proper execution of work as provided and specified under section 12 of the Act.

7. Under section 15 of the Act, any person interested in the land may within 60 days after the publication of this notification, make an objection to the acquisition of land in the locality in writing to the Collector.

8. Under section 11(4) of the Act, no person shall make any transaction or cause any transaction of land *i.e.* sale/purchase, specified in the preliminary notification or create any encumbrances on such land from the date of publication of such notification till such time as the proceedings of land acquisition is completed, without prior approval of the Collector.

**NOTE-**A plan of land may be inspected in the Office of the Collector for the purpose of acquisition.

(Sd.) ILLEGIBLE,  
State Government/Collector,  
Agra.

**राजस्व विभाग****प्रारूप-18****नियम-20 का उपनियम (2)****समुचित सरकार/कलेक्टर द्वारा प्रारम्भिक अधिसूचना****(अधिनियम की धारा-11 की उपधारा (1) के अन्तर्गत)**

09 अप्रैल, 2025 ई0

सं0 188/वि0भू0अ0अ0/न0म0पा0/आगरा-भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थान में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-11 की उपधारा (1) के अधीन उत्तर प्रदेश सरकार/कलेक्टर (समुचित सरकार के उद्देश्य हेतु) राय है कि आगरा विकास प्राधिकरण, आगरा के माध्यम से सार्वजनिक प्रयोजन "ग्राम-ककुआ में अटलपुरम योजना के निर्माण हेतु।" जनपद-आगरा, तहसील सदर आगरा, परगना-आगरा ग्राम-ककुआ में कुल 8.3301198 हे0 भूमि की आवश्यकता है।

2- अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) आगरा, नोडल अधिकारी की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन किया गया है तथा समुचित सरकार को अपनी अनुशंसा प्रस्तुत की गयी है जिसे समुचित सरकार द्वारा दिनांक 10 फरवरी, 2025 को अनुमोदित किया गया है।

3- सामाजिक समाघात निर्धारण रिपोर्ट का सारांश इस प्रकार है-

(1) ग्राम बल्हेरा में अटलपुरम योजना के निर्माण हेतु।

(2) इस परियोजना के निर्माण से कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

4- भूमि अर्जन के कारण कुल (कोई नहीं) परिवार के विस्थापित होने की संभावना है। विस्थापन के लिए अपरिहार्य कारण निम्नवत् है-

शून्य

डिप्टी कलेक्टर/असिस्टेंट कलेक्टर अपर जिलाधिकारी (नगर) आगरा को प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के उद्देश्य से प्रशासक नियुक्त किया जाता है।

5- अतः राज्यपाल सार्वजनिक प्रयोजन हेतु निम्नलिखित अनुसूची में उल्लिखित भूमि को सामान्य सूचना हेतु अधिसूचित करने के लिए सहर्ष सहमति देती है।

क्र0 सं0	जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	भूखण्ड सं0/गाटा सं0	अर्जित किये जाने वाला क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6	7
						हेक्टेयर
1	आगरा	सदर आगरा	आगरा	ककुआ	412	0.2090
2					413	0.2090
3					415	0.4180

1	2	3	4	5	6	7
						हेक्टेयर
4	आगरा	सदर आगरा	आगरा	ककुआ	416	0.8440
5					417	0.8440
6					418	0.07317
7					442	0.7170
8					447	0.0304
9					524	0.9070
10					525	0.3020
11					529	0.2000
12					530	0.1000
13					531	0.0870
14					532	0.0870
15					608	0.0416666
16					609	0.3768333
17					610	0.2366666
18					611	0.0783333
19					623	0.0437
20					648	0.0230
21					656	0.0170
22					662	0.7280
23					707	0.0520
24					722	0.2211
25					726	0.9720
26					728	0.04675
27					754	0.4455
28					826	0.0200
योग . .						8.3301198

6— अधिनियम की धारा-12 के अन्तर्गत निर्दिष्ट एवं प्राविधानित भूमि अधिग्रहण के प्रयोजन हेतु आवश्यक कदम उठाये जाने के लिए तथा भूमि का सर्वेक्षण, किसी भूमि के लिए समतलीकरण, खुदाई करने तथा कार्य के समुचित क्रियान्वयन हेतु सभी आवश्यक क्रियायें करने के लिए राज्यपाल कलेक्टर प्राधिकृत करने हेतु निर्देश देते हैं।

7— अधिनियम की धारा-15 के अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति जिसका हित भूमि में निहित हो अधिसूचना के प्रकाशन के 60 (दिन) के अन्दर अपने क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण के विरुद्ध लिखित रूप से कलेक्टर को आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

8— अधिनियम की धारा-11(4) के अन्तर्गत कोई व्यक्ति अधिसूचना के प्रकाशन तिथि से भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण होने तक कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना प्रारम्भिक अधिसूचना में निर्दिष्ट भूमि का सव्यवहार यथा विक्रय/क्रय या उस भूमि में कोई भार उत्पन्न नहीं कर सकता है।

**टिप्पणी—** उक्त भूमि का स्थल नक्शा कलेक्टर के कार्यालय में देखा जा सकता है।

(ह0) अस्पष्ट,  
राज्य सरकार/कलेक्टर,  
आगरा।

## REVENUE DEPARTMENT

### FORM-18

#### [ Sub-rule (2) of rule 20 ]

#### PRELIMINARY NOTIFICATION BY APPROPRIATE GOVERNMENT/COLLECTOR

[Under Sub-section (1) of section 11 of the Act]

#### NOTIFICATION

*April 09, 2025*

**No. 188/ S.L.A.O./N.M.P./Agra**—Under Sub-section (1) of section 11 of the Right to Compensation and Transparency in Rehabilitation and Resettlement Act, 2013, Whereas the Government of Uttar Pradesh/Collector (for the purpose of Appropriate Government) is satisfied that a total of 8.3301198 hectares of land is required in the Village-Kakua, Pargana-Agra, Tehsil-Sadar Agra, District-Agra is required for public purpose, namely, Development Atal Puram Yojana through Agra Development Authority, Agra (name of requiring body).

2. Social Impact Assessment study was carried out by the A.D.M.(F/R) Agra Nodal Officer of Social Impact Assessment Agency and submits its recommendations to the Appropriate Government which has approved its recommendation on dated February 10, 2025.

3. The summary of the Social Impact Assessment Report as follows-

1. Land is required for public purpose Namely Development for Atal Puram Yojna.
2. There is no any other Anty Effect construction on of this project.

4. A total of No one families are likely to be displaced due to the land acquisition. The reason necessitating such displacement is as under-

----

Deputy Collector/Assistant Collector A.D.M.(F/R) Agra is appointed as Administrator for the purpose of rehabilitation and resettlement of the project affected families.



[illegible]

6. The Governor is also pleased to authorize the Collector for the purpose of land acquisition to take necessary steps to enter upon and survey of land, take levels of any land, dig or sub-soil into the sub-soil and do all the Acts required for the proper execution of work as provided and specified under section 12 of the Act.

7. Under section 15 of the Act, any person interested in the land may within 60 days after the publication of this notification, make an objection to the acquisition of land in the locality in writing to the Collector.

8. Under section-11(4) of the Act, no person shall make any transaction or cause any transaction of land i.e. sale/purchase, specified in the preliminary notification or create any encumbrances on such land from the date of publication of such notification till such time as the proceedings of land acquisition is completed, without prior approval of the Collector.

**NOTE-**A plan of land may be inspected in the Office of the Collector for the purpose of acquisition.

(Sd.) ILLEGIBLE,  
State Government/Collector,  
Agra.

## बुलन्दशहर के जिलाधिकारी की आज्ञायें

30 दिसम्बर, 2023 ई0

आदेश

सं0 1343/डी0एल0आर0सी0/2023-शासनादेश संख्या-744/एक-1-2016-20(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 का आंशिक परिष्कार करते हुए और उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता-2006 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 8 सन् 2012) की धारा-59 की उपधारा-4 के खण्ड (ग) तथा उ0प्र0 राजस्व संहिता नियमावली, 2016 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्ति का प्रयोग करके तथा शासकीय अधिसूचना संख्या-740/एक-1-2016-20(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं चन्द्र प्रकाश सिंह, जिलाधिकारी बुलन्दशहर नीचे अनुसूची में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार अनुसूचित के स्तम्भ 6 में उल्लिखित भूमि ग्राम शिकारपुर, परगना शिकारपुर, तहसील शिकारपुर, जिला बुलन्दशहर के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ। उपजिलाधिकारी शिकारपुर द्वारा उपलब्ध कराये गये पुर्नग्रहण प्रस्ताव दिनांक 16 दिसम्बर, 2023 के आधार पर अनुसूची में वर्णित भूमि गाटा संख्या-3529क क्षेत्रफल 0.0948 हे0 में से 0.0300 हे0 भूमि ग्राम शिकारपुर, परगना शिकारपुर, तहसील शिकारपुर, जिला बुलन्दशहर को महिला कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश के निर्वतन पर रखते हुए भारत सरकार की वित्त पोषित वन स्टाप सेटर योजना के लिए भवन निर्माण हेतु कार्यालय जिला प्रोबेशन अधिकारी बुलन्दशहर, (उत्तर प्रदेश शासन का सेवारत विभाग) के पक्ष में निःशुल्क हस्तान्तरित की जाती है।

## अनुसूची

जिला	तहसील	परगना	ग्राम/ कस्बा	खसरा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी/ प्रकृति	विशेष प्रयोजन जिसके लिए भूमि पुनर्ग्रहित की जा रही है।
1	2	3	4	6	7	8	9
बुलन्दशहर	शिकारपुर	शिकारपुर	शिकारपुर	3529क	0.0948 में से 0.0300 हेक्टेयर	5-1 नवीन परती	महिला कल्याण विभाग उ0प्र0 के निर्वर्तन पर रखते हुए, भारत सरकार की वित्त पोषित वन स्टाप सेटर योजना यूनिट द्वितीय के भवन निर्माण हेतु कार्यालय जिला प्रोबेशन अधिकारी बुलन्दशहर के पक्ष में

12 जून, 2024 ई0

सं0 1549/डी0एल0आर0सी0/2024—शासनादेश संख्या-744/एक-1-2016-20(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 का आंशिक परिष्कार करते हुए और उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता-2006 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 8 सन् 2012) की धारा-59 की उपधारा-4 के खण्ड (ग) तथा उ0प्र0 राजस्व संहिता नियमावली, 2016 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्ति का प्रयोग करके तथा शासकीय अधिसूचना संख्या-740/एक-1-2016-20(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं चन्द्र प्रकाश सिंह, जिलाधिकारी बुलन्दशहर नीचे अनुसूची में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार अनुसूचित के स्तम्भ 6 में उल्लिखित ग्राम इब्राहिमपुर जुनैदपुर उर्फ मौजपुर, परगना व तहसील खुर्जा, जिला बुलन्दशहर के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ। उपजिलाधिकारी, खुर्जा द्वारा प्रस्तुत पुर्नग्रहण प्रस्ताव/संस्तुति दिनांक 23 फरवरी, 2024 के आधार पर अनुसूची में वर्णित गाटा संख्या-1099 क्षेत्रफल 0.167 हे0 व गाटा संख्या-1379 क्षेत्रफल 0.1350 हे0 कुल 02 कित्ता क्षेत्रफल 0.3020 हे0 भूमि पुलिस विभाग के निर्वर्तन पर रखते हुए रिपोर्टिंग पुलिस चौकी खुर्जा जंक्शन को थाना बनाये जाने हेतु निःशुल्क हस्तान्तरित की जाती है।

## अनुसूची

जिला	तहसील	परगना	ग्राम/ कस्बा	खसरा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी/प्रकृति	विशेष प्रयोजन जिसके लिए भूमि पुनर्ग्रहित की जा रही है।
1	2	3	4	5	6	7	8
					हेक्टेयर	घास	
बुलन्दशहर	खुर्जा	खुर्जा	इब्राहिमपुर जुनैदपुर उर्फ मौजपुर	1099 1379	0.1670 0.1350	स्क्रैप	उत्तर प्रदेश शासन के पुलिस विभाग के निर्वर्तन पर रखते हुए रिपोर्टिंग पुलिस चौकी खुर्जा जंक्शन को थाना बनाये जाने हेतु

चन्द्र प्रकाश सिंह,  
जिलाधिकारी, बुलन्दशहर।

## गाजियाबाद के जिलाधिकारी की आज्ञायें

22 मई, 2024 ई0

आदेश

सं0 701/सात-डी0एल0आर0सी0/पुर्न0-2024-शासनादेश सं0-32/744/एक-1-2016-20(5)/2016 दिनांक 03 जून, 2016 का आंशिक परिष्कार करते हुए और उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उत्तर प्रदेश अधिनियम सं0-8 सन् 2012) की धारा-59 की उपधारा (4) के खण्ड (ग) तथा उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, नियमावली 2016 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्ति का प्रयोग करके तथा शासनादेश सं0-35/740/एक-1-2016-20(5)/2016 दिनांक 03 जून, 2016 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं इन्द्र विक्रम सिंह, जिलाधिकारी, गाजियाबाद निम्न अनुसूची के स्तम्भ 6 व 7 (गाटा संख्या व क्षेत्रफल) में उल्लिखित भूमि, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2018 के शासनादेश के अनुसार /स्थानीय प्राधिकारी में निहित थी, को फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ।

## अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं0	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी/ प्रकृति	विवरण परियोजना जिसके लिए भूमि का पुर्नग्रहण किया जा रहा है)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	गाजियाबाद	लोनी	लोनी	बेहटा हाजीपुर	873/1 881/1 योग. .	1.290 0.759 2.049	श्रेणी- 5-3-क, बंजर	परिवहन विभाग, उ0प्र0 शासन, लखनऊ के निर्वतन पर रखते हुए ग्राम बेहटा हाजीपुर, परगना व तहसील लोनी जनपद गाजियाबाद में बस स्टेशन एवं कार्यशाला के निर्माण हेतु

इन्द्र विक्रम सिंह,  
जिलाधिकारी,  
गाजियाबाद।

## गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी की आज्ञायें

06 जुलाई, 2024 ई0

आदेश

सं0 1760/डी0एल0आर0सी0/2024-उ0प्र0 राजस्व संहिता, 2006 की धारा 59 तथा महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, लखनऊ के शासनोदश दिनांक 20 दिसम्बर, 2023 तथा शासनादेश संख्या 32/744/एक-1-2016-20(5)/2016 दिनांक 03 जून, 2016 एवं शासनादेश सं0 689/एक-1-2020-20(5)/2016 दिनांक 06 जुलाई, 2020 के क्रम में एवं उपजिलाधिकारी दादरी की आख्या दिनांक 19 जून, 2024, एवं 02 जुलाई, 2024 एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, गौतमबुद्धनगर की आख्या दिनांक 01 जुलाई, 2024 के आधार पर मै मनीष कुमार वर्मा, जिलाधिकारी, गौतमबुद्धनगर निम्न अनुसूची के स्तम्भ 5 व 6 में उल्लिखित ग्राम सभा की भूमि को फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ तथा बेसिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0 के निवर्तन पर रखते हुए मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय विकसित किये जाने हेतु निःशुल्क हस्तान्तरित करता हूँ।

## अनुसूची

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	खसरा सं०	क्षेत्रफल	विवरण	भूमि पुर्नग्रहित करने हेतु विशेष प्रयोजन
1	2	3	4	5	6	7	8
गौतमबुद्धनगर	दादरी	दादरी	प्यावली ताजपुर	169	0.7340	बंजर श्रेणी	मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय विकसित किये जाने हेतु
				170	0.2530	5-3(ड)	
				171	0.0760		
				172	0.3290		
				173	0.2020		
				174	0.4430		
				137	0.5560		
				180	0.3290		
				योग .			

मनीष कुमार वर्मा,  
जिलाधिकारी,  
गौतमबुद्धनगर

**कार्यालय जिलाधिकारी, जनपद हाथरस**

आकार-पत्र-1

18 दिसम्बर, 2023 ई0

सं0 1248/डी0एल0आर0सी0/2023—उत्तर प्रदेश. शासन के राजस्व अनुभाग-1, लखनऊ के शासनादेश संख्या 68/3-2(6)/1979-रा-1 दिनांक 05 सितम्बर, 1986 का आंशिक परिष्कार करते हुए और उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधिनियम संख्या 8 सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड (ग) तथा उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता नियमावली, 2016 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्ति का प्रयोग करके तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2016-20(5)/2016 दिनांक 03 जून, 2016 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं अर्चना वर्मा, जिलाधिकारी, हाथरस निम्न अनुसूची में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उक्त शासनादेश दिनांक 05 सितम्बर, 1986 के अनुसार अनुसूची के स्तम्भ-6 में उल्लिखित ग्राम पंचायत/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, को फिर से अपने अधिकार में लेकर उसे जनपद हाथरस की तहसील सादाबाद के ग्राम करसौरा में बृहद गौ संरक्षण केन्द्र के निर्माण हेतु पशुपालन विभाग, उ0प्र0 के नाम निःशुल्क हस्तान्तरित करती हूँ। इस भूमि का अन्यथा उपयोग नहीं होगा।

**अनुसूची**

क्र0 सं0	जनपद	तहसील	परगना	गाँव	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी/ प्रकृति	विवरण (प्रयोजन जिसके लिए भूमि पुनर्गृहीत की जा रही है)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	हाथरस	सादाबाद	सादाबाद	करसौरा	249	1.149	5 (कृषि योग्य भूमि)	बृहद गौ संरक्षण केन्द्र के निर्माण हेतु

अर्चना वर्मा,  
जिलाधिकारी, हाथरस।



# सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

## उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 05 जुलाई, 2025 ई० (आषाढ़ 14, 1947 शक संवत्)

### भाग 8

नगरपालिका परिषद्, नगर पंचायत, सरकारी कागज-पत्र, दबाई हुई रूई की गांठों का विवरण-पत्र, जन्म-मरण के आंकड़े, रोगग्रस्त होने वालों और मरने वालों के आंकड़े, फसल और ऋतु सम्बन्धी रिपोर्ट, बाजार-भाव, सूचना, विज्ञापन इत्यादि।

#### NOTICE

No Legal Responsibility is accepted for the Publication of Advertisements/Public Notices in this Part of the Gazette of Uttar Pradesh. Persons Notifying the Advertisements/Public Notices will remain Solely, Responsible for the Legal Consequences and also for any other Misrepresentation etc.

By Order,  
Director.

### उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद्

#### भूमि अर्जन अनुभाग

(उ०प्र० आवास एवं विकास परिषद् अधिनियम, 1965

(उ०प्र० अधिनियम संख्या-1, 1966) की धारा-28 के अधीन)

#### सूचना

16 जून, 2025 ई०

सं० 447/एल०ए०सी०/एच०क्यू०-उ०प्र० टाउनशिप नीति-2023 के अन्तर्गत निर्गत लाईसेन्स सं०-4050/सी०ए०पी०/2024 दिनांक 12 दिसम्बर, 2024 के क्रम में विकासकर्ता मैसर्स शालीमार कॉर्प लि० द्वारा ग्राम-खजूरगाँव एवं तिन्दोला, तहसील-नवाबगंज, परगना-देवा, जनपद-बाराबंकी में इन्टीग्रेटेड टाउनशिप योजना सृजित की जा रही है, जिस हेतु उ०प्र० टाउनशिप नीति 2023 के उपनियम के प्रस्तर 3.3(10) के अन्तर्गत उत्तर-प्रदेश आवास एवं विकास

परिषद अधिनियम-1965 में प्राविधानित व्यवस्थानुसार धारा-28 की अधिसूचना प्रकाशित की जा रही है। उक्त इन्टीग्रेटेड टाउनशिप योजना में समाविष्ट क्षेत्र की सीमायें निम्न प्रकार हैं:-

**उत्तर:-** खसरा संख्या-306 (तिन्दोला मार्ग), ग्राम-तिन्दोला, तहसील-नवाबगंज, परगना-देवा, जनपद-बाराबंकी, खसरा संख्या-21, 22, 23, 28भाग, 25भाग ग्राम-खजूरगांव, तहसील-नवाबगंज, परगना-देवा, जनपद-बाराबंकी, खसरा संख्या-306 ग्राम तिन्दोला तहसील-नवाबगंज, परगना-देवा, जनपद-बाराबंकी, खसरा संख्या-26 ग्राम-खजूरगांव, तहसील-नवाबगंज, परगना-देवा, जनपद-बाराबंकी, खसरा संख्या-306 (तिन्दोला मार्ग), ग्राम-तिन्दोला, तहसील-नवाबगंज, परगना-देवा, जनपद-बाराबंकी, खसरा संख्या- 27भाग, 177, 178भाग ग्राम-खजूरगांव, तहसील-नवाबगंज, परगना-देवा, जनपद-बाराबंकी, खसरा संख्या-398, 399 ग्राम-बरेठी, तहसील-नवाबगंज, परगना-देवा, जनपद-बाराबंकी।

**पूर्व:-** खसरा संख्या-1, 2, 3, 4, 8 ग्राम-नगर, तहसील-नवाबगंज, परगना-देवा, जनपद-बाराबंकी, खसरा संख्या-184/1578, 184 भाग, 188, 191 भाग, 190, 225, 228 भाग, 229 भाग, 230 भाग, 234, 232, 231, 240 भाग, 237, 236, 249, 250, 217, 216 भाग, 204 भाग, 251, 200 भाग, 199, 278, 146, 145 भाग, 148, 150 भाग, 148, 145, 339 भाग, 146, 278, 320 ग्राम-खजूरगांव, तहसील-नवाबगंज, परगना-देवा, जनपद-बाराबंकी।

**दक्षिण:-**खसरा संख्या-331, 336, 341, 343, 345, 346, 134 भाग, 350, 132 भाग, 350 भाग, 349 भाग, 346, 347, 512, 357, 358, 359 भाग, 360, 457, 456, 415, 414, 383, 382 भाग, 384, 380 भाग, 384, 379, ग्राम-खजूरगांव, तहसील-नवाबगंज, परगना-देवा, जनपद-बाराबंकी।

**पश्चिम:-**खसरा संख्या-322, 321, 318 ग्राम-तिन्दोला, तहसील-नवाबगंज, परगना-देवा, जनपद-बाराबंकी, खसरा संख्या-376, 375 ग्राम-खजूरगांव, तहसील-नवाबगंज, परगना-देवा, जनपद-बाराबंकी, खसरा संख्या-317, 316, 315, 326, 325 भाग, 340, 327 भाग, 312 ग्राम-तिन्दोला, तहसील-नवाबगंज, परगना-देवा, जनपद-बाराबंकी, खसरा संख्या-02, 06, 11 भाग, 06, 07, 08 ग्राम-खजूरगांव, तहसील-नवाबगंज, परगना-देवा, जनपद-बाराबंकी।

योजना में समाविष्ट भूमि का विवरण व मानचित्र कार्यालय आवास आयुक्त,(भूमि अर्जन अनुभाग) उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद 104, महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ-(226001) अथवा कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड अयोध्या-01, उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद, ऑफिस काम्पलेक्स अंगूरीबाग, अयोध्या-(224001) या कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, अयोध्या वृत्त, उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद, ऑफिस काम्पलेक्स, अंगूरीबाग, अयोध्या-(224001) में किसी भी कार्य दिवस में पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 03:00 बजे तक देखे जा सकते हैं।

योजना क्षेत्र में स्थित भूस्वामियों के निर्माणों पर उत्तर-प्रदेश आवास एवं विकास परिषद् अधिनियम- 1965 के प्राविधानों के अनुसार बेटरमेन्ट/विकास शुल्क भी अधिभारित होगा।

योजना के विपरीत आपत्तियों को इस नोटिस के प्रथम बार उ0प्र0 के गजट प्रकाशन के तिथि से 30 दिन के अन्दर कार्यालय आवास आयुक्त, भूमि अर्जन अनुभाग, उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद, 104 महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ अथवा कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड अयोध्या-01, उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद, ऑफिस काम्पलेक्स, अंगूरीबाग, अयोध्या-(224001) में प्राप्त की जायेंगी। निर्धारित समय के पश्चात कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं की जायेंगी। प्रस्तुत की जाने वाली आपत्ति में योजना का सही नाम व योजना में समाविष्ट आपत्तिकर्ता की भूमि/भवन/ग्राम का नाम/खसरा नम्बर/भूमि का क्षेत्रफल एवं अन्य सभी विवरण स्पष्ट रूप से अंकित होने चाहिए।

**डा0 बलकार सिंह,**

आवास आयुक्त।



**UTTAR PRADESH AWAS EVAM VIKAS PARISHAD****[LAND ACQUISITION SECTION]**

[U. P. Awas Evam Vikas Parishad Adhiniyam, 1965]

(Notice under section-28 of U. P. Act No. 1, 1966)

**NOTICE**

*June 16, 2025*

**No. 447/L.A.C./H.Q.**--Under the U. P. Township Policy, in accordance with the License No. 4050/C.A.P./2024 dated 12.12.2024 issued for an Integrated Township Scheme is being created by the developer M/s. Shalimar Corp. Ltd. in Village-Khajoorgaon and Tindola, Tehsil-Nawabganj, Pargana-Deva, District-Barabanki, for which a notification of Section-28 is being published as per the provisions of U.P. Awas Evam Vikas Parishad Adhiniyam, 1965 as mentioned in clause 3.3 (10) of the by-law's of the U.P. Township Policy 2023. The boundaries of the area included in the said Integrated Township Scheme are as follows-

**North**--Khasra No. 306 (Tindola Road), Village-Tindola, Tehsil-Nawabganj, Pargana-Deva, District-Barabanki, Khasra No. 21, 22, 23, 28 Part, 25 Part Village-Khajoorgaon Tehsil-Nawabganj, Pargana-Deva, District-Barabanki, Khasra No. 306 (Tindola Road), Village-Tindola, Tehsil-Nawabganj, Pargana-Deva, District-Barabanki, Khasra No. 26 Village-Khajoorgaon, Tehsil-Nawabganj, Pargana-Deva, District-Barabanki, Khasra No. 306 (Tindola Road), Village-Tindola, Tehsil-Nawabganj, Pargana-Deva, District-Barabanki, Khasra No. 27 Part, 177, 178 Part Village-Khajoorgaon, Tehsil-Nawabganj, Pargana-Deva, District-Barabanki, Khasra No. 398, 399 Village-Barethi, Tehsil -Nawabganj, Pargana-Deva, District-Barabanki.

**East**--Khasra No. 1, 2, 3, 4, 8 Village-Nagar, Tehsil- Nawabganj, Pargana-Deva, District-Barabanki, Khasra No. 184/1578, 184 Part, 188, 191 Part, 190, 225, 228Part, 229Part, 230Part, 234, 232, 231, 240 Part, 237, 236, 249, 250, 217, 216 Part, 204 Part, 251, 200 Part, 199, 278, 146, 145 Part, 148, 150 Part, 148, 145, 339 Part, 146, 278, 320 Village- Khajoorgaon, Tehsil-Nawabganj, Pargana- Deva, District-Barabanki.

**South**--Khasra No. 331, 336, 341, 343, 345, 346, 134 Part, 350, 132 Part, 350 Part, 349 Part, 346, 347, 512, 357, 358, 359 Part, 360, 457, 456, 415, 414, 383, 382 Part, 384, 380, 384, 379 Village-Khajoorgaon, Tehsil-Nawabganj, Pargana-Deva, District- Barabanki.

**West**--Khasra No. 322, 321, 318 Village-Tindola, Tehsil-Nawabganj, Pargana-Deva, District-Barabanki, Khasra No. 376, 375 Village-Khajoorgaon, Tehsil-Nawabganj, Pargana-Deva, District-Barabanki, Khasra No. 317, 316, 315, 326, 325 Part, 340, 327 Part, 312 Village-Tindola, Tehsil-Nawabganj, Pargana-Deva, District-Barabanki, Khasra No. 02, 06, 11 Part, 06, 07, 08 Village-Khajoorgaon, Tehsil-Nawabganj, Pargana-Deva, District-Barabanki.

Details and map of the land included in the scheme can be seen in the Office of Housing Commissioner, (Land Acquisition Section) U.P. Housing and Development Board, 104, Mahatma Gandhi Marg, Lucknow (226001) or Office of Executive Engineer, Construction Division Ayodhya-01, U.P. Housing and Development Board, Office Complex Angooribagh, Ayodhya (224001) or Office of the Superintending Engineer, Ayodhya Circle, U.P. Housing and Development Board, Office Complex, Angooribagh, Ayodhya (224001) on any working day from 11:00 am. to 03:00 pm.

Betterment/Development fee will also be levied on the land owners of existing constructions situated in the scheme area as per the provisions of U.P. Awas EvamVikas Parishad Adhiniyam, 1965.

Objections against the scheme will be taken within 30 days from the date of First publication of this notice in the Gazette of U.P., at the Office of Housing Commissioner, Land Acquisition Section, U.P. Housing and Development Board, 104 Mahatma Gandhi Marg, Lucknow or at the Office of Executive Engineer, Construction Division Ayodhya 01, U.P. Housing and Development Board, Office Complex, Angooribagh, Ayodhya (224001). No objections will be accepted after the given time. The objection should clearly mention the correct name of the Scheme and the name of the objector's land/building/village included in the Scheme/Khasra No./area of land and all other details.

Dr. Balkar Singh,  
Housing Commissioner.

## कार्यालय, नगर पालिका परिषद, देवरिया

### टॉवर स्थापना नियंत्रण एवं विनियमन आदर्श उपविधि

दिनांक 02 अप्रैल, 2025 ई0

पत्रांक 13/अधिष्ठान/2025-26/देवरिया-उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-2 सन् 1916) की धारा-298 तथा उसके साथ अंकित सूची-1 के अधीन शक्ति का प्रयोग करके नगर पालिका परिषद, देवरिया टॉवर स्थापना नियंत्रण एवं विनियमन उपविधि बनाने का प्रस्ताव करता है, जिसका प्रस्ताव वर्तमान बोर्ड द्वारा एजेन्डा बिन्दू संख्या-02 दिनांक 26 अक्टूबर, 2024 को सर्वसम्मति से पारित किये जाने के उपरान्त उक्त उपविधि का प्रारूप उक्त अधिनियम की धारा-301, की अपेक्षानुसार समस्त सम्बन्धित व्यक्ति/समूह को आपत्ति एवं सुझाव आमंत्रित किये जाने हेतु दैनिक समाचार-पत्र "हिन्दूस्तान" में दिनांक 18 जनवरी, 2025 को प्रकाशन करते हुए 30 दिवस के अन्दर आम जनता से आपत्ति एवं सुझाव माँगा गया था। निर्धारित अवधि में कोई भी आपत्ति एवं सुझाव नगर पालिका परिषद, देवरिया में प्राप्त न होने की दशा में उक्त उपविधि का निम्नवत् अन्तिम प्रकाशन किया जाता है, जो गजट में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगा।

1- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ — (1) यह उपविधि नगर पालिका परिषद, देवरिया जिला-देवरिया (टॉवर, स्थापना नियंत्रण एवं विनियमन) उपविधि 2024 कही जायेगी।

(2) यह नगर पालिका परिषद, देवरिया जिला-देवरिया की सीमा में लागू होगी।

(3) यह गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से प्रवृत्त होगी।

2— **परिभाषाएँ**—(1) जब तक विषय या संदर्भ में कोई बात प्रतिकूल न हो इस उपविधि में—

(एक) “अधिनियम से तात्पर्य उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम” 1916 से है।

(दो) “टॉवर” से तात्पर्य रेडियो, दूरदर्शन मोबाइल फोन या अन्य फोन या दूरसंचार सम्बन्धी अन्य माध्यमों के संकेतक या रश्मियाँ भेजने और संयोजन तथा संवाहकता स्थापित रखने हेतु निर्मित ऊँची संरचना से है,

(तीन) “सेवा प्रदाता” से तात्पर्य किसी कम्पनी, उसके कर्मचारी अभिकर्ता, अनुज्ञापी संविदाकर्ता या अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों से है जिसके द्वारा अथवा निर्देशन अथवा पर्यवेक्षण में टॉवर लगाया जाना प्रस्तावित हो या लगाया गया हो।

(चार) “भवन” के अन्तर्गत मकान, घर के बाहर के कक्ष, छादक, झोपड़ी या अन्य घिरा हुआ स्थान या ढाँचा है चाहे वह पत्थर, ईंट, लकड़ी, मिटटी, धातु या अन्य किसी वस्तु से बना हो और चाहे वह मनुष्यों को रहने के लिए या अन्यथा प्रयुक्त होता हो और इसके अन्तर्गत बरामदे, चबूतरे, मकानों की कुर्सियाँ, दरवाजे की सीढ़ियाँ, दीवारें तथा हाता की दीवारें और मेड़ तथा ऐसे ही अन्य निर्माण भी हैं।

(पांच) “भूमि” के अन्तर्गत ऐसी भूमि है जिस पर कोई निर्माण हो रहा अथवा निर्माण हो चुका है अथवा जो पानी से ढकी हो, भूमि से उत्पन्न होने वाले लाभ, भूमि से संलग्न अथवा भूमि से संलग्न किसी वस्तु से स्थायी सूत्र से बँधी हुई वस्तुयें और वे अधिकार हैं जो किसी सड़क के सम्बन्ध में विधायन द्वारा सृजित हुए हों,

(छः) नगर पालिका से तात्पर्य नगर पालिका परिषद, देवरिया जिला-देवरिया से है।

(2) इस नियमावली में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित और अधिनियम में परिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में उनके लिये समनुदेषित हों।

3— **प्रतिषेध**—(1) अधिशासी अधिकारी से पूर्व में लिखित अनुज्ञा प्राप्त किए बिना कोई सेवा प्रदाता कम्पनी, कर्मचारी, अभिकर्ता, अनुज्ञापी या संविदाकर्ता या कोई व्यक्ति निकाय की सीमा के भीतर किसी भूमि या भवन या वाहन पर कोई टॉवर या इसी प्रकार की अन्य संरचना जिससे किसी सामान्य प्रज्ञावाले व्यक्ति को टॉवर होने का आभास हो, न तो प्रतिष्ठापित करेगा न परिनिर्मित करेगा, न खड़ा करेगा न गाड़ेगा।

(2) पालिका की सीमाओं के भीतर किसी भूमि या भवन का स्वामी या अन्य अधिभोग करने वाला कोई व्यक्ति अधिशासी अधिकारी की लिखित पूर्व अनुज्ञा के बिना ऐसे भूमि या भवन के किसी भाग पर कोई टॉवर न प्रतिष्ठापित करेगा, न परिनिर्मित करेगा, न खड़ा करेगा, न गाड़ेगा और न ही किसी व्यक्ति, कम्पनी, संस्था या उसके कर्मचारी, अभिकर्ता या अनुज्ञापी को ऐसे भवन या भूमि पर कोई टॉवर न प्रतिष्ठापित करने देगा, न परिनिर्मित करने देगा और न खड़ा करने देगा न गाड़ने देगा।

(3) कोई टॉवर इस रीति से स्थापित नहीं किया जायेगा जिससे यातायात अथवा समीपस्थ भवनों तथा उनके अध्यासियों को नागरिक सुविधाओं की उपलब्धता अथवा लोक सुरक्षा में किसी प्रकार का व्यवधान हो।

4— अनुज्ञा प्राप्त करने की प्रक्रिया—(1) अनुज्ञा प्राप्त करने के लिए प्रत्येक आवेदन अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्रपत्र में किया जायेगा जिसे रु0 15,000 /— भुगतान करके नगर पालिका परिषद, देवरिया जिला-देवरिया के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। नगर पालिका परिषद, देवरिया जिला-देवरिया कार्यालय से प्राप्त आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय आवेदन-पत्र, आवेदन-पत्र के मूल्य की रसीद और उसके साथ आवेदन-पत्र के मूल्य का बैंक ड्राफ्ट प्रस्तुत किया जायेगा।

(2) आवेदक द्वारा भारत सरकार के दूरसंचार विभाग द्वारा जारी अपेक्षित लाइसेन्स अथवा पंजीकरण प्रमाण-पत्र संलग्न किया जायेगा।

(3) प्रत्येक आवेदन-पत्र में ऐसी भूमि, भवन या स्थान के सम्बन्ध में विस्तृत सूचना निहित होगी जहाँ ऐसी भूमि, भवन या स्थान के पास प्रस्तावित टॉवर प्रतिष्ठापित किया जाना, परिनिर्मित किया जाना, खड़ा किया जाना, गाड़ा जाना, चिपकाया जाना या लटकाया जाना वांछित हो।

(4) आवेदन-पत्र के साथ टॉवर की प्रस्तावित संरचना के आकार का विवरण, अधिशासी अधिकारी द्वारा अनुमोदित संरचना, अभियन्ता से सुदृढ़ता सम्बन्धी रिपोर्ट, आवश्यक चित्र तथा संरचना संगणना प्रस्तुत की जायेगी।

(5) आवेदक द्वारा भूमि अथवा भवन का स्वामित्व प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत किया जायेगा। यदि आवेदक ऐसी भूमि या भवन का स्वामी न हो तो आवेदन-पत्र के साथ ऐसी भूमि या भवन के स्वामी की लिखित अनुमति उसके स्वामित्व प्रमाण-पत्र के साथ संलग्न करनी होगी।

(6) भूमि या भवन के प्रत्येक स्वामी को यह लिखित समझौता करना होगा कि किसी व्यतिक्रम की स्थिति में वह टॉवर हेतु देय प्रत्येक प्रकार के शुल्क का भुगतान करने के लिए दायी होगा।

(7) टॉवर से सम्बन्धित विवरण जैसे ऊँचाई, भार, भूतल पर स्थापित या छत पर एन्टिना की संख्या तथा अन्य अपेक्षित सूचनाएँ और विशिष्टियाँ अंकित की जायेगी।

(8) आटोमोटिव रिसर्च एसोसियेशन ऑफ इण्डिया (ARAI) द्वारा डीजी जनरेटर सेट के निर्माता का जारी टाइप टेस्ट सर्टीफिकेट (Type Test Certificate) की प्रति आवेदक-पत्र के साथ संलग्न किया जाना अपेक्षित होगा।

(9) ऊँचे भवनों की दशा में अग्निशमन विभाग से विलयरेन्स प्राप्त किया जायेगा।

(10) संरक्षित वन क्षेत्र में वन विभाग की अनापत्ति वांछित होगी।

**5— अनुज्ञा प्राप्त करने की शर्तें—** (1) किसी टॉवर को प्रतिष्ठापित करने, परिनिर्मित करने, खड़ा करने या गाड़ने की अनुज्ञा निम्नलिखित निबन्धनों एवं शर्तों के अधीन प्रदान की जायेगी—

(क) अनुज्ञा केवल उसी अवधि तक के लिए प्रभावी होगी जिस अवधि के लिए प्रदान की गयी हो बशर्ते शुल्क इस उपविधि के अधीन संदत्त और जमा किया गया हो।

(ख) टॉवर को समुचित स्थितियों और दशाओं में रखा और अनुरक्षित किया जायेगा।

(ग) प्रदान की गई अनुज्ञा अन्तरणीय नहीं होगी।

(घ) सेवा प्रदाता कम्पनी या व्यक्ति ऐसी अवधि जिसके लिए अनुज्ञा दी गई थी, की समाप्ति के एक सप्ताह के पूर्व अनुज्ञा नवीनीकरण हेतु निर्धारित शुल्क जमा करेगा। शुल्क न जमा करने की स्थिति में एक सप्ताह में टॉवर हटा दिया जायेगा।

(ङ) टॉवर अनुज्ञात स्थान पर ही प्रतिष्ठापित किए जायेंगे, परिनिर्मित किए जायेंगे, खड़े किए जायेंगे, गाड़ें जायेंगे, चिपकायें जायेंगे या लटकायें जायेंगे। टॉवर किसी हेरिटेज/संरक्षित स्मारकों/भवनों पर स्थापित नहीं किये जायेंगे।

(च) टॉवर से समीपस्थ भवनों के आवागमन, प्रकाश और वातायन में किसी भी रूप में व्यवधान नहीं डाला जायेगा और न ही लोक बाधा अथवा यातायात में बाधा उत्पन्न की जायेगी।

(छ) लोकहित में अधिशासी अधिकारी या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी को यह अधिकार होगा कि वह अनुज्ञा अवधि समाप्त होने से पूर्व भी अनुज्ञा पत्र को निलम्बित कर दें।

(ज) ढाँचों, अवलम्बों और पट्टियों सहित टॉवर को अज्वलनशील सामग्री से निर्मित किया जायेगा। समस्त धात्विक पुर्जों के वैद्युत भू-आच्छादन की व्यवस्था की जायेगी और सभी वायरिंग सुरक्षित और रोधित रखी जायेगी।

(झ) भूमि अथवा छत पर लगाने वाले बेस ट्रॉस रिसीविंग सिस्टम् (बी0टी0एस0) के सम्बन्ध में भवन के टॉचे की डिजाइन तथा टॉवर के आधार के स्थायित्व और सुदृढ़ता के प्रमाण-पत्र पर स्थानीय निकाय या राज्य सरकार या सी0बी0आर0आई0 रुड़की या आई0आई0टी0, एन0आई0आई0 टी0 या किसी अन्य संस्था के अधिकृत संरचना अभियंता द्वारा की गयी लिखित आख्या अपेक्षित होगा।

(ञ) किसी भवन के छत पर कोई टॉवर इस प्रकार प्रतिष्ठापित नहीं किया जायेगा जिससे छत के एक भाग से दूसरे भाग में मुक्त प्रवेश में व्यवधान हो।

(ट) कोई टॉवर किसी छत पर तब तक प्रतिष्ठापित नहीं किया जायेगा जब तक सम्पूर्ण दत्त अज्वलनशील सामग्री का न हो।

(ठ) कोई टॉवर भवन के विद्यमान एलाइनमेन्ट से बाहर किसी भी दशा में नहीं बढ़ेगा।

(ड) प्रत्येक टॉवर को पूर्णतया सुरक्षित रखा जायेगा। ऐसे भवन या संरचना जिस पर यह प्रतिष्ठापित या परिनिर्मित हो, का सम्पूर्ण भार भवन के संरचनात्मक भागों में सुरक्षित रूप में संवितरित होंगे।

(ढ) विमान पत्तनों के समीप टॉवर स्थापना हेतु विमान पत्तन प्राधिकरण से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक होगा।

(ण) टॉवर के स्थापना हेतु प्रथम बरीयता बन क्षेत्र एवं द्वितीय बरीयता आबादी से दूर खुले या सार्वजनिक क्षेत्र को दिया जायेगा। टॉवर आवासीय क्षेत्रों में लगाने से बचा जाये। किन्तु जहाँ यह सम्भव न हो वहाँ यथा सम्भव खुली भूमि पर उसे स्थापित किया जाये।

(त) टॉवर पर लगा एन्टीना समीपस्थ भवन से न्यूनतम 03 मीटर दूर और उसका निम्न धरातल अथवा छत से न्यूनतम 03 मीटर की ऊँचाई पर होगा।

(थ) टॉवर की स्थापना किसी शैक्षिक संस्थान, अस्पताल परिसर अथवा सकरी गलियों (जिनकी चौ0 5 मी0 से कम हो) में नहीं की जायेगी। टॉवर किसी अस्पताल अथवा शैक्षिक संस्था के 100 मीटर की त्रिज्या में भी स्थापित नहीं किये जायेंगे।

(द) टॉवरों की स्थापना हेतु (भूमिगत या छत पर) एन्टीना के ठीक सामने कोई बिल्डिंग इत्यादि होने की स्थिति में टॉवर/बिल्डिंग की न्यूनतम दूरी निम्नवत् होगी।

क्रमांक	गुणज एन्टीनों की संख्या	एन्टीना से बिल्डिंग/संरचना की दूरी (सुरक्षित दूरी) (मी0 में)
1	2	35
2	4	45
3	6	55
4	8	65
5	10	70
6	12	75

(घ) क्षेत्र विशेष में कई कम्पनियों द्वारा ट्रांसमिशन स्थल वांछित होने पर उन्हें यथा सम्भव एक ही टॉवर पर स्थापित कराना होगा।

(न) टॉवर अथवा उस पर स्थापित एंटीना तक सामान्य जन के पहुँच को समुचित तरीके जैसे कंटीले तार, छत पर जाने के दरवाजे अथवा बाउन्ड्री वाल बनाकर गेट पर ताला आदि लगाकर प्रतिबन्धित किया जायेगा। अनुरक्षण कर्मियों को भी यथासम्भव कम से कम अवधि के लिए टॉवर पर पहुँचने की अनुमति दी जायेगी।

(प) टॉवर स्थल पर साइन बोर्ड उपलब्ध कराया जायेगा जो स्पष्ट दृष्टव्य होगा और चेतावनी चिन्ह स्थल के प्रवेश द्वार पर लगाया जाना चाहिए जिसमें स्पष्ट रूप में अंकित किया जाये—

(1) विकिरण का खतरा, कृपया अन्दर प्रवेश न करें।

(2) प्रतिबन्धित क्षेत्र

(फ) सेवा/अवस्थापना प्रदाता कम्पनियों द्वारा भारत सरकार के दूरसंचार विभाग (डॉट) के टर्म सेल द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार रेडिएशन के सभी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।

(ब) प्रत्येक सेवा/अवस्थापना प्रदाता कम्पनी, उसके अभिकर्ता, अनुज्ञापी, कर्मचारी या स्वामी द्वारा टॉवर स्थापना के समय स्थल के चारों ओर बेरीकेटिंग, टिन आदि लगाकर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी।

(भ) ऐसे स्थलों जहाँ यातायात हेतु दृष्टता में बाधा और व्यवधान उत्पन्न हो वहाँ टॉवर लगाने की अनुज्ञा नहीं दी जायेगी।

(म) जहाँ इससे स्थानीय नगरीय सुविधायें प्रभावित हों वहाँ अनुमति देय नहीं होगी।

(य) आवेदन द्वारा विभिन्न सम्बन्धित विभागों और प्राधिकारियों से आवश्यकतानुसार अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त करना आवश्यक होगा।

(र) टॉवर की स्थापना, मरम्मत या सम्बन्धित अन्य कार्यों के सम्पादन के समय या पश्चात् जन सुविधा का पूर्ण दायित्व आवेदक अथवा सेवा प्रदाता को होगा। किसी प्रकार की दुर्घटना या क्षति और उसके परिणामों के लिये आवेदक या सेवा प्रदाता उत्तरदायी होगा।

(ल) टॉवर पर किसी प्रकार का विज्ञापन सम्प्रदर्शित नहीं किया जा सकेगा।

(व) भारत सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निर्धारित अन्य नियम और शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।

**6— क्षतिपूर्ति बन्ध पत्र**—प्रत्येक सेवा प्रदाता कम्पनी, उसके अभिकर्ता, अनुज्ञापी कर्मचारी या स्वामी द्वारा टॉवर की स्थापना से हुई दुर्घटना या किसी हानि के लिये क्षतिपूर्ण बन्ध पत्र प्रस्तुत किया जायेगा।

**7— सम्पत्ति कर का आरोपण**—टॉवर के पास निर्मित जनरेटर कक्ष, उपकरण कक्ष, चौकीदार कक्ष या अन्य कक्षों पर अधिनियम के सुसंगत प्राविधानों के अधीन सम्पत्तिकर का आरोपण किया जायेगा और अनुज्ञा शुल्क के साथ वसूला जायेगा।

**8— अनुज्ञा की अवधि और नवीनीकरण**—अनुज्ञा विनिर्दिष्ट अवधि के लिए होगी। प्रत्येक अनुज्ञा या नवीनीकरण उसके जारी होने के दिनांक से अनधिक दो वर्ष की अवधि के लिए प्रदान की जायेगी।

**9— टॉवर को हटाने की शक्ति**—यदि कोई टॉवर इस उपविधि के उल्लंघन में प्रतिष्ठापित किया जाता है, परिनिर्मित किया जाता है, खड़ा किया जाता है, या गाड़ा जाता है या लोक सुरक्षा के लिए परिसंकटमय या खतरनाक हो या सुरक्षित यातायात संचालन हेतु बाधा और अशांति का कारण हो तो अधिशासी अधिकारी या उसके द्वारा इस

निमित्त प्राधिकृत अधिकारी किसी नोटिस के बिना उसे हटवा सकता है और जमा प्रतिभूति से निम्नलिखित धनराशियों को वसूल कर सकता है।

(एक) टॉवर हटाये जाने का व्यय,

(दो) ऐसी अवधि जिसके दौरान टॉवर प्रतिष्ठापित किया गया था, परिनिर्मित किया गया था, खड़ा किया गया था, गाड़ा गया था, के लिए हुई क्षति की धनराशि।

10— **टॉवर पर निर्वन्धन**—किसी संविदा या अनुबंध में अन्तर्विष्ट किसी बात के प्रतिकूल होते हुए भी किसी टॉवर को प्रतिष्ठापित करने, परिनिर्मित करने, खड़ा करने या गाड़ने की अनुज्ञा निम्नलिखित स्थिति में नहीं दी जायेगी,

(क) ऐसी रीति से और ऐसे स्थानों पर जिससे यातायात में बाधा उत्पन्न होती हो,

(ख) राष्ट्रीय/राज्य राजमार्गों के यान मार्ग के छोर से 20 मीटर के भीतर,

(ग) अन्य मार्गों के यानमार्ग के छोर से 10 मीटर के भीतर,

(घ) ऐतिहासिक या राष्ट्रीय स्मारकों, सार्वजनिक भवनों चिकित्सालयों, शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक कार्यालयों और पूजा स्थलों के ऊपर,

(ङ) जब इससे स्थानीय नागरिक सुविधायें प्रभावित और बाधित हो,

(च) किसी परिसर के बाहर क्षेपित हो,

(छ) राज्य सरकार अथवा केन्द्र सरकार द्वारा घोषित निषिद्ध क्षेत्र के भीतर हो,

11— **निषिद्ध क्षेत्र की घोषणा**—नगर पालिका, राज्य सरकार या केन्द्र सरकार किसी स्थान या स्थानों, क्षेत्र या क्षेत्रों को टॉवर प्रतिष्ठापित करने परिनिर्मित करने, खड़ा करने या गाड़ने के लिए निषिद्ध घोषित कर सकती है।

12— (1) नगर टॉवर जिनके लिए अनुज्ञा अपेक्षित है, अवलम्बों बंधनी, रस्सा और स्थिरक के साथ भली प्रकार मरम्मत किये जायेंगे जो कि ढाँचागत और कलात्मक दोनों ही दृष्टिकोण से होगी और यदि चमकीले अज्वलनशील सामग्री से निर्मित नहीं है तो उन पर मोर्चा आदि से रोकने हेतु रंग रोगन किया जायेगा।

(2) प्रत्येक सेवा प्रदाता कम्पनी, उसके कर्मचारी, अभिकर्ता अनुज्ञापी या व्यक्ति का यह कर्तव्य और दायित्व होगा कि वह टॉवर से आच्छादित परिसर में सफाई, स्वच्छता और स्वास्थ्य सम्बन्धी परिस्थितियों का ध्यान रखें।

(3) सेवा प्रदाता कम्पनी के अनुरोध पर विद्युत संयोजन प्राथमिकता के आधार पर किया जायेगा।

13— **प्रवेश और निरीक्षण की शक्ति**—अधिकांसी अधिकारी या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत कोई अधिकारी या सेवक कोई निरीक्षण, खोज, माप या जाँच करने के प्रयोजन के लिए या ऐसा कार्य निष्पादित करने के लिए जो इस उपविधि के अधीन हो, किसी उपबन्ध के अनुसरण के सहायकों या श्रमिकों के साथ या उनके बिना किसी परिसर या उस पर प्रवेश कर सकता है।

(1) कम्पनी के टॉवर के उपर किसी दूसरी कम्पनी का वाई-फाई का प्रयोग करने हेतु पालिका से अनुमति प्राप्त करना होगा तथा उसके लिए 1000/— रु0 प्रत्येक माह पालिका को देय होगा।

14— (1) इस निमित्त वार्षिक शुल्क और प्रतिभूति एवं अन्य देय शुल्क का निर्धारण सम्बन्धित नगर पालिका परिषद्, देवरिया जिला-देवरिया द्वारा किया जा सकेगा जो नगर पालिका परिषद्, देवरिया जिला-देवरिया सीमान्तर्गत रु0 40,000/— तक प्रति टॉवर प्रतिवर्ष होगी।

**1(क) निर्धारित वार्षिक भुल्क में प्रतिवर्ष 5 प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी।**

(2) वार्षिक शुल्क एकल किश्त में संदेय होगा। जब तक पूर्ण धनराशि का भुगतान न किया जाय तब कि किसी टॉवर को प्रतिष्ठापित करने, परिनिर्मित करने खड़ा करने गाड़ने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

(3) किसी कटौति के न होने पर प्रतिभूति की पूरी धनराशि और कटौति अथवा समायोजन होने पर अवशेष अनुज्ञा समाप्त होने की तिथि से एक सप्ताह में वापस कर दी जायेगी।

(4) यह शुल्क उन टॉवरों पर लागू नहीं होगा, जिनको राज्य सरकार अथवा नगर पालिका द्वारा जन सुविधायें यथा सीसीटीवी कैमरें, प्रकाश यंत्र आदि लगाने के लिये उपयोग में लाया जा रहा हो।

**15- शास्ति और अपराधों का प्रकाशन-** (1) इस उपविधि के उपबन्धों का किसी प्रकार उल्लंघन ऐसे जुर्माने से जो पाँच हजार तक हो सकता है और उल्लंघन करते रहने की दशा में, प्रथम उल्लंघन कील सिद्धि के पश्चात् प्रत्येक ऐसे दिन के लिए जिस दौरान ऐसा उल्लंघन जारी रहा, ऐसे जुर्माने, से, जो एक हजार पाँच सौ (1500/-) रुपये तक हो सकता है, दण्डनीय होगा।

(2) इस उपविधि के अधीन दण्डनीय किसी अपराध को अपराध के लिए निर्धारित धनराशि के आधे से अन्यून और तीन चौथाई से अनाधिक धनराशि वसूल करने पर अधिशासी अधिकारी या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा प्रशमित किया जा सकता है।

संजय कुमार तिवारी,  
अधिशासी अधिकारी,  
नगर पालिका परिषद,  
देवरिया।

**कार्यालय नगर पंचायत मोंठ, जनपद झाँसी****धारा 131(3) के अन्तर्गत**

11 अप्रैल, 2025 ई0

सं0 555/न0पं0मोंठ/उपविधि/2025-26-संयुक्त प्रान्त नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 293 व 293 (2) एच (वी) के अन्तर्गत नगर पंचायत मोंठ झाँसी की सीमा के अन्दर यातायात को विनियन्त्रित करने तथा स्टैंड फीस को लागू करने हेतु शुल्क उपविधि, 2025 तैयार की गई थी जिसके लिये आपत्ति एवं सुझाव हेतु समाचार-पत्र दैनिक जागरण झाँसी व दैनिक अमर उजाला झाँसी में प्रकाशित कराई गयी थी। जिसमें आपत्ति एवं सुझाव हेतु 15 दिवस का समय नियत किया गया था। जिसमें कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई, पुनः अंतिम प्रकाशन पत्रांक सं0-581/न0पं0 मोंठ/उपविधि/2025-26 दिनांक 07 मई, 2025 को दैनिक जागरण झाँसी व दैनिक अमर उजाला झाँसी में प्रकाशित कराई गयी। उपरोक्त प्रकाशनों में त्रुटिवश उपविधि 2008 हो गया था। जिसे संशोधित कर उपविधि 2025 करके संशोधन सूचना पत्रांक सं0-मीमों/न0पं0 मोंठ/उपविधि/2025-26 दिनांक 13 मई, 2025 के द्वारा दैनिक जागरण झाँसी व दैनिक अमर उजाला झाँसी में प्रकाशित कराई गयी। निर्धारित अवधि में कोई भी आपत्ति/सुझाव प्राप्त न होने के उपरान्त बोर्ड द्वारा बैठक में निर्णय लिया गया कि यह नियमावली गजट की मुद्रण तिथि से प्रभावी मानी जायेगी।



**उपविधियाँ**

1— यह उपविधि नगर पंचायत मोठ की निर्धारित सीमा के अन्दर यातायात को विनियंत्रित करने तथा स्टैंड फीस सम्बन्धी उपविधियाँ कहलायेगी।

2— उनका गजट के प्रकाशन के दिनांक से इस सम्बन्ध में पूर्ण प्रचलित उपविधियों के स्थान पर होगा।

3— नगर पंचायत सीमा में वाहन की अधिकतम गति 10 किमी/घंटा रहेगी।

4— नगर पंचायत मोठ क्षेत्र में मोटर चालित वाहन या यातायात के अन्य साधन सार्वजनिक मार्ग या सीन पर खड़े नहीं किये जायेंगे, परन्तु इसमें चलती बस रोककर यात्रियों का उतारना व चढ़ाना सम्मिलित नहीं है।

5— समस्त यात्री बस ट्रक तथा अन्य वाहन पंचायत द्वारा निर्धारित वर्तमान मोटर स्टैंड निकट या पंचायत द्वारा नियत स्थान पर रोके जायेंगे। नगर पंचायत मोठ आवश्यकता होने पर मोटर स्टैंड का स्थान परिवर्तित कर सकती है।

6— घोड़ा-गाड़ी (बग्गी), ई-रिक्सा सड़क पट्टी पर निश्चित धनराशि भुगतान करने पर तीन घंटे से अधिक नहीं रोके जायेंगे।

7— मोटर स्टैंड के अतिरिक्त अन्य स्थान पर ट्रक या अन्य भार वाहन अनुसूची में दी गयी दर से पूर्व भुगतान पर रोके जा सकते हैं, पर यह समय किसी भी दशा में दो घंटे से अधिक न होगा।

8— प्रशासनिक दृष्टि से आवश्यक होने पर किसी भी स्थान से वाहन तुरन्त हटाया जा सकता है, चाहे उसकी फीस पूर्व में ही जमा कर ली गयी हो। समस्त फीस वापसी योग्य नहीं है।

9— पंचायत शुल्क वसूल करने हेतु प्रपत्र निर्धारित कर सकती है।

10— शुल्क की वसूली हेतु पंचायत ऐसा स्थान, कर्मचारी या साधन उपयोग कर सकती है जो आवश्यक हो।

11— शुल्क का पूर्व भुगतान न किये जाने की दशा में वाहन रोका जा सकता है व अधिकतम 20 गुना तक अधिक शुल्क वसूल किया जा सकता है।

**अनुसूची दर मोटर स्टैंड तथा अन्य स्थान—**

क्रम सं०	विवरण	दर
1	2	3
		रु०
1	ई-रिक्सा सवारी व भाड़ा	30.00 प्रतिदिन
2	3 व्हीलर लोडर/टेक्सी सवारी	50.00 प्रतिदिन
3	लोडर पिकअप, 4 पहिया लोडर, मैजिक व हल्के सवारी वाहन, जीप कार	70.00 प्रतिदिन
4	बस सवारी प्रति 2 घंटे	120.00
5	यात्री बस रात्रि विश्राम	200.00 प्रतिदिन
6	ट्रक 10 टायर तक	100.00 प्रति चक्कर

1	2	3
		रु0
7	ट्रक 10 टायर से अधिक	150.00 प्रति चक्कर
8	किसी भी प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी के 4 पहिया वाहन	100.00 प्रतिदिन
9	ट्रैक्टर ट्रॉली सहित व्यावसायिक वाहन	100.00 प्रतिदिन
10	जे0सी0बी0, हारवेस्टर एवं L&T	150.00 प्रतिदिन
11	शासकीय या शासन के अन्तर्गत निगम तथा संस्थाओं के वाहन शुल्क मुक्त रहेंगे जिसमें परिवहन निगम सम्मिलित है	—

### शक्ति

नगर पालिका परिषद् अधिनियम, 1916 (एक्ट सं0-2ए 1916) की धारा 299(1) के अधिकारों का प्रयोग कर निर्देश दिया जाता है की उपरोक्त उपविधियों का उल्लंघन करने अथवा कराने वाला व्यक्ति अर्थ दण्ड से दण्डित होगा जो रु0 1,000.00 तक हो सकता है जब ऐसा जारी रहे तो अतिरिक्त अर्थदण्ड से दण्डनीय होगा जो प्रथम दोष के पश्चात ऐसे प्रत्येक दिन के लिए जिसके बारे में यह सिद्ध हो जाये की अपराधी अपराध करता रहा हो रु0 100.00 तक हो सकेगा। इस उपविधि में निर्धारित दरों की प्रति वर्ष 5% व प्रति 5 वर्षों में 25% वृद्धि का अधिकार नगर पंचायत मोंठ को होगा।

अध्यक्ष,  
मीरा  
नगर पंचायत मोंठ,  
झाँसी।

### कार्यालय, नगर पंचायत, हैसर बाजार, धनघटा, जनपद-संत कबीरनगर

08 अप्रैल, 2025 ई0

सं0 35/न0पं0है0/उपविधि/लाइसेन्स/2024-25—सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उ0 प्र0 नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 294 एवं 298 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत हैसर बाजार धनघटा जनपद—संत कबीर नगर द्वारा अपनी सीमा के अन्दर निम्नांकित लाइसेन्स उपविधि नियंत्रण एवं विनियमितीकरण उप नियमावली बनाती है। इस नियमावली को उक्त एक्ट की धारा 301—क(1) के अन्तर्गत आपत्तियों एवं सुझाव आमंत्रित करने हेतु प्रकाशित कराया जा चुका है। तत्क्रम में नगर पंचायत हैसर बाजार धनघटा द्वारा बोर्ड दिनांक 30 दिसम्बर, 2024 प्रस्ताव संख्या—02 द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया तत्क्रम में दैनिक समाचार-पत्र अमर उजाला दिनांक 11 जनवरी, 2025 एवं हिन्दी दैनिक समदर्शी समाचार-पत्र 10 जनवरी, 2025 को प्रकाशित कराकर 30 दिवस के अन्दर आपत्ति एवं सुझाव आमंत्रित किया गया निर्धारित समावधि 30 दिन के अन्दर कोई भी आपत्ति एवं सुझाव प्राप्त नहीं हुआ। निम्नवत उपविधि को गजट में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी माना जायेगा।

### उप नियमावली 2025

परिभाषा:— किसी प्रसंग के प्रतिकूल न होने पर

1—उपनियम से तात्पर्य नगर पंचायत हैसर बाजार धनघटा संत कबीर नगर के अन्दर लाइसेन्स फीस उपनियम से है।

2—सीमा से तात्पर्य नगर पंचायत हैसर बाजार धनघटा—संतकबीर नगर की क्षेत्राधिकार सीमा से है।

3-नगर पंचायत अधिकारी से तात्पर्य नगर पंचायत हैंसर बाजार धनघटा जनपद संत कबीर नगर के अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी/अधिषासी अधिकारी से है।

4-नगर पंचायत हैंसर बाजार सीमा के अन्दर जो भी दुकानदार या कोई भी अन्य व्यवसाय उद्योग चलायेगा या किसी प्रकार का ऐसा कार्य करेगा जो लाइसेन्स शुल्क नियमावली में आता है। उसे निर्धारित शुल्क अदा कर लाइसेन्स प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

5-अधिषासी अधिकारी नगर पंचायत हैंसर बाजार धनघटा के लाइसेन्स अधिकारी होंगे। जिनके द्वारा लाइसेन्स जारी किया जायेगा।

6-नगर पंचायत हैंसर बाजार की सीमा के अन्तर्गत कोई व्यवसायी बिना लाइसेन्स प्राप्त किये कोई व्यवसाय करते या उद्योग चलाते पाया गया तो लाइसेन्स अधिकारी को दण्डात्मक कार्यवाही करने का पूर्ण अधिकार होगा।

7-लाइसेन्स अधिकारी अपने अधिनस्थ किसी अन्य कर्मचारी या कर्मचारियों को लाइसेन्स जारी करने हेतु अधिकृत कर सकता है।

8-लाइसेन्स की अवधि केवल एक वित्तीय वर्ष (01 अप्रैल, से 31 मार्च) तक होगी अवधी समाप्त होने पर एक सप्ताह पूर्व ही नियत शुल्क जमा कर पुनः लाइसेन्स प्राप्त करना होगा।

9-अगर कोई व्यवसायी ऐसा कोई उद्योग लगाता या परिवर्तन करता है। जो जन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो ऐसी सूचना मिलने पर जाँच की जा सकती है। और लाइसेन्स निरस्त किया जा सकता है।

10-इस हेतु निर्धारित दरों का दो-तिहाई के अद्यतन के आधार पर छपी दरों का दृष्टिगत रखते हुए एवं शा0सं0-161सीएम/नौ-9-97-23ज/97 दिनांक -16 दिसम्बर 1997 में निर्धारित दरों के अनुसार नगर पंचायत हैंसर बाजार धनघटा जनपद -संत कबीर नगर में मदवार लाइसेन्स की दरें निम्नवत होगी:-

क्र० सं०	लाइसेन्स की मद	निर्धारित वार्षिक दरें
1	2	3
	<b>होटल रेस्टोरेन्ट</b>	<b>रु०</b>
1	होटल लाजिंग तथा गेस्ट-हाउस बारात घर	15,000.00
2	ढाबा /रेस्टोरेन्ट /जलपान गृह	5,000.00
3	<b>स्वास्थ्य सेवा</b>	
	(क) प्राइवेट अस्पताल/नर्सिंग होम/प्रसूति गृह (20 बेड तक)	15,000.00
	(ख) प्राइवेट अस्पताल/नर्सिंग होम/प्रसूति गृह (20 बेड से 50 बेड तक)	25,000.00
	(ग) प्राइवेट अस्पताल/नर्सिंग होम/प्रसूति गृह (50 बेड से ऊपर तक)	35,000.00
	(घ) एक्सरे /अल्ट्रासाउन्ड सेन्टर/पैथालोजी सेन्टर	10,000.00
	(ङ) प्राइवेट क्लीनिक/डिस्पेन्सरी/डेन्टल क्लीनिक	5,000.00
	(च) मेडिकल स्टोर	5,000.00
	(एलोपैथिक/आयुर्वेदिक/होम्योपैथिक एवं पशुओं की दवाइयों की दुकान)	
4	<b>परिवहन</b>	
	(क) ट्रान्सपोर्ट एजेन्सी (वाहन सहित)	12,000.00
	(ख) ट्रान्सपोर्ट एजेन्सी (बिना वाहन)	5,000.00

1	2	3
		रु0
5	बस/ट्रक	2,500.00
6	मिनीबस/टैक्सी, जीप, टाटा मैजिक, विन्जर आदि राम तुल्य वाहन	2,000.00
7	अन्य चार पहिया वाहन (व्यवसायिक प्रयोग हेतु समस्त वाहन)	1,500.00
8	आटो रिक्शा 7 सीटर तक आटो रिक्शा (माल वाहक)/ई-रिक्शा	600.00
9	ठेला (इंजन चालित)/ट्रैक्टर-ट्राली (व्यवसायिक प्रयोग)	500.00
10	रिक्शा ठेला(माल/आइसक्रीम)/ रिक्शा/ तांगा/ बैलगाड़ी	250.00
11	मोटर/ मोटर साइकिल/ स्कूटर/ मोपेड गैरेज (रिपेयरिंग/सर्विसिंग)	1,500.00
12	मोटर वाहन एजेन्सी (सेल्स, सर्विस एवं स्पेयर)	10,000.00
13	दो पहिया वाहन की एजेन्सी (सेल्स, सर्विस एवं स्पेयर)	6,000.00
14	साइकिल की दुकान (सेल्स, सर्विस एवं स्पेयर)	1,000.00
15	मोटर एवं दो पहिया का टायर एवं पंचर मरम्मत आदि अन्य सम्बन्धित दुकान जो कि इस श्रेणी में सूचीबद्ध नहीं हैं।	500.00
	<b>अन्य व्यवसाय</b>	
16	हाउसिंग, लीजिंग, रिज्यूडरीनॉन बैंकिंग फाइनेन्स कम्पनी, चिट फण्ड एवं इन्श्योरेन्स कं0 प्रति शाखा	9,000.00
17	आर्किटेक्ट कन्सलटेन्ट/बिल्डिंग डिजाइनर (इस्टीमेटर एवं वैल्युअर आदि)	3,000.00
18	आइस, कोल्ड ड्रिक्स, सोडावाटर एवं मिनरल वाटर के निर्माता/ विक्रेता/एजेन्सी	5,000.00
19	देशी शराब (प्रति दुकान)	7,000.00
20	(क) आबकारी विभाग द्वारा अनुज्ञापित विदेशी/अंग्रेजी शराब एवं वियर की दुकान	12,000.00
	(ख) आबकारी विभाग द्वारा अनुज्ञापित मॉडल शॉप/बार/वियर बार (बैठकर विदेशी/अंग्रेजी शराब एवं वियर पीने एवं खाने की सुविधा युक्त दुकान)	15,000.00
21	तम्बाकू, गुटखा, पान मसाला एवं पान मैटिरियल्स की दुकान	5,000.00
	<b>अन्य व्यवसाय</b>	
22	किराना की दुकान/जनरल स्टोर	1,200.00
23	(क) इलेक्ट्रिकल्स स्टोर	1,200.00
	(ख) इलेक्ट्रानिक्स उपकरणों का सेल्स स्टोर/शो-रूम/गोदाम	2,000.00
24	कपड़ा/ रेडीमेड कपड़ा की दुकान/ जूता की दुकान	1,200.00
25	ज्वैलरी की दुकान	2,000.00

1	2	3
		रु0
26	कम्प्यूटर, मोबाइल, टी0वी0, फ्रिज व अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरणों की सर्विस मरम्मत तथा चिप, मोबाइल टैरिफ, रिचार्ज, ई-टाप अप आदि की दुकान।	1,500.00
27	(क) किताब, कापी, लेखन सामग्री, मैगजीन, न्यूज पेपर आदि की दुकान एवं एजेन्सी	500.00
	(ख) फोटोकापी एवं लेमिनेशन, कम्प्यूटर टाइपिंग तथा रोजगार एवं अन्य फार्म आदि के बिक्री की दुकान	600.00
	(ग) कॉलसेन्टर/पी0सी0ओ0/फैक्स/फोटोग्राफी एवं फोटोफ्रेमिंग आदि की दुकान	500.00
	(घ) प्रिन्टिंग प्रेस/छपाई की दुकान/फ्लेक्स एवं बैनर प्रिन्टिंग की दुकान	2,000.00
28	(क) ग्रेनाइट/मार्बल/बिल्डिंग मैटेरियल्स (गिट्टी, मोरंग, बालू, सीमेन्ट व सरिया आदि) की दुकान	5,000.00
	(ख) हार्डवेयर, टाइल्स, प्लम्बरिंग व सेनेटरी आइटम, चूना, पेन्ट्स व प्लाई की दुकान	5,000.00
	(ग) बॉस, बल्ली, पटरा आदि की बिक्री एवं किराये पर देने की दुकान	500.00
29	आटोमोबाइल्स/ कृषि मशीनरी पार्ट्स स्टोर	1,000.00
30	(क) लोहे के सामानों की दुकान	1,000.00
	(ख) बर्तन, क्राकरी आदि की दुकान	1,500.00
31	(क) टेण्ट हाउस	3,000.00
	(ख) बिजली सजावट/ रोड लाइट/डी0जे0/साउन्ड सर्विस आदि	2,400.00
32	पेट्रोल/डीजल एवं सी0एन0जी0/पी0एन0जी0/एल0पी0जी0 पम्प एवं कुकिंग गैस एजेन्सी	6,000.00
33	(क) ब्यूटी पार्लर, हेयर कटिंग सैलून आदि	1,000.00
	(ख) सौन्दर्य प्रसाधन की दुकानें	1,000.00
34	(क) मिठाई एवं पेठा के निर्माता एवं विक्रेता	1,000.00
	(ख) कैटर्स, बेकर्स, चाट, बतासा व अन्य नमकीन/रेडीमेड मिठाईयों आदि की दुकान	1,000.00
	(ग) बकरा, मुर्गा व मुर्गी के मांस की दुकान	2,000.00
	(घ) गोट फार्म पोल्ट्री फार्म एवं अण्डा की दुकान	1,500.00
	(ङ) सब्जी/फल की थोक दुकान	1,500.00
	(च) सब्जी/फल की फुटकर दुकान/मौसमी फलों व गन्ने के जूस	600.00
35	अनाज, दलहन, तिलहन, तेल, वनस्पति घी, देशी घी, चीनी, गुड़ व खाड़सारी की थोक दुकान	2,000.00
36	(क) स्पेलर/तेल मशीन, दाल मशीन	1,200.00
	(ख) आटा चक्की, आरा मशीन, लकड़ी विक्रेता, लकड़ी के सामानों, फर्नीचर्स आदि का निर्माण एवं बिक्री	1,200.00

1	2	3
		रु0
	(ग) प्लास्टिक ट्रेडर्स, खिलौना, चूड़ी व बिसात खाना	2,000.00
	(घ) टेलरिंग शॉप (दो सिलाई मशीन एवं उससे अधिक)	200.00
	(ङ) कबाड़ की दुकान	2,000.00
37	मसाले की थोक व फुटकर दुकान	500.00
38	इन्जीनियरिंग वर्क्स, फ़ैब्रीकैटर्स एवं खराद की दुकान	1,000.00
39	(क) रसायनिक खाद (फर्टिलाइजर), कृषि रक्षा रसायन/कीट नाशक आदि की दुकान	2,000.00
	(ख) सब्जी, फल एवं अनाज के बीज की दुकान	1,000.00
	(ग) गोदाम	2,000.00
	(घ) सूचीबद्ध दुकानों के अतिरिक्त अन्य समस्त व्यवसाय से सम्बन्धित दुकाने	500.00

#### दण्ड

उ0 प्र0 नगर पालिका अधिनियम-1916 (की उपधारा (1) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत हैसर बाजार धनघटा, जनपद-संत कबीरनगर यह प्राविधान करती है कि उपविधियों का उल्लंघन करने पर सम्बन्धित व्यक्तिया पर दोष सिद्ध होने न्यायालय द्वारा रु0 2,000.00 (दो हजार रुपये मात्र) तक अर्थ दण्ड आरोपित किया जायेगा जो प्रथम बार दोष सिद्ध होने की तिथि से प्रत्येक दिन के लिए यदि सिद्ध होता है कि अपराधी ने अपराध जारी रखा है तो रु0 100.00 (एक सौ मात्र) प्रतिदिन की दर से अर्थ दण्ड आरोपित किया जा सकता है । अर्थ दण्ड की धनराशि न चुकाने पर छः माह तक का कारावास से दण्डित किया जा सकता है।

रिंकू मणि

अध्यक्ष

नगर पंचायत, हैसर बाजार धनघटा,  
संत कबीर नगर।

#### कार्यालय नगर पंचायत तरकुलवा, जनपद देवरिया

06 मार्च, 2025 ई0

सं0 148/न0पं0तरकुलवा/2024-25-उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 298 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत तरकुलवा द्वारा भवन निर्माण नियमावली, 2024 उपविधि नगर पंचायत तरकुलवा, जनपद देवरिया द्वारा नगर पंचायत सीमा के अन्तर्गत भवन मानचित्र दाखिला शुल्क उपविधि नियमावली, 2024 प्रस्तावित करते हुये उपरोक्त नियमावली धारा-301 के अन्तर्गत प्रकाशन के पश्चात उसके किसी बिन्दु या सभी बिन्दुओं पर किसी व्यक्ति/समूह का अपत्ती हो या सुझाव हो तो अपनी लिखित आपत्ति/सुझाव नगर पंचायत के कार्यालय में प्रकाशन तिथि के 15 दिन के अन्दर प्राप्त करा सकता है। तत्क्रम में दैनिक समाचार-पत्र दैनिक जागरण, दिनांक 30 सितम्बर, 2024 एवं राष्ट्र चिन्ह (हिन्दी दैनिक) दिनांक 01 अक्टूबर 2024, को प्रकाशित कराकर 15 दिवस के अन्दर आपत्ति एवं सुझाव आमंत्रित किया गया निर्धारित समयावधि 15 दिन के अन्दर कोई भी आपत्ति एवं सुझाव प्राप्त नहीं हुआ। बोर्ड बैठक 24 अक्टूबर, 2024 के प्रस्ताव सं0 03 के द्वारा उपरोक्त उपविधि को उसी रूप में सर्व सम्मत से स्वीकृति प्रदान की गयी है। निम्नवत उपविधि को गजट में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी माना जायेगा।

**भवन निर्माण उपविधि 2024**

नगर पंचायत तरकुलवा, जनपद देवरिया द्वारा उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 298 की सूची-1(क) के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत तरकुलवा, जनपद देवरिया सीमान्तर्गत भवन निर्माण, पुनः निर्माण या परिवर्तन को विनियमित एवं उपविधि 2024 बनायी गयी है, जिस पर उक्त अधिनियम की धारा 301 के अन्तर्गत आम नागरिकों से आपत्ति सुझाव आमंत्रित किया जाता है। जिस किसी भी व्यक्ति को 'भवन निर्माण उपविधि 2024' पर कोई आपत्ति या सुझाव हो तो वह लिखित में प्रकाशन तिथि के 15 दिन अन्दर कार्यालय को प्रेषित कर सकते हैं। समयावधि के बाद दी गयी आपत्ति या सुझाव मान्य नहीं होगा।

**परिभाषाएँ**

1— **संक्षिप्त नाम**— यह नियमावली नगर पंचायत तरकुलवा, जनपद देवरिया 'भवन निर्माण उपविधि 2024' कहलायेगी।

2— **प्रसार**— इस उपविधि का प्रसार नगर पंचायत तरकुलवा, जनपद देवरिया की सम्पूर्ण सीमा (समय-समय पर शासन द्वारा यथा संशोधित) में होगी।

3— **प्रभाव**— यह नियमावली शासकीय गजट में प्रकाशन होने की तिथि से प्रभावी होगी।

4— नगर पंचायत तरकुलवा का तात्पर्य नगर पंचायत तरकुलवा देवरिया से हैं।

5— अधिशासी अधिकारी/अध्यक्ष का तात्पर्य नगर पंचायत तरकुलवा के अधिशासी अधिकारी/अध्यक्ष से हैं।

6— अधिशासी अधिकारी का तात्पर्य नगर पंचायत तरकुलवा में कार्यरत अधिशासी अधिकारी से है।

7— नगर पालिका अधिनियम 1916 से तात्पर्य उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 या उसमें समय-समय पर होने वाले संशोधित अधिनियम से है।

8— "बेसमेन्ट" का तात्पर्य भू-तल के नीचे या अंशतः भू-तल के नीचे के निर्माण से है।

9— "स्टिल्ट फ्लोर" का तात्पर्य प्लिन्थ से खम्भो (पिलर्स) पर बनी हुई संरचना जो न्यूनतम दो तरफ से खुली हो, फर्श से बीम तक अधिकतम ऊँचाई 7 फुट हो एवं पार्किंग के प्रयोजनार्थ अभिप्रेत होने से हैं।

10— "आच्छादित क्षेत्रफल" का तात्पर्य कुर्सी तल के ऊपर आच्छादित तल क्षेत्र से है, जिसके ऊपर भवन निर्माण हो। निम्नलिखित संरचनाएँ आच्छादित क्षेत्रफल के अन्तर्गत शामिल नहीं होगी—

(क)— बाग, राकरी, कुआं एवं कुए से सम्बन्धित कोई संरचना, प्लान्ट नर्सरी, वाटरपूल, अनाच्छादित स्वीमिंग पूल, पेड़ के चारों प्लेटफार्म, टैंक, फाउन्टेन, बेंच, खुला चबूतरा।

(ख)— ड्रेनेज कल्वर्ट, कैच-पिट, गलीपिट, चैम्बर, गटर, आदि।

(ग)— चहारदीवारी, प्रवेश द्वार, मंजिल रहित पोर्च एवं पोर्टिको, कैनोपी, स्लाइड, झूला, अनाच्छादित सीढ़ी, अनाच्छादित रैम्प, आदि।

(घ)— वाचमैन बूथ, पम्प-हाउस, गारबेज शाफ्ट, विधुत केबिन एवं विभिन्न सेवाओं से सम्बन्धित ऐसे अन्य 'यूटीलिटीज स्ट्रक्चर्स'।

11— "तल क्षेत्रफल" (फ्लोर एरिया) का तात्पर्य भवन के किसी तल पर आच्छादित क्षेत्रफल से हैं।

12— "तल क्षेत्रफल अनुपात" (एफ0ए0आर0) का तात्पर्य किसी भूखण्ड के कुल क्षेत्रफल से भवन के कुल तल क्षेत्रफल को विभाजित करने से प्राप्त भागफल से हैं।

13— "निवास योग्य कमरें" का तात्पर्य अधिभोग के लिए अध्यासित अथवा अभिकल्पित कमरे से है, चाहे यह अध्ययन, रहने, शयन, खाने हेतु हो, किन्तु इसमें रसोईघर, स्नानगृह, शौचालय, बर्तन साफ करने व रखने की जगह और स्टोर रूम, कारीडोर, बेसमेन्ट, बरसाती (अटिक) तथा अन्य स्थान जो प्रायः रहने हेतु प्रयुक्त नहीं किये जाते हैं, सम्मिलित नहीं होंगे।

14— “आवासीय भवन” के अन्तर्गत वे भवन सम्मिलित होंगे, जिसमें सामान्यतः आवासीय प्रयोजन के प्राविधान सहित शयन सुविधा के साथ खाना बनाने तथा शौचालय की सुविधा हो इसमें ‘एक’ अथवा ‘एक से अधिक’ आवासीय इकाई शामिल हैं।

15— “व्यवसायिक/वाणिज्यिक भवन” के अन्तर्गत वे भवन या भवन का वह भाग जो दुकानों भण्डारण, बाजार, व्यवसायिक वस्तुओं के प्रदर्शन, थोक या फुटकर बिक्री, व्यवसाय से सम्बन्धित कार्य-कलाप, जो व्यवसायिक माल की बिक्री से अनुषांगिक हों और उसी भवन में स्थित हों, सम्मिलित होंगे।

16— “व्यवसायिक/वाणिज्यिक भवन” के अन्तर्गत वे भवन या भवन का वह भाग जो दुकानों भण्डारण, बाजार, व्यवसायिक वस्तुओं के प्रदर्शन, थोक या फुटकर बिक्री, व्यवसाय से सम्बन्धित कार्य-कलाप, जो व्यवसायिक माल की बिक्री से अनुषांगिक हों और उसी भवन में स्थित हों, सम्मिलित होंगे।

17— “कुर्सी” (प्लिन्थ) से तात्पर्य किसी संरचना के उस भाग से है, जो चारों ओर की भूमि की सतह से ठीक ऊपर हो तथा भूतल के फर्श तक हों।

18— “कुर्सी का क्षेत्रफल” से तात्पर्य वह निर्मित क्षेत्रफल से है, जो बेसमेन्ट, भू-तल अथवा किसी मंजिल के फर्श तल पर नापा जाये।

19— “सैट-बैक लाइन” का तात्पर्य भू-खण्ड की सीमाओं के समानान्तर रेखा में है, जो भवन निर्माण उपविधि में निर्दिष्ट की गई हो और जिसके बाहर भू-खण्ड की सीमाओं की ओर कोई निर्माण करना अनुमत्त न हो।

20— “भू-खण्ड” का तात्पर्य भूमि के उस भाग से है, जो चारों ओर निश्चित सीमाओं से घिरा हों।

21— “कोने का भूखण्ड” का तात्पर्य उस भू-खण्ड से है, जो दो या अधिक परस्पर काटने/मिलने वाली सड़को पर स्थित हों।

22— “मंजिल” का तात्पर्य भवन के उस भाग से है, जो किसी तल की सतह और इसके ऊपर के अनुवर्ती तल के बीच हो और यदि इसके ऊपर कोई तल न हो, तो वह स्थान जो तल और इसके ऊपर की छत के मध्य हों।

23— “सड़क” (स्ट्रीट) का तात्पर्य स्ट्रीट, गली, लेन, पाथ-वे, संकरी गली (ऐले), रास्ते (पैसेज), कैरियर-वे, पगडण्डी (फुट-वे), स्क्वायर, खुले पुल, चाहे वह सार्वजनिक मार्ग हों या न हो, या जिसके ऊपर जनसाधारण को विकास कार्य के पूरा होने के बाद बिना किसी रोक-टोक के चलने, गुजरने का या आने-जाने का अधिकार हों, चाहे वह किसी योजना में विद्यमान हो या प्रस्तावित हो। उसमें सब प्रकार के बन्धे, स्टार्म वाटर ड्रेन, वर्षा जल के नाले, पुलिया, साइड वाल, ट्रैफिक आइलैण्ड, रिटेनिंग वाल, बैरियर एवं रेलिंग, जो ‘राइट-आफ-वे’ के भीतर हों शामिल होंगे।

24— “सड़क की चौड़ाई” का तात्पर्य सड़क की कुल चौड़ाई अथवा ‘राइट-आफ-वे’ से हैं।

25— “बरामदा” से तात्पर्य ऐसे आच्छादित क्षेत्रफल से है, जिसमें कम से कम एक पार्श्व बाहर की ओर खुला हो एवं ऊपर के तलों में खुले पार्श्व की ओर अधिकतम एक मीटर ऊंचाई तक के पैरापिट का प्रविधान हो।

26— “भवन की ऊँचाई” से तात्पर्य आस-पास की भूमि के औसत सतह से भवन के अन्तिम तल के टेरेस से तक की ऊँचाई से हैं।

**आवेदन-पत्र यथास्थिति निम्नलिखित सूचनाओं और दस्तावेजों के साथ जमा किया जायेगा।**

1— मानचित्रों के चार सेट नियत शुल्क अदा करने की रसीद सहित जमा किये जायेंगे।

2— जमा किये जाने वाले मानचित्रों में ‘की प्लान’, ‘साइट प्लान’, ‘तलपट मानचित्र’ और ‘सर्विसेज प्लान’ भी शामिल होंगे।

3— समस्त मानचित्र अनुज्ञापित व्यक्ति द्वारा तैयार किये जायेंगे और उनके द्वारा नाम, अनुज्ञप्ति संख्या दर्शाते हुए हस्ताक्षर किये जायेंगे इसके अतिरिक्त भू-भवन स्वामी के हस्ताक्षर भी होंगे।



4— नगर पंचायत तरकुलवा के लाइसेंस प्राप्त ड्राफ्टमैन को भवन मानचित्र प्रस्तुत करने की अनुमति 3000 वर्ग फुट तक होगी। 3000 वर्ग फुट से अधिक की भूमि पर मानचित्र प्रस्तुत करने की अनुमति कॉउन्सिल ऑफ आर्किटेक्चर से प्राप्त लाइसेंस आर्किटेक्ट को होगी।

5— भवन के प्लान और एलिवेशन तथा सेक्शन 1:100 से कम पैमाने पर नहीं होंगे, और उसमें निम्नलिखित विवरण दर्शाये जायेंगे।

(क)— समस्त तलों के तल मानचित्र सहित आच्छादित क्षेत्रफल, कमरों के आकार, जीने, रैम्प (लिफ्ट सहित)।

### भवन के प्रत्येक भाग का उपयोग या अधिभोग—

1— मूलभूत सेवाओं के वास्तविक स्थान शौचालय, सिंक, बाथ, जल-प्रदाय, जल-निकास तथा मल-निस्तारण हेतु सोक पिट/सैप्टिक टैंक अथवा सीवर लाइन से कनेक्शन।

2— जल प्रवाहित शौचालय की व्यवस्था।

### सूचनाएं एवं दस्तावेज—

1— पंजीकृत बैनामा की छायाप्रति।

2— इन्तखाब।

3— आधार कार्ड की छायाप्रति।

4— आवेदक / आवेदिका की एक फोटो।

5— रु0 10/— का ई-स्टाम्प पेपर।

6— शमन मानचित्र हेतु निर्मित भवन का फोटोग्राफ।

7— नजरी नक्शा, चौहद्दी सहित, लेखपाल द्वारा प्रमाणित।

### नियम एवं शर्तें—

1— रु0 100/— प्रति आवासीय भवन पर मानचित्र दाखिला शुल्क लिया जायेगा।

2— रु0 200/— प्रति व्यावसायिक भवन पर मानचित्र दाखिला शुल्क लिया जायेगा।

3— रु0 3/— प्रति वर्ग फुट शुल्क आवासीय भवन में आच्छादित क्षेत्रफल पर लिया जायेगा।

4— रु0 5/— प्रति वर्ग फुट शुल्क व्यवसायिक भवन में आच्छादित पर लिया जायेगा।

5— रु0 4/— प्रति वर्ग फुट शुल्क अवासीय व व्यवसायिक भवन में आच्छादित पर लिया जायेगा।

**नोट—** मानचित स्वीकृत होने के उपरान्त आवेदक/आवेदिका को तीन वर्ष के भीतर भवन का निर्माण कर लेना होगा अथवा मानचित्र की अवधि समाप्त हो जाने पर भवन निर्माण की अनुमति नहीं दी जायेगी।

### सेट-बैक

1— **आवासीय/व्यवसायिक भवन—** भूखण्डीय विकास के अन्तर्गत आवासीय/व्यवसायिक भवनों में अधिकतम तीन मंजिल निर्माण अनुमन्य होगा जिसकी अधिकतम ऊँचाई स्टिल्ट के साथ 41 फुट तथा स्टिल्ट के बिना 34 फुट होगी एवं सैट-बैक निम्नवत् होंगे—

भूखण्ड का क्षेत्रफल	सैट-बैक	
	अग्र भाग	पृष्ठ भाग
1	2	3
वर्गफिट—	फिट—	फिट—
1500 तक	3	—
1501 से अधिक 3000 तक	5	3
3001 से अधिक 5000 तक	10	5

2— कोने के भूखण्ड में सैट-बैक सम्बन्धित भूखण्ड के फ्रन्ट सैट-बैक के समान होगा।

3— भवनों में प्रकाश एवं संवातन की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।

4— **सेट बैक में छुट—** खुले स्थान में छत/छज्जे का निर्माण किया जा सकता है, जो खुले स्थान की चौड़ाई के आधे से अधिक तथा अधिकतम 3 फुट होगा, परन्तु उक्त छत/छज्जे किसी प्रकार का निर्माण अनुमन्य नहीं होगा।

5— 3000 से अधिक प्रस्तावित व्यवसायिक भवन हेतु स्थानीय मुख्य शमन अधिकारी से अग्निशमन सुरक्षा सम्बन्धी अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करना होगा।

6— 1500 से अधिक 3000 तक के भवनों में पृष्ठ सेट-बैक के 40 प्रतिशत भाग पर निर्माण अनुमन्य होगा।

7— 5000 से अधिक तथा निम्न (संस्थागत/सामुदायिक, शिक्षण संस्थान, औद्योगिक भवन, कार्यालय भवनों, भण्डारण भवनों, होटल, थोक व्यवसायिक भवनों, चिकित्सा भवनों, सेवा-उद्योग आदि) के मानचित्र की **स्वीकृति देवरिया विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण के** भवन निर्माण एवं विकास उपविधि में निर्धारित मानको के अनुसार **प्राधिकरण के अनुमति उपरांत दी जायेगी।**

8— उक्त आराजी पर भवन निर्माण से पुरातत्व विभाग के किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं होगा। आराजी पुरातात्विक क्षेत्र की परिधि से लगभग 300 मीटर दूरी पर स्थित होगी। पुरातात्विक क्षेत्र की परिधि 300 मीटर के भीतर के भूमि/भवनों को मानत्रित स्वीकृति कराने हेतु स्थानीय पुरातत्व विभाग से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करना होगा।

#### अन्य आन्तरिक संरचनायें—

##### जीना—

1— आवासीय भवनों में आन्तरिक जीने की पैड़ी की चौड़ाई न्यूनतम 10'' होगी। तथा अन्य भवनों में पैड़ी की चौड़ाई न्यूनतम 12'' होगी।

2— आवासीय भवनों में एक उठान में अधिकतम 12 राइजर तक होंगे तथा अन्य भवनों में उनकी संख्या 15 तक हो सकेगी।

##### चहारदीवारी—

1— सामने की कम्पाउण्ड दीवार की अधिकतम ऊंचाई 8 फुट होगी, जिसका न्यूनतम 3 फुट ऊपरी भाग जाली/ग्रिलयुक्त होगा।

2— पीछे की तथा पार्श्व की कम्पाउण्ड दीवारों की अधिकतम ऊँचाई 8 फुट होगी।

3— कोने के भूखण्ड में सड़क की तरफ की कम्पाउण्ड दीवार की ऊंचाई 6 फुट से अधिक नहीं होगी।

4— उक्त उपबन्ध सैनेटोरियम, कारखाना, कार्यालय, संस्थागत भवनों पर लागू नहीं होंगे।

**भू-गेह (बेसमेन्ट)–**

1– बेसमेन्ट को रिहायसी उपयोग में नहीं लाया जायेगा तथा बेसमेन्ट में शौचालय या रसोई घर का निर्माण अनुमन्य नहीं होगा।

2– आन्तरिक खुले स्थल (कोर्टयार्ड) तथा शाफ्ट के नीचे बेसमेन्ट का निर्माण अनुमन्य होगा।

3– बेसमेन्ट का निर्माण बगल की संपत्तियों की स्ट्रक्चरल सेपटी सुनिश्चित करते हुए भूखण्ड की सभी सीमाओं से न्यूनतम 6 फुट छोड़ने के बाद ही अनुमन्य होगा।

**बेसमेन्ट का प्रयोजन निम्नानुसार होगा–**

(क)– घरेलु सामान, अज्वलनशील पदार्थ या अन्य सामान का भण्डारण।

(ख)– आवासीय भवन से भिन्न भवनों में डार्करूम, कोषकक्ष, बैंक सेलर आदि।

(ग)– वातानुकूलन उपकरण एवं अन्य मशीनें जो भवन की अनिवार्य सुरक्षा के लिए लगाई जायें।

(घ)– पार्किंग स्थल और गैराज।

(च)– पुस्तकालयों के अज्वलनशील भण्डार कक्ष (स्टैकिंग रूम)।

1– बेसमेन्ट का प्रत्येक भाग, फर्श से बीम तक न्यूनतम 7 फुट तथा अधिकतम 15 फुट ऊँचा होगा।

2– बेसमेन्ट में पर्याप्त संवातन सुनिश्चित किया जायेगा।

3– बेसमेन्ट की सीलिंग संलग्न रोड लेवल से न्यूनतम 3 फुट तथा अधिकतम 4 फुट ऊपर होगी।

4– सतह का पानी बेसमेन्ट में प्रवेश न करने पाए इस हेतु व्यवस्था करनी होगी।

**रेन वाटर हार्वेस्टिंग हेतु अपेक्षाएँ–**

1– जलरोध की समस्या से ग्रस्त क्षेत्रों को छोड़कर अन्य क्षेत्रों में 3000 वर्ग फुट से अधिक क्षेत्रफल के समस्त उपयोगों के भूखण्डों तथा सभी योजनाओं में छतों एवं खुले स्थानों से प्राप्त वाले बरसाती जल को उपयुक्त रिचार्जिंग स्ट्रक्चर के माध्यम से ग्राउन्ड वाटर रिचार्जिंग तथा स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार भूमिगत अथवा भूमि के ऊपर संग्रहण हेतु आवश्यक प्राविधान किया जायेगा।

**सोलर वाटर हीटिंग संयन्त्र हेतु अपेक्षाएँ**

निम्न प्रकृति के किसी भी प्रस्तावित भवन निर्माण में पानी गर्म करने हेतु सोलर वाटर हीटर संयन्त्र की स्थापना की अपेक्षाओं के अनुसार सुनिश्चित की जायेगी–

1– अस्पताल तथा नर्सिंग होम।

2– होटल।

3– अतिथि गृह।

4– विश्राम गृह।

5– छात्रावास।

6– महाविद्यालय/प्राविधिक संस्थाएँ/प्रशिक्षण केन्द्र।

7– सशस्त्र बल/अर्द्ध-सैनिक बल एवं पुलिस बल के बैरक।

8– सामुदायिक केन्द्र, बैक्वेट हाल, बारातघर तथा इसी प्रकार के अन्य भवन।

9– 5000 वर्ग फुट एवं अधिक क्षेत्रफल के आवासीय भवन।

### शारीरिक रूप से अशक्त व्यक्तियों हेतु अपेक्षाएँ

समस्त जनोपयोगी भवनों तथा सार्वजनिक सुविधा स्थलों पर शारीरिक रूप से अशक्त व्यक्तियों की आवश्यकताओं, सुरक्षा एवं संरक्षा हेतु अवरोधमुक्त परिसर के सृजन के लिए प्राविधान सुनिश्चित किये जायेंगे।

### भूकम्परोधी निर्माण हेतु अपेक्षाएँ

1— भूतल सहित 3 मंजिल से अधिक अथवा 41 फुट से अधिक ऊँचाई के भवन तथा 5000 वर्ग फुट से अधिक भू-आच्छादन के सभी अवस्थापना सुविधाओं (यथा वाटर वर्क्स एवं ओवर हैंड टैंक, टेलीफोन एक्सचेंज, ब्रिज एवं क्लवर्ट, विद्युत उत्पादन केन्द्र एवं विद्युत टावर, अस्पताल छविगृह, ऑडिटोरियम, सभा भवन, शैक्षिक संस्थाएँ, बस टर्मिनल आदि) पर भूकम्परोधी निर्माण सम्बन्धी अपेक्षाएँ लागू होगी।

2— भवन निर्माण हेतु मानचित्र स्वीकृति कराने के लिए स्ट्रक्चरल इंजीनियर के हस्ताक्षर युक्त भवन की नींव एवं सुपरस्ट्रक्चर डिजाइन की पूर्ण गणनाएँ एवं स्ट्रक्चरल मानचित्र स्वीकृति सम्बन्धी प्रपत्रों के साथ प्रस्तुत किये जायेंगे। साथ ही भवन निर्माण हेतु नियत प्राधिकारी को जो मानचित्र प्रेषित किये जायेंगे, उन सभी मानचित्रों पर भू-स्वामी, पंजीकृति आर्किटेक्ट के साथ-साथ स्ट्रक्चरल डिजाइन करने वाले स्ट्रक्चरल इंजीनियर तथा सर्विस डिजाइन तैयार करने वाले सर्विस इंजीनियर के पूरे नाम तथा मुहरयुक्त हस्ताक्षर से भूकम्परोधी डिजाइन होने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जायेगा।

### अपराधों का शमन उपविधि

1— मानचित्र में भवन निर्माण एवं विकास उपविधि के अनुसार अवैध निर्माण दर्शाए जायेंगे 'फ्रन्ट', 'साइड' एवं पीछे के सटे बैक में अनधिकृत निर्माण शमनीय होगा।

2— शमन शुल्क अवैध निर्माण के लिए निर्धारित शुल्क द्वारा लिया जायेगा।

3— रु0 10/— प्रति वर्ग फुट शमन शुल्क आवासीय भवन में आच्छादित क्षेत्रफल पर लिया जायेगा।

4— रु0 15/— प्रति वर्ग फुट शमन शुल्क व्यावसायिक भवन में आच्छादित क्षेत्रफल पर लिया जायेगा।

### दण्ड

यदि कोई भी व्यक्ति उपविधि का उल्लंघन करता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

(ह0) अस्पष्ट

अध्यक्ष,

नगर पंचायत तरकुलवा,

जनपद देवरिया।

### कार्यालय, नगर पंचायत तरकुलवा, जनपद-देवरिया

06 मार्च, 2025 ई0

सं0 150/न0पं0 तरकुलवा/2024-25-उ0प्र0 नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा-298 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत तरकुलवा द्वारा सीमान्तर्गत विविधकर शुल्क (उपविधि) नियमावली, 2024 प्रस्तावित करते हुए उपरोक्त नियमावली धारा-301 के अन्तर्गत प्रकाशन के पश्चात् उसके किसी बिन्दु या सभी बिन्दुओं पर किसी व्यक्ति या समूह का आपत्ति हो या सुझाव होते अपने लिखित आपत्ति/सुझाव नगर पंचायत तरकुलवा में प्रकाशन 15 दिन के अन्दर प्राप्त करा सकता है तत्क्रम में दैनिक समाचार-पत्र, हिन्दुस्तान में दिनांक 01 अक्टूबर 2024 एवं अमर उजाला में दिनांक 02 अक्टूबर, 2024 को प्रकाशित कराकर 15 दिवस के अन्दर आपत्ति व सुझाव आमंत्रित किया गया है निर्धारित समया अवधि 15 दिन के अन्दर कोई आपत्ति/सुझाव प्राप्त नहीं हुआ जिसको मा0 बोर्ड बैठक दिनांक 28 नवम्बर, 2024 को प्रस्ताव संख्या-03 के द्वारा उपरोक्त उपविधि को उसी रूप में सर्वसम्मत से स्वीकृति प्रदान की गयी है निम्नवत उपविधि को गजट में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी माना जायेगा।

## विविधकर (शुल्क) उपविधि 2024

### संक्षिप्त नाम प्रसार एवं प्रारम्भ—

- 1— यह उपविधि “विविधकर (शुल्क) उपविधि नियमावली, 2024 कहलायेगी।
- 2— यह उपविधि नगर पंचायत नगर पंचायत तरकुलवा जनपद-देवरिया की सीमा में लागू होगी।
- 3— यह उपविधि उ0प्र0 राजपत्र में प्रकाशन होने के दिनांक से नगर पंचायत तरकुलवा जनपद-देवरिया में प्रभावी होगी।

### परिभाषाएँ—

- 1— “अध्यक्ष” का तात्पर्य नगर पंचायत तरकुलवा जनपद-देवरिया के अध्यक्ष से है।
- 2— “अधिकासी अधिकारी” का तात्पर्य नगर पंचायत तरकुलवा जनपद-देवरिया के अधिकासी अधिकारी से है।
- 3— “नगर पंचायत का तात्पर्य नगर पंचायत तरकुलवा जनपद-देवरिया से है।

### 1— ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन—

1— नाला/नाली/सार्वजनिक जगहों/मार्गों पर गन्दगी फैलाने पर जुर्माना शुल्क रु0 500.00 प्रति प्रकरण पुनरावृत्ति करने पर जुर्माना शुल्क रु0 1,000.00 प्रति प्रकरण।

2— किसी स्वामी के मरे हुए छोटे जानवर उठाने पर रु0 500.00 प्रति पशु तथा बड़े जानवर उठाने पर शुल्क रु0 1,000.00 प्रति पशु।

3— किसी स्थायी या अस्थायी दुकान, चाट/फल/मोमोज/चाऊमीन/अन्डा/दुकान एवं ठेले आदि पर हरा एवं नीला डस्टबिन गीले तथा सूखे कूड़े हेतु रखना अनिवार्य है, डस्टबिन नहीं होने पर जुर्माना शुल्क रु0 500.00 प्रति दुकान प्रतिदिन की दर से लिया जायेगा।

4— नगर पंचायत सीमान्तर्गत नदियों/तालाबों/पोखरों आदि किसी भी जलाशयों में कूड़ा फेकना प्रतिबंधित है। यदि किसी व्यक्ति द्वारा जलाशयों में कूड़ा फेका जाता है तो ऐसे व्यक्तियों पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली, 2016 तथा वाटर पलूशन एक्ट के अन्तर्गत विधिक कार्यवाही सक्षम अधिकारी द्वारा करते हुए 2,000.00 रु0 जुर्माना प्रति प्रकरण वसूल किया जायेगा।

5— किसी व्यक्ति के शादी विवाह एवं अन्य उत्सव में सफाई हेतु शुल्क रु0 2,000.00 प्रति प्रकरण।

6— सड़क के किनारे नालियों रिटेनिंग बाल के ऊपर अतिक्रमण सड़क के किनारे अवैध गुमटी, खोखा, मछली, मुर्गा, बकरा आदि जानवरों के गये हुए अवशेष नालियों में डालने इत्यादि व सड़क के किनारे फुटपाथ पर दुकानों का सामान फैलाने, रात के समय या दिन में सड़क पर दो या चार पहिया वाहन खड़ा कर रास्ता अवरुद्ध करने, बीच सड़क में शादी विवाह या अन्य प्रयोजन कर रास्ता अवरुद्ध करने पर जुर्माना शुल्क रु0 1,000.00 प्रतिदिन एवं शासनादेश संख्या 3595/नौ-5-2026-29 रिट/2014 दिनांक 08 नवम्बर, 2016 एवं एन0जी0टी0 ऐक्ट 2010 की धारा-15 एवं 16 में दिये गये प्रविधानों के अनुसार सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत आप पर रु0 50,000.00 (पच्चास हजार रुपया) जुर्माना अधिरोपित किया जाना प्राविधानित है। उपरोक्त सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी द्वारा रु0 5,000.00 से 50,000.00 रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकेगा।

7— नगर पंचायत में स्थित नालियों पर स्लैब डाल कर स्थायी रूप से ढकने के कारण नाली सफाई में अवरोध उत्पन्न होने व नाली/नाला/सड़क/रिटेनिंग बाल, गुमटी, धुलाई व फिलींग सर्विसिंग स्टेशन व दुकानों के सामने सड़क पर अनाधिकृत रूप से सामान रखने व अन्य सार्वजनिक सम्पत्ति पर अवैध कब्जा/अतिक्रमण पाये जाने पर जुर्माना शुल्क रु0 3,000.00 प्रति व्यक्ति, अवैध कब्जा/अतिक्रमण नगर पंचायत के संज्ञान में आने पर कार्यालय

द्वारा नोटिस प्राप्त करने या नोटिस लेने से इन्कार करने के दिनांक के एक दिन बाद से अवैध कब्जा/अतिक्रमण हटाये जाने की तिथि तक प्रतिदिन जुर्माना रु0 500.00 की दर से वसूल किया जायेगा।

8— नगर पंचायत सीमान्तर्गत सार्वजनिक सड़कों, नाला, फुटपाथों, डिवाइडरों विवाह घर, कार्यालय भवन, रैन बसेरा, पार्क तालाबों को क्षतिग्रस्त करने पर जुर्माना रु0 5,000.00 प्रतिवर्ग मीटर की दर से जुर्माना तथा उक्त आदि पर लगाये गये लाइटों, दरवाजों, पेड पौधे, आदि किसी वस्तु को क्षतिग्रस्त करने पर जुर्माना रु0 5,000.00 प्रति अर्द्ध प्रति व्यक्ति की दर से सक्षम अधिकारी द्वारा वसूल किया जायेगा।

9— गेस्ट हाउस, बैंक, शराब की दुकान, नर्सिंग होम/अस्पताल, व्यावसायिक प्रतिष्ठान एवं व्यक्तिगत आवासीय घर आदि द्वारा नाली पर जनरेटर या अन्य कोई सामान रखकर अतिक्रमण करने पर जुर्माना रु0 1,000.00 प्रतिदिन एवं प्रति बुकिंग रु0 1,000.00 प्रतिदिन सक्षम अधिकारी द्वारा अधिरोपित किया जायेगा।

10— नगर पंचायत सीमान्तर्गत महापुरुषों की प्रतिमाओं, पार्क/डिवाइडरों/फुटपाथों नगर पंचायत के स्वामित्व के भवनों पर पोस्टर/बैनर लगाने/चिपकाने एवं वालपेंटिंग/वालराइटिंग आदि करना प्रतिबंधित है यदि किसी व्यक्ति संस्था द्वारा उक्त कार्य किये जाने पर जुर्माना रु0 3,000.00 देय होगा।

11— नगर पंचायत सीमान्तर्गत समस्त भवन स्वामियों /व्यावसायिक प्रतिष्ठानों स्वामी को घरों से निकलने वाले कूड़े को पृथक्कृत करते हुए डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन वाहन को कूड़ा उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। यदि भवन स्वामियों /व्यावसायिक प्रतिष्ठानों स्वामियों द्वारा कूड़े को डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन वाहन को उपलब्ध न कराते हुए मकान के सामने कूड़ा डालने, सड़क किनारे, नाले/नालियों में, खाली पड़े प्लाटों में फेकते हुए पकड़े जाते हैं तो ऐसे भवन स्वामियों /व्यावसायिक प्रतिष्ठान स्वामियों पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली 2016 के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए रु0 1,000.00 की दर से प्रति प्रकरण जुर्माना नगर पंचायत के सक्षम अधिकारी द्वारा वसूल किया जायेगा।

12— नगर पंचायत सीमान्तर्गत समस्त भवन स्वामियों/व्यावसायिक प्रतिष्ठानों स्वामी को घरों से निकलने वाले कूड़े को चार भागों में— सूखे कूड़े, गीले कूड़े, हजार्डस कूड़े तथा सेनेटरी कूड़े को पृथक्कृत करते हुए निकाय द्वारा डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन वाहन को कूड़ा उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। यदि भवन स्वामी/व्यावसायिक प्रतिष्ठानों स्वामी द्वारा कूड़े को चार भागों में पृथक्कृत करते नहीं पाये जाने पर निकाय के सक्षम अधिकारी द्वारा 500.00 रुपया प्रतिदिन की दर से जुर्माना के रूप में वसूल किया जायेगा।

13— डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्य नगर पंचायत द्वारा या नगर पंचायत द्वारा अनुबन्धित संस्था द्वारा किये जाने पर यूजर चार्ज के रूप में प्रति घर शुल्क रु0 50.00 प्रतिमाह, व्यवसायिक शुल्क रु0 100.00 प्रतिमाह प्रति प्रतिष्ठानों की दर से लिया जायेगा।

14— नगर पंचायत सीमान्तर्गत आने वाले प्रत्येक वार्डों में किसी व्यक्ति, संस्था या व्यावसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा अपने परिसर में प्रतिदिन न्यूनतम 50 किलो ग्राम या इससे अधिक कूड़े का उत्सर्जन अथवा 5000 वर्ग मीटर से अधिक का परिसर है तो ऐसे व्यक्ति, संस्था या व्यावसायिक प्रतिष्ठान को बल्क वेस्ट जनरेटर की श्रेणी में रखा जायेगा।

15— ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली, 2016 में कचड़ा उत्सर्जक के कर्तव्य (Duties of Waste Generator) के विषयगत निर्देशों के अनुक्रम में प्राविधान (दायित्व एवं कर्तव्य) दिये गये हैं। जिसका अनुपालन प्रत्येक बल्क वेस्ट जनरेटरों को करना अनिवार्य होगा।

#### **बल्क वेस्ट जनरेटर के दायित्व एवं कर्तव्य निम्नवत हैं—**

1— परिसर से निकलने वाले गीले, सूखे एवं हानिकारक कूड़े को अलग-अलग डस्टबिन में रखना सुनिश्चित करें।

2— गीले कूड़े का निस्तारण बायोगैस अथवा कम्पोस्ट पिट के माध्यम से कम्पोस्ट बनाकर सुनिश्चित करें।

3— सूखे कूड़े को नगर पंचायत अथवा पंजीकृत संस्थान को ही निस्तारण हेतु देना सुनिश्चित करें।

4— परिसर से निकलने वाले फूल पत्ती (Horticulture and Garden waste) जैसे अपशिष्टों का निस्तारण परिसर के अन्दर कम्पोस्ट पिट बनाकर करना है अथवा स्थान न उपलब्ध होने पर नगर पंचायत अथवा नगर पंचायत से पंजीकृत संस्थान के माध्यम से ही निस्तारण करवाना सुनिश्चित करना होगा।

5— परिसर में निकलने वाले मलवो, मिट्टी (Construction & Demolition Waste) का निस्तारण Construction & Demolition Waste Management Rule 2016 के अन्तर्गत कराना सुनिश्चित करना होगा, किसी भी दशा में परिसर के बाहर मलवो, मिट्टी फेंकना प्रतिबंधित रहेगा। उचित निस्तारण हेतु नगर पंचायत अथवा नगर पंचायत से पंजीकृत संस्था द्वारा कराना अनिवार्य होगा।

16— बल्क वेस्ट जनरेटर के समस्त दायित्व एवं कर्तव्यों का अनुपालन करना अनिवार्य है, प्रावधानों का अनुपालन नहीं करने वाले ऐसे व्यक्ति संस्थान या व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (NGT) एवं पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 में निहित नियमों के अन्तर्गत शुल्क/उपभोक्ता शुल्क/अर्थदण्ड अधिरोपित किया जायेगा।

## 2— फीकल स्लज सेप्टेज अपशिष्ट प्रबन्धन—

1— हाथ से मैला उठाने वाले (मैन्युअल स्कैवेजर) कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुर्नवास अधिनियम-2013 क्रम में नगर पंचायत सीमान्तर्गत हाथ से मैला उठाना प्रतिबंधित है।

2— नगर पंचायत की सीमान्तर्गत निर्मित सार्वजनिक शौचालयों का प्रयोग शौच करने वाले प्रति व्यक्ति से यूजर चार्ज शुल्क रु0 5.00 लिया जायेगा।

3— नगर पंचायत सीमान्तर्गत खुले में शौच करते पाये जाने पर जुर्माना रु0 500.00 प्रति व्यक्ति एवं पुनरावृत्ति पाये जाने पर जुर्माना 1,000.00 प्रति व्यक्ति तथा खुले में मूत्र करते पाये जाने पर जुर्माना रु0 200.00 प्रति व्यक्ति एवं पुनरावृत्ति पाये जाने पर जुर्माना रु0 500.00 प्रति व्यक्ति वसूला जायेगा।

4— नगर पंचायत की सीमा में निर्मित सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों का प्रयोग करते समय या अनाधिकृत तरीके से सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों को क्षतिग्रस्त करते पाये जाने पर प्रति व्यक्ति जुर्माना राशि रु0 50,000/- वसूल करते हुए आवश्यक विधिक कार्यवाही सक्षम अधिकारी द्वारा की जायेगी।

5— नगर पंचायत सीमान्तर्गत समस्त प्राइवेट डी-स्लजिंग आपरेटर सेप्टिक टैंक की सफाई हेतु नगर पंचायत से पंजीकृत होकर लाइसेंस प्राप्त करने के पश्चात डी-स्लजिंग का कार्य करेंगे, अन्यथा की स्थिति में सुसंगत धाराओं में उनके खिलाफ विधिक कार्यवाही की जायेगी, जिसके लिए समस्त जिम्मेदारी प्राइवेट डी-स्लजिंग आपरेटरों स्वयं की होगी।

6— कार्यालय नगर पंचायत से डी-स्लजिंग कार्य हेतु लाइसेंस प्राप्त आपरेटर द्वारा ओएसएस (सेप्टिक टैंक) से एकत्रित किये गये स्लज को नगर पंचायत द्वारा अधिसूचित स्थान पर डिस्चार्ज करने के बजाय खुले अथवा बन्द नालियों/नालों जलाशयों (तालाब, पोखर, नदी) एवं खुले स्थानों (खेत, प्लाट, गड्ढों) आदि किये जाने पर जुर्माना/अर्थदण्ड देने के लिए उत्तरदायी होगा (होगी) एवं उनके खिलाफ सुसंगत धाराओं में विधिक कार्यवाही की जायेगी।

7— नगर पंचायत सीमान्तर्गत निर्मित भवनों के सेप्टिक टैंक से डी-स्लजिंग (सेप्टिक टैंक की सफाई) कार्य कराने हेतु निकाय द्वारा उपलब्ध कराये जा रहें टोल फ्री नम्बर 14420 तथा 1533 अथवा कार्यालय नगर पंचायत से सम्पर्क कर सफाई कार्य कराया जा सकता है।

8— नगर पंचायत सीमान्तर्गत निर्मित समस्त प्रकार आवासीय भवन, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, सरकारी कार्यालय आदि में उत्पन्न होने वाले फीकल स्लज को खुले अथवा बन्द नालियों, जलाशयों (तालाब, पोखरा, नदी,) खुले स्थानों (खेत, प्लाट, गड्ढों) आदि में प्रवाहित करना अपराध की श्रेणी में आता है। इस तरह के कृत्य करने पर भूस्वामी/व्यक्ति या संस्था या व्यावसायिक प्रतिष्ठान एवं आवासीय भवन के मालिक/मालकिन जुर्माना/अर्थदण्ड के भागी होंगे, तथा उनके खिलाफ सुसंगत धाराओं में विधिक कार्यवाही की जायेगी।

9— नगर पंचायत सीमान्तर्गत निर्मित समस्त प्रकार आवासीय भवन, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, सरकारी कार्यालय आदि में उत्पन्न होने वाले फीकल स्लज के उचित निस्तारण हेतु प्रत्येक 2-3 वर्ष के अन्दर सेप्टिक टैंक की सफाई कराना अनिवार्य है। जिस हेतु आवास/प्रतिष्ठान, मालिक/मालकिन नगर पंचायत अथवा लाइसेंस प्राप्त डी-स्लजिंग ऑपरेटर से सम्पर्क कर निर्धारित शुल्क मु0-1,500/— रु0 अथवा (समय-समय पर मा0 बोर्ड द्वारा पुनरीक्षित दर) जमा कराकर अपने टैंकों की सफाई करा सकता है।

10— सेप्टिक टैंक/ओएसएस का डिजाइन, निर्माण और इसकी संस्थापना समय-समय पर यथा: संशोधित मैनुअल ऑन सीवरेज एण्ड सीवेज ट्रीटमेंट सिस्टम, 2013 CPHEEO के प्रावधानों के अनुसार अथवा नगर पंचायत तथा राज्य सरकार या केन्द्र सरकार द्वारा जारी किये गये किसी अन्य स्वीकृत मजबूत इंजीनियरिंग प्रैक्टिस के अनुसार होंगे, तथा फीकल स्लज सेप्टिक टैंक/ओएसएस से डिस्चार्ज हो रहा हो जिसका खुले में कोई आउटलेट न हों।

11— नगर पंचायत सीमान्तर्गत निर्मित समस्त सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों में उच्च स्तरीय नागरिक हितैसी सेवाएं रख-रखाव एवं आवश्यक सुविधाएं नियमित रूप से कराये जाने हेतु सर्विस लेवल वेंच मार्क निर्धारित किये गये हैं जिसका पालन करना/करवाना समस्त सार्वजनिक/सामुदायिक शौचालयों के केयर टेकर/सुपर वाइजर/सफाई निरीक्षकों को अनिवार्य होगा। यदि किसी व्यक्ति को सर्विस लेवल वेंच मार्क की विस्तृत जानकारी चाहिए ऐसे व्यक्ति कार्यालय में उपस्थित होकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

12— कार्यालय नगर पंचायत द्वारा समस्त सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों हेतु निर्धारित सर्विस लेवल वेंच मार्क निम्नवत है—

क्रम सं०	सेवा का प्रकार	मानक लक्ष्य	अर्थदण्ड की स्थिति
1	2	3	4
			रु0—
1	केयर टेकर का नाम, मो०नं०, टोयलेट आई०डी०, सफाई कर्मचारी का नाम तथा शौचालय खुलने एवं बन्द होने का समय तथा विज्ञापन हेतु सम्पर्क नम्बर की उपलब्धता।	प्रत्येक सार्वजनिक/सामुदायिक शौचालयों के फ्रण्ट दीवाल पर अंकित	200
2	जल की उपलब्धता	24 घण्टें	200
3	शौचालयों में प्रकाश व हवादानी की व्यवस्था	प्रत्येक सीट में प्रकाश हेतु एल०ई०डी० लाइट एवं हवा हेतु प्राकृतिक हवादानी/इक्झास फैन द्वारा	500
4	सेप्टिक टैंक/सीवरेज की व्यवस्था	समस्त शौचालयों में	500
5	शिकायत निवारण की समय सीमा	24 घण्टें में	100
6	शौचालयों की ऑनलाइन मैप में खोजने हेतु या समकक्ष प्लैटफार्म में उपलब्धता एवं फीडबैक व्यवस्था।	समस्त शौचालयों आनलाइन मैप में उपलब्ध	1,000
7	दिव्यांग हितैषी सीट, बच्चों की सीट तथा दिव्यांगजन हेतु रैम्प की उपलब्धता	प्रत्येक शौचालयों में 01—01 सीट तथा समुचित रैम्प की व्यवस्था अनिवार्य है।	5,000



1	2	3	4
			रु0—
8	सीट, बेसिन फर्स, दीवार, दरवाजा, आईना, हैण्ड ड्रायर, सेनेटरी वेण्डिंग नैपकिन एवं इन्सीनेटर मशीन आदि की साफ-सफाई	निरन्तर किन्तु 24 घंटे में न्यूनतम 03 बार	500
9	साबुन, हैण्डवास, फिनायल, हार्पिक, एयर फ्रैशनर (ओडोनिल) डस्टबिन, झाड़ू, वाइपर, ब्रश, टावेल/टीसू पेपर तथा सफाई कर्मी, सुरक्षा पहनावें जैसे ग्लब्स, गमबूट, हेलमेट, चस्मा, एप्रेन आदि की व्यवस्था।	समुचित सफाई हेतु निरन्तर उपलब्धता	200
10	सेनेटरी वेण्डिंग नैपकिन एवं इन्सीनेटर मशीन तथा पैडेस्टल डस्टविन की उपलब्धता	समस्त सामुदायिक/ सार्वजनिक शौचालयों के महिला ब्लॉक सेनेटरी वेण्डिंग नैपकिन एवं इन्सीनेटर मशीन में तथा पैडेस्टल डस्टविन महिला ब्लॉक के प्रत्येक सीट पर	200
11	शौचालय के फ्रण्ट पर पौधे गमले तथा हाईमास्ट लाइट की व्यवस्था	प्रत्येक सार्वजनिक/सामुदायिक शौचालयों पर	200
12	महिला तथा पुरुष हेतु अलग-अलग व्यवस्थाएँ।	प्रत्येक सार्वजनिक/सामुदायिक शौचालयों पर महिला तथा पुरुषों हेतु पार्टिशन युक्त ब्लॉक की व्यवस्थाएँ जिसमें शौचालय सीट, मूत्रालय सीट तथा वॉस वेसिन उपलब्ध।	200

### 3— निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रबन्धन—

(1)— नगर पंचायत सीमान्तर्गत आने वाले प्रत्येक वार्डों में ऐसे निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट उत्पादक जो प्रतिदिन 10 टन या उससे अधिक तथा प्रतिमाह 200 टन या उससे अधिक निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट को उत्पन्न करते हैं ऐसे उत्पादकों को बल्क वेस्ट जनरेटर की श्रेणी में तथा प्रतिदिन 20 टन से कम अपशिष्ट उत्पन्न करने वाले उत्पादकों को नॉन बल्क वेस्ट जनरेटर की श्रेणी में रखा जायेगा।

(2)— निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट बल्क वेस्ट जनरेटर द्वारा उत्पन्न किये गये अपशिष्ट का संग्रहण एवं निस्तारण के लिए शुल्क का निर्धारण निकाय के सक्षम अधिकारी द्वारा उत्पन्न अपशिष्ट की मात्रानुसार किया जायेगा, जिसका देय निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट बल्क वेस्ट जनरेटर द्वारा होगा।

(3)— नगर पंचायत सीमान्तर्गत यदि किसी भी व्यक्ति/संस्थान द्वारा भवन मानचित्र पास कराने के पश्चात भवन का निर्माण/विध्वंस कार्य कराते समय निर्माण/विध्वंस अपशिष्ट उत्पन्न होता है तो ऐसी स्थिति में भू-स्वामि/संस्थान/व्यक्ति के लिए निकाय द्वारा उपलब्ध कराये गये टोल फ्री नम्बर-1533 अथवा कार्यालय नगर पंचायत से सम्पर्क कर सूचित करते हुए निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट का उचित उठान, संग्रहण एवं निस्तारण हेतु निकाय द्वारा डेडिकेटेड वाहन जे0सी0बी0 निर्धारित शुल्क मु0-2,000.00 रुपये प्रति घंटे तथा ट्रेक्टर ट्राली प्रति ट्रीप 1,500.00 शुल्क के अनुसार निकाय द्वारा लिया जायेगा।

(4)– यदि किसी व्यक्ति/संस्था द्वारा सड़क, नाला, नालियां, पार्को में तथा सार्वजनिक स्थान पर निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट रखा/गिराया जाता है तो ऐसे व्यक्ति/संस्था/भू-स्वामी को चिन्हित करते हुए जूराना धनराशि मु0-2,000.00 रुपये वसूल किया जाएगा।

#### 4– प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबन्धन–

(1)– भारत सरकार का राजपत्र सं0-178 नई दिल्ली शुक्रवार, 16 मार्च, 2016 में प्रकाशित अपशिष्ट प्लास्टिक नियम 2016 तथा भारत का राजपत्र सं0-459 नई दिल्ली 12 अगस्त, 2021 द्वारा प्रकाशित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम 2021 एवं सरकारी गजट उत्तर प्रदेश के 15 जुलाई, 2016 के द्वारा जारी अधिसूचना के अनुपालन में नगर पंचायत के सीमान्तर्गत प्लास्टिक एवं थर्माकोल के सामग्री के विनिर्माण, आयात, भण्डारण, वितरण, बिक्री और उपयोग पर निम्नानुसार प्रतिबन्ध लागू है।

(2)– 75 माइक्रोन से कम मोटाई के प्लास्टिक के कैंरीबैग और वस्तु 30 सितम्बर, 2021 से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

(3)– 1 जुलाई 2022 की तारीख से निम्नलिखित सामग्री प्रतिबंधित किया गया है–

(क)– पोलीस्टाइनरीन और विस्तारित पोलीस्टाईरीन वस्तुओं सहित निम्नलिखित एकल-प्रयोग-प्लास्टिक वस्तुओं के विनिर्माण, आयात, वितरण, बिक्री और उपयोग का निषेध किया गया है।

(ख)– प्लास्टिक स्टिक युक्त ईयर वड्स, गुब्बारों के लिए प्लास्टिक की डंडिया, प्लास्टिक के झंडे, कैंडी स्टिक, आइस्क्रीम की डंडिया, पालेस्टाईरीन (थर्माकोल) की सजावटी सामग्री आदि।

(ग)– जो कम्पोस्टिंग योग्य न हो ऐसी प्लास्टिक से बनी प्लेटें, कप गिलास, कांटें, चम्मच, चाकू, स्ट्रॉ, ट्रे जैसे कटलरी, मिठाई के डब्बों के इर्द-गिर्द लपेटने या पैक करने वाली फिल्में, निमंत्रण कार्ड और सिगरेट पैके, 100 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक या पी0बी0सी0 बैनर, रिट्रार का भी 1 जुलाई 2022 से प्रयोग प्रतिबंधित कर दिया गया। उक्त का प्रयोग करते पाये जाने पर निम्नानुसार शुल्क/जूराना वसूले जाने का प्राविधान किया गया है। जो नगर पंचायत में भी लागू है।

क्रम सं0	प्रतिषिद्ध श्रेणी के निस्तारण योग्य पॉलीथीन कैंरी बैगों, प्लास्टिक और थर्माकोल वस्तुओं की मात्रा	जूराना धनराशि
1	2	3
		रु0–
(क) 1	100 ग्राम तक	1,000.00
(क) 2	101 ग्राम – 500 ग्राम	2,000.00
(क) 3	501 ग्राम – 01 किलोग्राम	5,000.00
(क) 4	01 किलोग्राम – 05 किलोग्राम	10,000.00
(क) 5	05 किलोग्राम से अधिक	25,000.00
(ख)	किसी संस्था/वाणिज्यिक संस्था/वाणिज्यिक प्रतिष्ठान/शैक्षिक संस्थाओं/कार्यालयों/होटलों/दुकानों/रेस्तराओं/मिष्ठान दुकानों/ढाबों/औद्योगिक/प्रतिष्ठानों/भोजन कक्षों आदि द्वारा परिसर के अन्तर्गत और सड़कों मार्गों नालों, नदियों, झीलों, तालाबों, वन क्षेत्रों, सार्वजनिक पार्को, समस्त सार्वजनिक स्थलों आदि पर प्लास्टिक अपशिष्ट का फेका जाने पर।	25,000.00

1	2	3
		रु0—
(ग)	व्यक्तियों द्वारा किन्हीं निजी या वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों तथा शैक्षिक संस्थाओं/कार्यालयों/होटलों/दुकानों/रेस्तराओं/ मिष्ठान दुकानों/ढाबों/औद्योगिक प्रतिष्ठानों/भोजन कक्षों आदि में और सड़कों, मार्गों नदियों,	1,000.00

उक्त नियम का प्रभाव सरकारी बैनरों, पोस्टरों पर लागू नहीं होगा।

नगर पंचायत तरकुलवा जनपद देवरिया द्वारा बनाये गये उपविधि "विविधकर (शुल्क) उपविधि नियमावली, 2024 के शर्तों में किसी प्रकार का संशोधन नगर पंचायत तरकुलवा जनपद-देवरिया बोर्ड के प्रस्ताव के द्वारा किया जा सकता है। जिसका राजकीय गजट में प्रकाशन कराना अनिवार्य नहीं होगा।

### दण्ड

'यदि कोई भी व्यक्ति उपविधि "विविधकर (शुल्क) उपविधि नियमावली, 2024 की किसी भी धारा का उल्लंघन करेगा/करायेगा/करने में प्रोत्साहन देगा उस व्यक्ति पर उपविधि "विविधकर (शुल्क) उपविधि नियमावली, 2024 में प्राविधानित दण्ड से दण्डित किया जा सकता है। जुर्माना जमा न करने पर 03 माह तक कारावास का दण्ड भी सक्षम न्यायालय द्वारा दिया जा सकता है।

(हा0) अस्पष्ट

अध्यक्ष,

नगर पंचायत तरकुलवा,

जनपद देवरिया।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम आशीष गौतम पुत्र चन्द्रिका गौतम है जो कि मेरे हाईस्कूल के अंक पत्र में अंकित है। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड सं0-7126 1217 1833 में मेरा नाम प्रमोद अंकित हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम आशीष गौतम पुत्र चन्द्रिका गौतम के नाम से जाना व पहचाना जाए।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं।

आशीष गौतम पुत्र चन्द्रिका गौतम,  
निवासी 95 दाउद नगर, फैजुल्लागंज,  
गोडला, धौला, लखनऊ (उ0प्र0)।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम आर्या सिंह पुत्री जितेन्द्र बहादुर सिंह है, जो मेरे शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरी पुत्री के आधार कार्ड सं0-4808 5396 1823 में मेरी पुत्री का नाम तनवी सिंह अंकित हो गया है जो कि गलत है भविष्य में मेरी पुत्री को उसके सही नाम आर्या सिंह पुत्री जितेन्द्र बहादुर सिंह के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं।

जितेन्द्र बहादुर सिंह,  
पुत्र कृष्णापाल सिंह,  
पता- शेरपुर, लवल, पो0 निगोहा,  
लखनऊ, उ0प्र0।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का सही नाम सिद्धार्थ पटेल पुत्र दिनेश कुमार है जो उसके शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरे पुत्र के आधार कार्ड सं0— 6458 0295 4042 में उसका नाम कृष्णा पटेल अंकित हो गया है, जो कि गलत है। भविष्य में मेरे पुत्र को उसके सही नाम सिद्धार्थ पटेल पुत्र दिनेश कुमार के नाम से जाना व पहचाना जाए।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं।

दिनेश कुमार पुत्र राम पियारे,  
ग्राम नकटीदेई बुजुर्ग पोस्ट-कप्तानगंज,  
जिला बस्ती (उ0प्र0)।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी माता का सही नाम प्रमिला पाण्डेय है जो कि उनके आधार कार्ड, पैन कार्ड तथा मेरे हाईस्कूल के अंक प्रमाण पत्र, अनुक्रमांक 23243263 में अंकित है। त्रुटिवश मेरे इण्टरमीडिएट के अंकपत्र एवं प्रमाण पत्र अनुक्रमांक 23747156 वर्ष 2024 में मेरी माता का नाम प्रमिला त्रिपाठी अंकित हो गया है जो कि गलत है।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं।

प्रियांशी पाण्डेय,  
पुत्री प्रमिला पाण्डेय,  
नि0—41/8, करैलाबाग  
कालोनी, जनपद प्रयागराज।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम शिवबाबू यादव पुत्र राम मुरारी यादव है जो मेरे खतैनी अंकपत्र व निर्वाचन कार्ड तथा उपजिलाधिकारी की जॉच रिपोर्ट में अंकित है। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड

सं0—7528 0118 5205 में मेरा नाम श्याम बाबू यादव अंकित हो गया है जो कि गलत है भविष्य में मुझे मेरे सही नाम शिव बाबू यादव पुत्र राम मुरारी यादव के नाम से जाना व पहचाना जाय।

एतत् द्वारा यह प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं।

शिवबाबू यादव पुत्र राम मुरारी यादव,  
निवासी-कोसडा कला पो0 कोसडा कला,  
टप्पा व थाना माण्डा तहसील मेजा,  
जिला प्रयागराज।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम आरिका सिंह पुत्री रमेश सिंह है जो उसके शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरी पुत्री के आधार कार्ड सं0—4457 5545 3881 में उसका नाम पलक सिंह अंकित हो गया है जो कि घरेलू नाम है। भविष्य में मेरी पुत्री को उसके सही नाम आरिका सिंह पुत्री रमेश सिंह के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं।

रमेश सिंह,  
नि0—ग्राम-खेजुरी, पो0 खेजुरी,  
तहसील सिकन्दरपुर,  
जिला-बलिया, उ0प्र0।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का सही नाम श्रेयश मण्डल पुत्र सुनील कुमार मण्डल (SHREYASH MANDAL S/O SUNIL KUMAR MANDAL) जो उसके शैक्षणिक अभिलेखों/जन्म प्रमाण-पत्र में अंकित है। त्रुटिवश हमारे पुत्र के आधार कार्ड संख्या—6995 0030 9783 में उसका नाम श्रेया कुमार मण्डल (SHREYA KUMAR MANDAL) अंकित हो गया है, जो कि गलत है। भविष्य में मेरे पुत्र को उसके सही नाम श्रेयश मण्डल

पुत्र सुनील कुमार मण्डल (SHREYASH MANDAL S/O SUNIL KUMAR MANDAL) के नाम से जाना व पहचाना जाय।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं।

सुनील कुमार मण्डल,  
पुत्र श्री दयाराम,  
पता-ए-1125/7, इन्दिरा नगर,  
लखनऊ।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम सौम्या जयसवाल पुत्री श्यामबाबू जयसवाल है। जो मेरे शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड सं0-6403 3449 5649 में मेरा नाम सिद्धि जयसवाल अंकित हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम सौम्या जयसवाल पुत्री श्यामबाबू जयसवाल के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं।

सौम्या जयसवाल,  
पुत्री श्यामबाबू जयसवाल,  
निवासिनी-146/128, रानी मंडी,  
प्रयागराज।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम संजना कुमारी पुत्री हरिकिशोर चौधरी है, जो उसके शैक्षिक अभिलेखों में अंकित है। त्रुटिवश मेरी पुत्री के आधार कार्ड सं0-4767 8095 9247 में उसका नाम बंजना कुमारी अंकित हो गया है, जो कि गलत है। भविष्य में मेरी पुत्री को उसके सही नाम संजना कुमारी पुत्री हरिकिशोर चौधरी के नाम से ही जाना व पहचाना जायें।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं।

हरिकिशोर चौधरी पुत्र दूधनाथ चौधरी,  
निवासी-मं0नं0-789 आई जंगल तुलसीराम,  
निकट हनुमान मंदिर के पास, बिछिया,  
कुम्हार टोला, पो0- पी0ए0सी0,  
कैम्प, तहसील, सदर, जिला गोरखपुर, उ0प्र0।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम अंकिता यादव पुत्री शिवजीत सिंह है जो उसके शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरी पुत्री के आधार कार्ड सं0-2448 3454 0434 में उसका नाम रिकी यादव अंकित हो गया है जो कि घरेलू नाम है। भविष्य में मेरी पुत्री को उसके सही नाम अंकिता यादव पुत्री शिवजीत सिंह के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं।

शिवजीत सिंह,  
मर्दानपुर, मनौरी, प्रयागराज।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड सं0- 2759 2229 5790 में मेरा नाम शम्भू पुत्र कल्लू विश्वकर्मा अंकित हो गया है जो कि गलत है, मेरा सही नाम भोनू विश्वकर्मा पुत्र कल्लू विश्वकर्मा है। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम भोनू विश्वकर्मा पुत्र कल्लू विश्वकर्मा के नाम से जाना व पहचाना जाय।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं।

भोनू विश्वकर्मा पुत्र कल्लू विश्वकर्मा,  
निवासी-शिवराजपुर, पोस्ट पचेवरा,  
थाना चुनार, जिला मिर्जापुर।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम काव्या केशरवानी पुत्री गंगा प्रसाद केशरवानी है जो उसके शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरी पुत्री के आधार कार्ड सं०-7389 3056 5479 में उसका नाम लहर केशरवानी अंकित हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मेरी पुत्री को उसके सही नाम काव्या केशरवानी पुत्री गंगा प्रसाद केशरवानी के नाम से जाना व पहचाना जाय।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।

गंगा प्रसाद केशरवानी,  
पुत्र बनवारीलाल केशरवानी,  
नि०-ग्राम व पो० जारीबाजार,  
जिला प्रयगराज।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का सही नाम SHIV YADAV SON OF RAGHAVENDRA SINGH है। जो उसके शैक्षिक अभिलेखों में अंकित है। त्रुटिवश मेरे पुत्र के आधार कार्ड सं०-3352 2465 2192 में उसका नाम PRANSHU अंकित हो गया है, जो कि गलत है। भविष्य में मेरे पुत्र को उसके सही नाम SHIV YADAV SON OF RAGHAVENDRA SINGH के नाम से जाना व पहचाना जाए।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।

Raghavendra Singh,  
S/o Baburam R/o Isai Herapur,  
Post- E. Gopalpur,  
District-Mainpuri, (UP).

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का सही नाम अंकित पुत्र राजेश कुमार है जो उसके

शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरे पुत्र के आधार कार्ड संख्या-9206 7214 6366 में उसका नाम अनिकेत हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मेरे पुत्र को उसके सही नाम अंकित (ANKIT) पुत्र राजेश कुमार से जाना व पहचाना जाये।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।

राजेश कुमार,  
पुत्र नन्द लाल,  
ग्राम मतसार लहिया पो० सजोई,  
तहसील राजा तालाब जिला वाराणसी।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम यशस्विनी जौहरी (YASHASWINI JOHRI) पुत्री गौरव जौहरी है जो उसके जन्म प्रमाण पत्र एवं शैक्षणिक अभिलेखों में अंकित है। त्रुटिवश मेरी पुत्री के आधार कार्ड सं०-5750 9218 1463 में उसका नाम यशी जौहरी अंकित हो गया है जो कि उसका घरेलू नाम है। भविष्य में मेरी पुत्री को उसके सही नाम यशस्विनी जौहरी पुत्री गौरव जौहरी के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।

गौरव जौहरी पुत्र रविन्द्र कुमार जौहरी,  
मूल निवासी-मं०नं०-सी-37/8,  
पेपर मिल कालोनी, निशातगंज,  
महानगर लखनऊ उ०प्र०।  
हाल निवासी-41/236,  
राधाकृष्ण मन्दिर लेन, नरही,  
जिला-लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का सही नाम विवेक यादव पुत्र घनश्याम यादव है जो

उसके शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरे पुत्र के आधार कार्ड सं0-8638 7585 8600 में उसका नाम किशन यादव अंकित हो गया है जो कि गलत हैं। भविष्य में मेरे पुत्र को विवेक यादव पुत्र घनश्याम यादव के नाम से जाना व पहचाना जाय।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।

पूजा देवी पत्नी घनश्याम यादव,  
नि0 मटियारा, अंधियारी,  
तहसील सोरांव जनपद-प्रयागराज।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम शिव लखन तिवारी पुत्र गायत्री प्रसाद है, जो मेरे वोटर कार्ड, खतौनी, बैंक पास बुक तथा उपजिलाधिकारी की जाँच रिपोर्ट में अंकित है। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड सं0-5547 8111 4264 में मेरा नाम शिव लखन जी तिवारी पुत्र गायत्री प्रसाद अंकित हो गया है जो कि गलत हैं। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम शिव लखन तिवारी पुत्र गायत्री प्रसाद के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।

शिव लखन तिवारी,  
पुत्र गायत्री प्रसाद,  
पता-ढिकुही, प्रतापगढ़, उ0प्र0।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम आदित्य त्रिपाठी (Aditya Tripathi) पुत्र हनुमान प्रसाद त्रिपाठी है जो मेरे शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड सं0-7825 2205 8940 में मेरा नाम आर्यन तिवारी अंकित हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम आदित्य त्रिपाठी (Aditya Tripathi) पुत्र हनुमान प्रसाद त्रिपाठी के नाम से जाना व पहचाना जाए।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।

आदित्य त्रिपाठी,  
ग्राम व पोस्ट विजहरा, प्रतापगढ़।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का सही नाम आयुष्मान गुप्ता (AYUSHMAN GUPTA) पुत्र राघेश्याम गुप्ता है जो कि उसके शैक्षिक अभिलेख में अंकित है त्रुटिवश मेरे पुत्र के आधार कार्ड सं0-2258 0930 2595 में उसका नाम अंशुमान गुप्ता अंकित हो गया है जो कि घरेलू नाम है। भविष्य में मेरे पुत्र को उसके सही नाम आयुष्मान गुप्ता के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।

राघेश्याम गुप्ता,  
पता-ग्राम व पोस्ट राजधानी,  
थाना झगहा जनपद गोरखपुर।  
वर्तमान पता-थाना कोतवाली, प्रयागराज।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम श्रेया पुत्री कृष्ण कुमार है जो उसके शैक्षिक अभिलेख में अंकित है, त्रुटिवश मेरी पुत्री के आधार कार्ड सं0-5708 3033 3613 में उसका नाम लाडो अंकित हो गया है जो उसका घरेलू नाम है। भविष्य में मेरी पुत्री को उसके सही नाम श्रेया पुत्री कृष्ण कुमार के नाम से जाना व पहचाना जाय।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।

कृष्ण कुमार,  
01/811 मनोज पाण्डेय मार्ग,  
गोमती नगर, लखनऊ।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम सोनी पत्नी अनिल है। जो मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड व बैंक पासबुक में अंकित है। त्रुटिवश एल.आई.सी. पॉलिसी सं० 234253439 मे मेरा नाम सुमन अंकित हो गया है। जोकि मेरा घरेलू नाम है। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम सोनी पत्नी अनिल के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतद द्वारा यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के संबंध मे समस्त औपचारिकताएं स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।

सोनी पत्नी अनिल,  
निवासिनी— 35 पहलवान पुरवा,  
थाना नवाबगंज, कानपुर नगर।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का सही नाम स्वास्तिक प्रजापति पुत्र अनीष कुमार प्रजापति है। जो उसके शैक्षिक अभिलेखों में भी अंकित है। त्रुटिवश मेरे पुत्र के आधार कार्ड सं०—3669 1798 3730 में उसका नाम आदित्य प्रजापति अंकित हो गया है, जो कि गलत है। भविष्य में मेरे पुत्र को उसके सही नाम स्वास्तिक प्रजापति पुत्र अनीष कुमार प्रजापति के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतद द्वारा यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के संबंध मे समस्त औपचारिकताएं स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।

नीलम,  
पत्नी अनीष कुमार प्रजापति,  
निवासिनी—16/136, सेक्टर—16,  
इन्दिरा नगर, लखनऊ।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम रूकसार बानों पुत्री नसीबुद्दीन है जो मेरे शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड

सं०—2504 3910 1558 में मेरा नाम चांदनी बानों अंकित हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम रूकसार बानों पुत्री नसीबुद्दीन के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतद द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।

चांदनी बानों पुत्री नसीबुद्दीन,  
निवासिनी जुनैदपुर,  
फैजाबाद, उ०प्र०।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम आयजा पुत्री शाहनवाज खान है, जो कि उसके शैक्षिक अभिलेख, आधार कार्ड में अंकित है। मैंने अपनी पुत्री का स्वास्थ्य ठीक न रहने के कारण अपने ज्योतिषाचार्य के अनुसार उसका नाम आयजा से बदलकर आयशा रख लिया है।

भविष्य में मेरी पुत्री को आयशा पुत्री शाहनवाज खान के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतद द्वारा यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के संबंध मे समस्त औपचारिकताएं स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।

शहनवाज खान,  
पता—H.No. 23-A बाजार सरदार खां,  
भदोही, यू०पी०।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का सही नाम आयुष मिश्र पुत्र सन्तोष कुमार मिश्र है जो उसके शैक्षिक अभिलेखों में अंकित है। त्रुटिवश मेरे पुत्र के आधार कार्ड सं० 2008 7946 3227 में उसका नाम अनुकल्प मिश्र अंकित हो गया है, जो कि उसका घरेलू नाम है। भविष्य में मेरे पुत्र को उसके सही नाम आयुष मिश्र पुत्र सन्तोष कुमार मिश्र के नाम से जाना व पहचाना जाय।



एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं।

सन्तोष कुमार मिश्र,  
पुत्र स्व० बंश नारायण,  
नि०-ग्राम हिण्डवारी, पोस्ट-भरछाँ,  
तह० पं०दी०द०उपा० नगर (मुगलसराय),  
जिला-चन्दौली।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं।

संस्कृति त्रिपाठी,  
पुत्री प्रदीप नारायण त्रिपाठी,  
निवासिनी-सोनवर्षा  
लाल गोपालगंज, प्रयागराज।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्री का सही नाम सान्ची तिवारी पुत्री विष्णु प्रसाद तिवारी है जो उसके शैक्षिक अभिलेख व जन्म प्रमाण पत्र में अंकित है। मेरे पुत्री के आधार कार्ड सं०-3541 3809 6686 में उसका नाम शिवन्या तिवारी अंकित हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मेरे पुत्री को उसके सही नाम सान्ची तिवारी पुत्री विष्णु प्रसाद तिवारी के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं।

विष्णु प्रसाद तिवारी  
पुत्र रमाशंकर तिवारी  
88/168 एच बर्थरा खुर्द  
वाराणसी, उ०प्र०।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम संस्कृति त्रिपाठी पुत्री प्रदीप नारायण त्रिपाठी है जो मेरे शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड संख्या 2750 7841 8985 में मेरा नाम सोहानी हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम संस्कृति त्रिपाठी पुत्री प्रदीप नारायण त्रिपाठी के नाम से जाना व पहचाना जाय।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम वंशिका वर्मा पुत्री राम कुमार वर्मा है जो मेरे शैक्षिक अभिलेखों में अंकित है। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड सं०-8122 4483 7571 में मेरा नाम रिमझिम वर्मा अंकित हो गया है। जो गलत है। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम वंशिका वर्मा पुत्री राम कुमार वर्मा के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं।

वंशिका वर्मा,  
पुत्री राम कुमार वर्मा,  
निवासिनी-ग्राम दुधरा, बक्शी का तालाब,  
दुधरा, अकरिया कला, लखनऊ।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम किश कुशवाहा पुत्र छोटे लाल कुशवाहा है जो कि मेरे शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड सं० 4021 5423 6204 में मेरा नाम कृष्णा कुशवाहा अंकित हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम किश कुशवाहा पुत्र छोटे लाल कुशवाहा के नाम से जाना व पहचाना जाए।

कृष्णा कुशवाहा,  
पुत्र छोटे लाल कुशवाहा,  
नि०-ग्राम भठवां तिवारी देवरिया, उ०प्र०।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का सही नाम अमरजीत यादव पुत्र शान्ता प्रसाद यादव है जो उसके शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरे पुत्र के आधार कार्ड संख्या-6868 4912 4237 में उसका नाम रवि कुमार यादव अंकित हो गया है जो कि घरेलू नाम है। भविष्य मेरे पुत्र को उसके सही नाम अमरजीत यादव पुत्र शान्ता प्रसाद यादव के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं।

शान्ता प्रसाद यादव,  
ग्राम-पड़रिया पो0 व तहसील नौगढ़,  
जिला चन्दौली उ0प्र0।

फर्म 1932 साझेदारी अधिनियम के अन्तर्गत लखनऊ से पंजीकृत है। फर्म में दो साझेदार श्री सन्तोष मिश्रा पुत्र स्व0 गिरजा दयाल एवं श्रीमती मीनू मिश्रा पत्नी श्री सन्तोष मिश्रा जिसमें दिनांक 23 जून, 2025 से दो नये साझेदार क्रमशः श्री ध्रुव गुप्ता पुत्र श्री प्रदीप कुमार गुप्ता एवं श्रीमती भूमिका पत्नी श्री अमित कुमार हो गये हैं तथा फर्म के पुराने साझेदार श्री सन्तोष मिश्रा पुत्र स्व0 गिरजा दयाल इसी दिनांक 23 जून, 2025 से अलग हो गये हैं। वर्तमान में श्रीमती मीनू मिश्रा, श्री ध्रुव गुप्ता एवं श्रीमती भूमिका साझेदार हैं।

श्रीमती मीनू मिश्रा,  
साझेदार,  
दीक्षा साक्षी इन्टरप्राइजेज,  
सी-84 मयूर विहार कल्याणपुर,  
विकासनगर, जिला-लखनऊ।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का सही नाम सार्थक सिंह पुत्र रघुवीर सिंह है जो उसके विद्यालय प्रमाण पत्र व जन्म प्रमाण पत्र में अंकित है। त्रुटिवश मेरे पुत्र के आधार कार्ड संख्या-2469 2969 0506 में उसका नाम युवराज सिंह अंकित हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मेरे पुत्र को उसके सही नाम सार्थक सिंह पुत्र रघुवीर सिंह के नाम से जाना व पहचाना जाये।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं।

रघुवीर सिंह, पुत्र सुंदर लाल,  
नि0-121 ए नई डिफेंस कालोनी,  
गांधीग्राम कानपुर नगर।

### सूचना

एतत् द्वारा सूचित किया जाता है कि मेसर्स-दीक्षा साक्षी इन्टरप्राइजेज, सी-84 मयूर विहार कल्याणपुर विकासनगर, जिला-लखनऊ की साझेदारी

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि “मेसर्स फाइन ऑर्गेनिक्स, सी- 3,4,7,8,9 एण्ड 10 रोशन बाग इण्डस्ट्रियल स्टेट, जिला रामपुर” दि इण्डियन पार्टनरशिप एक्ट, 1932 के अन्तर्गत पंजीकृत फर्म है, जिसका पंजीकरण संख्या एम0बी0डी0-1364 व दिनांक 18 मई, 2021 है। फर्म का पूरा नाम व पता- मेसर्स फाइन ऑर्गेनिक्स, सी-3,4,7,8,9 एण्ड 10 रोशन बाग इण्डस्ट्रियल स्टेट, जिला रामपुर है, जैसा कि साझेदारी विलेख दिनांक 01 अप्रैल, 2021 में उल्लिखित है। पंजीकरण प्रमाण पत्र में फर्म का पूर्ण पता- सी-3,4,7,8,9 एण्ड 10 रोशन बाग इण्डस्ट्रियल स्टेट, जिला रामपुर त्रुटिवश अंकित नहीं हुआ है। अतः इस आशय की सूचना दी जाती है कि फर्म का पूरा नाम व पता- मेसर्स फाइन ऑर्गेनिक्स, सी-3,4,7,8,9 एण्ड 10 रोशन बाग इण्डस्ट्रियल स्टेट, जिला रामपुर है और पंजीकरण प्रमाण पत्र दिनांक 18 मई, 2021 में अंकित नाम व पता-मेसर्स फाइन ऑर्गेनिक्स, बी-9, रोगन बाग इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, जिला रामपुर है तथा साझेदारी विलेख दिनांक 01 अप्रैल, 2021 में उल्लिखित नाम व पता- मेसर्स फाइन ऑर्गेनिक्स, सी-3,4,7,8,9 एण्ड 10 रोशन बाग इण्डस्ट्रियल स्टेट, जिला रामपुर” एक ही फर्म का नाम व पता है और फर्म के समस्त कार्य साझेदारी विलेख

दिनांक 01 अप्रैल, 2021 के अनुसार मेसर्स फाइन ऑर्गेनिक्स, सी-3,4,7,8,9 एण्ड 10 रोशन बाग इण्डस्ट्रियल स्टेट, जिला रामपुर के नाम व पते से ही किये जाते हैं।

नीरज गुप्ता,  
पार्टनर,  
मेसर्स फाइन ऑर्गेनिक्स,  
सी-3,4,7,8,9 एण्ड 10 रोशन बाग,  
इण्डस्ट्रियल स्टेट, जिला रामपुर।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारी फर्म मेसर्स आर एंड आर एसोसियेट्स पता-202, पी-4, चौखानी स्कवायर सेक्टर-18, नोएडा, जिला गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश की साझेदारी दिनांक 01 जून, 2009 को हुई थी, साझेदारी डीड के अनुसार फर्म में निम्न दो पार्टनर थे (1) राकेश सिंह पुत्र श्री जगदेव सिंह पता फ्लैट नं0-1361, सेक्टर-29, जिला गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश (2) राजेश सिंह पुत्र श्री जगदेव सिंह पता- फ्लैट नं0-1358, सेक्टर-29, नोएडा, जिला गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश। फर्म की संशोधित साझेदारीनामा डीड दिनांक 13 जून, 2025 के अनुसार साझेदारी नं0-1 राकेश सिंह जी का दिनांक 03 मई, 2021 को निधन हो गया था। जिसके कारण साझेदारीनामा मेसर्स आर एंड आर एसोसियेट्स पता-202, पी-4 चौखानी स्कवायर सेक्टर-18 नोएडा, जिला गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश का दिनांक 13 जून, 2025 को समाप्त कर दिया गया है।

राजेश सिंह,  
फर्म मेसर्स आर एंड आर एसोसियेट्स,  
पता-202, पी-4, चौखानी स्कवायर, सेक्टर-18,  
नोएडा, जिला गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश।

### सूचना

सूचित किया जाता है कि फर्म-मेसर्स बिट्टो इण्टरप्राइजेज, 45 चौधरी तालाब, तहसील व जिला बरेली, यू0पी0 243003 (पंजीकरण संख्या : BAR/0012805) का वास्तविक साझेदार है फर्म- मेसर्स बिट्टो

इण्टरप्राइजेज, 45 चौधरी तालाब तहसील व जिला बरेली, यू0पी0 243003 (पंजीकरण संख्या : BAR/0012805) फर्म में 03 साझेदार महेन्द्र सिंह, धर्मवीर एवं जिया उर रहमान थे, साझेदारों की रजामन्दी से दिनांक 29 मई, 2025 को फर्म में एक नया साझेदार ममता को शामिल किया गया है तथा फर्म से दो साझेदार महेन्द्र सिंह, एवं जिया उर रहमान स्वेच्छा से दिनांक 29 मई, 2025 को अवकाश ग्रहण करके फर्म से अलग हो गये। अवकाश ग्रहण साझेदार का सारा हिसाब-किताब चुकता हो गया है, साझेदारों का फर्म/साझेदारों पर या फर्म का साझेदारों पर कोई लेन-देन बकाया नहीं है। अब फर्म में कुल 02 साझेदार धर्मवीर एवं ममता है। फर्म में एवं साझेदारों में कोई विवाद नहीं है।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं।

धर्मवीर,  
साझेदार,  
मेसर्स बिट्टो इण्टरप्राइजेज,  
45 चौधरी तालाब,  
तहसील व जिला बरेली, यू0पी0।

### सूचना

सूचित किया जाता है कि फर्म-मेसर्स बाबा पशुपति नाथ इण्टरप्राइजेज, ग्राम जाम, पोस्ट व तहसील मीरगंज जिला बरेली यू0पी0 243504 (पंजीकरण संख्या : BAR/0007216) का वास्तविक साझेदार हूँ। फर्म-मेसर्स बाबा पशुपति नाथ इण्टरप्राइजेज, ग्राम जाम, पोस्ट व तहसील मीरगंज जिला बरेली यू0पी0 243504 (पंजीकरण संख्या : BAR/0007216) फर्म में 03 साझेदार -पान सिंह, अनुभव प्रकाश एवं नकी हसन थे, साझेदारों की रजामन्दी से दिनांक 18 जून, 2025 को फर्म में दो नये साझेदार चन्द्रभान सिंह एवं मतीन अहमद शामिल किये गये हैं तथा फर्म से दो साझेदार अनुभव प्रकाश एवं नकी हसन स्वेच्छा से दिनांक 18 जून, 2025 को अवकाश ग्रहण करके फर्म से अलग हो गये हैं। अवकाश ग्रहण साझेदार का सारा हिसाब-किताब चुकता हो गया है, साझेदारों का फर्म/साझेदारों पर या फर्म का साझेदारों

पर कोई लेन देन बकाया नहीं है। अब फर्म में कुल 03 साझेदार पान सिंह, चन्द्रभान सिंह एवं मतीन अहमद है। फर्म में एवं साझेदारों में कोई विवाद नहीं है।

एतत् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।

पान सिंह,  
साझेदार,  
मेसर्स बाबा पशुपति नाथ इण्टरप्राइजेज,  
ग्राम जाम, पोस्ट व तहसील मीरगंज,  
जिला बरेली यू0पी0।

### सूचना

एतत् द्वारा सूचित किया जाता है कि फर्म मेसर्स सिमटक डेवलपर्स पता शॉप नंबर 5 बेसमेन्ट 6ए लीला मेन्शन बिल्डिंग हजरतगंज लखनऊ से पंजीकृत है। यह कि 3 साझेदार—श्री प्रदीप अग्रवाल, श्री आशीष अग्रवाल एवं श्री सुमित बंसल, साझेदार थे। दिनांक 26 अप्रैल, 2021 को श्री आशीष अग्रवाल की मृत्यु हो जाने के कारण दिनांक 10 जून, 2025 को नई साझेदारी बनी जिसमें क्रमशः श्री आशीष अग्रवाल उक्त साझेदारी से निकल रहे हैं। तथा इसी तिथि से श्रीमती स्वाती अग्रवाल साझेदार के रूप में सम्मिलित हो रही है। वर्तमान में उक्त फर्म में कुल 3 साझेदार क्रमशः श्री प्रदीप अग्रवाल प्रथम, श्री सुमित बंसल द्वितीय, एवं श्रीमती स्वाती अग्रवाल तृतीय साझेदार के रूप में सम्मिलित है। जिसमें मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

प्रदीप अग्रवाल,  
साझेदार,  
मेसर्स—सिमटक डेवलपर्स।

### सूचना

एतत् द्वारा सूचित किया जाता है कि फर्म मेसर्स गुरुकृपा बिल्डर्स एंड डेवलपर्स, पता 569/647 बरिगांव एल0डी0ए0 कालोनी कानपुर रोड़ लखनऊ 226012 से पंजीकृत है यह कि 4 साझेदार श्री जगत लाल होइयानी, श्रीमती नम्रता देवी होइयानी, श्री निखिल लखमानी एवं श्री

सुधीर कुमार लखमानी साझेदार थे। दिनांक 01 अप्रैल, 2025 को नई साझेदारी बनी, जिसमें क्रमशः श्री आत्म प्रकाश एवं श्रीमती गीता देवी साझेदार के रूप में सम्मिलित हो रही है। वर्तमान में उक्त फर्म में कुल 6 साझेदार क्रमशः श्री जगत लाल होइयानी, श्रीमती नम्रता देवी होइयानी, श्री निखिल लखमानी श्री सुधीर कुमार लखमानी, श्री आत्म प्रकाश एवं श्रीमती गीता देवी साझेदार के रूप में सम्मिलित है। जिसमें मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

जगत लाल होइयानी,  
साझेदार,  
मेसर्स—गुरुकृपा बिल्डर्स एंड डेवलपर्स।

### सूचना

एतत् द्वारा सूचित किया जाता है कि फर्म मेसर्स अम्बर कंस्ट्रक्शन, पता 10/118 सेक्टर 10, इन्दिरा नगर लखनऊ 226016 से पंजीकृत है। यह कि 2 साझेदार श्री समीर आलम सिद्दीकी एवं श्री कल्लन साझेदार थे। दिनांक 01.04.2025 को नई साझेदारी बनी, जिसमें क्रमशः श्री कल्लन अपनी स्वेच्छा से साझेदारी से निकल रहे हैं तथा इसी तिथि से श्रीमती नाजिश सिद्दीकी साझेदार के रूप में सम्मिलित हो रही हैं। वर्तमान में उक्त फर्म में कुल 2 साझेदार क्रमशः श्री समीर आलम सिद्दीकी प्रथम, एवं श्रीमती नाजिश सिद्दीकी द्वितीय, साझेदार के रूप में सम्मिलित हैं। जिसमें मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

समीर आलम सिद्दीकी,  
साझेदार  
मेसर्स — अम्बर कंस्ट्रक्शन

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मे० अग्रसेन दाल मिल, डी-43, सिकन्दरा साइड-सी, इण्डस्ट्रियल एरिया, आगरा में स्थित है उपरोक्त फर्म में श्रीमती आशारानी, श्री पवन कुमार अग्रवाल निवासीगण आगरा हम दोनों साझेदारों ने अपनी फर्म दिनांक-26 दिसम्बर, 1999 को संचालन की थी। दिनांक-15 अगस्त, 2024 को श्री पवन कुमार अग्रवाल की मृत्यु हो गई है एवं

दिनांक 17 अगस्त, 2024 से श्री ध्रुव कुमार पुत्र श्री विनोद कुमार अग्रवाल निवासी डी-43, साइट-सी, इण्डस्ट्रियल एरिया, आगरा फर्म में साझेदार हो गये हैं। अब फर्म को श्रीमती आशारानी, श्री ध्रुव कुमार हम दोनों साझेदार के रूप में संचालित करेंगे।

श्रीमती आशा रानी,  
साझेदार।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मे० विशेष बिल्डर्स, 20, राधा कृष्णा कॉलोनी, निकट औरंगाबाद आगरा रोड, जिला मथुरा पर स्थित है। फर्म का पता परिवर्तन कर मुम्बई 508, गनपति वर्ल्ड-2, टी०डी०आई० सिटी, फतेहाबाद रोड जिला आगरा कर लिया है। उपरोक्त फर्म में श्री संजय अग्रवाल पुत्र श्री कृपा शंकर अग्रवाल निवासी-20, राधा कृष्णा कॉलोनी निकट औरंगाबाद आगरा रोड, मथुरा, श्री नरेन्द्र श्रीवास्तव पुत्र श्री बाल किशन श्रीवास्तव निवासी-फ्लैट नं०-12, फर्स्ट फ्लोर श्री राम कॉम्प्लेक्स, सेवला जाट, ग्वालियर रोड, नैनाना ब्राह्मण, आगरा, श्री शिव कुमार कुलश्रेष्ठ पुत्र श्री नरेन्द्र कुमार निवासी-65/184/1-ए, महावीर नगर, राधे वाली गली नं०-16 शिव नगर, जगनेर रोड, आगरा और श्री राहुल श्रीवास्तव पुत्र श्री नरेन्द्र श्रीवास्तव निवासी फ्लैट नं०-12, फर्स्ट फ्लोर श्री राम कॉम्प्लेक्स, सेवला जाट, ग्वालियर रोड, नैनाना ब्राह्मण, आगरा साझेदार थे। श्री संजय अग्रवाल पुत्र श्री कृपा शंकर अग्रवाल निवासी-20, राधा कृष्णा कॉलोनी निकट औरंगाबाद आगरा रोड, मथुरा की मृत्यु दिनांक 05 जनवरी, 2024 को हो गई है और श्री शिव कुमार कुलश्रेष्ठ पुत्र श्री नरेन्द्र कुमार निवासी-65/184/1-ए, महावीर नगर, राधे वाली गली नं०-16 शिव नगर, जगनेर रोड, आगरा उक्त फर्म से दिनांक 14 मई, 2025 को स्वेच्छा से पृथक हो गये हैं। वर्तमान में फर्म में श्री नरेन्द्र श्रीवास्तव पुत्र स्व० बाल किशन श्रीवास्तव और श्री राहुल श्रीवास्तव पुत्र श्री नरेन्द्र श्रीवास्तव निवासी-गण-मुम्बई 508, गनपति वर्ल्ड-2, टी०डी०आई० सिटी, फतेहाबाद रोड जिला आगरा साझेदार हैं।

नरेन्द्र श्रीवास्तव,  
साझेदार।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है सर्व श्री केसरवानी जर्दा भण्डार, सहस्रो प्रयागराज (पंजीकृत) फर्म के एक भागीदार श्रीमती कमला देवी का निधन दिनांक 09/07/2021 को हो गया है एवं श्री स्वप्निल केसरवानी को फर्म में नये भागीदार के रूप में दिनांक 10/07/2021 से सम्मिलित किया गया है। वर्तमान समय में फर्म में निम्नलिखित भागीदार हैं: कैलाश चन्द्र केसरवानी, रमेश कुमार, उर्मिला देवी संध्या केसरवानी, कृष्णा चन्द्र केसरवानी, प्रीती केसरवानी, सतीश चन्द्र केसरवानी, प्रवीन केसरवानी, अनूप चन्द्र केसरवानी, नितिन कुमार केसरवानी, नवीन कुमार केसरवानी, सचिन केसरवानी, शिशिर केसरवानी, शशांक केसरवानी, अंकित केसरवानी, अभिषेक केसरवानी, रोशनी केसरवानी, अंकुर केसरवानी, आदित्य केसरवानी एवं स्वप्निल केसरवानी।

कैलाश चन्द्र केसरवानी,  
साझेदार।

### सूचना

सूचित किया जाता है कि साझेदारी फर्म मे० आकाशदीप पॉटरी, ग्राम सैलई, फिरोजाबाद-283203 में परिवर्तन की सूचना इस प्रकार हैं-

यह कि दिनांक 02 अप्रैल, 2025 को श्री दिलीप कुमार चतुर्वेदी पुत्र श्री प्रकाशचन्द्र चतुर्वेदी निवासी-मौहल्ला दुली, फिरोजाबाद तथा श्री धीरज कुमार चतुर्वेदी पुत्र श्री प्रकाशचन्द्र चतुर्वेदी निवासी-मौहल्ला दुली, फिरोजाबाद फर्म की साझेदारी से स्वेच्छा से पृथक हो गये हैं। तथा उक्त दिनांक को ही श्री संभव जैन पुत्र श्री प्रदीप जैन निवासी-तेल मिल कम्पाउण्ड, फिरोजाबाद को फर्म की साझेदारी में सम्मिलित कर लिया गया है। अब फर्म में श्री मधुर कुमार चतुर्वेदी, श्री नितिन मित्तल, श्रीमती नीशू अग्रवाल, श्री श्रेयांस अग्रवाल, श्रीमती बीनू जैन तथा श्री संभव जैन साझेदार हैं।

मधुर कुमार चतुर्वेदी,  
साझेदार,

मे० आकाशदीप पॉटरी,  
ग्राम सैलई, फिरोजाबाद।

### सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि साझेदारी फर्म मे० थालीवाला लक्ष्मी नारायण टैम्पल शॉप सीएचएच मथुरा में परिवर्तन की सूचना इस प्रकार है—

दिनांक 15 जून, 2025 को श्री बालकिशन चतुर्वेदी पुत्र श्री कान्तानाथ चतुर्वेदी निवासी- मनोहरपुरा मथुरा एवं श्रीमती प्रीती चतुर्वेदी पत्नी श्री बाल किशन चतुर्वेदी निवासी-मनोहरपुरा मथुरा अपनी स्वेच्छा से फर्म की भागीदारी से पृथक हुये तद् दिनांक को श्री कमलेश चतुर्वेदी पुत्र स्व० प्रेम चतुर्वेदी निवासी 955 नारायण निवास श्याम घाट मथुरा फर्म की भागीदारी में सम्मिलित हुई अब वर्तमान फर्म में भागीदार श्रीमती साधना चतुर्वेदी एवं कमलेश चतुर्वेदी है।

श्रीमती साधना चतुर्वेदी  
साझेदार,  
मे० थालीवाला  
लक्ष्मी नारायण टैम्पल शॉप,  
सीएचएच, मथुरा।

### सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि फर्म मेसर्स यश जेनेटिक फर्मस पता 10 द्रौपदी विहार लक्ष्मणपुरी इंदिरा नगर फैजाबाद रोड लखनऊ से पंजीकृत है। कि 03 साझेदार रेशमा वसीम, श्री मोहम्मद तुफैल एवं श्री मो० फिरोज, साझेदार थे। दिनांक 28 नवम्बर, 2024 को नई साझेदारी बनी, जिसमें क्रमशः रेशमा वसीम, श्री मोहम्मद तुफैल अपनी स्वेच्छा से साझेदारी से निकल रहे हैं। तथा इसी तिथि से श्री इखलाक अली, श्री शादाब अली एवं

श्री साहिल अली साझेदार के रूप में सम्मिलित हो रहे हैं दिनांक 31 जनवरी, 2025 को नई साझेदारी बनी, जिसमें क्रमशः श्री मो० फिरोज अपनी स्वेच्छा से साझेदारी से निकल रहे हैं। तथा इसी तिथि फर्म पता परिवर्तन होकर नया पता हाउस नंबर 610/533 ए केशव नगर सीतापुर रोड लखनऊ-226020 हो गया है। दिनांक-26 जून, 2025 को नई साझेदारी बनी, जिसमें सभी साझेदारों द्वारा आपसी सहमती से फर्म को विघटन किया जाता है। जिसमें मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

इखलाक अली,  
साझेदार,  
मेसर्स—यश जेनेटिक फर्मस।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का सही नाम लव प्रताप सिंह (LOVE PRATAP SINGH) पुत्र राघवेन्द्र प्रताप सिंह है जो उसके शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरे पुत्र के आधार कार्ड सं०-6685 5420 3072 में उसका नाम आरूष प्रताप सिंह अंकित हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मेरे पुत्र को उसके सही नाम लव प्रताप सिंह (LOVE PRATAP SINGH) पुत्र राघवेन्द्र प्रताप सिंह के नाम से जाना एवं पहचाना जाय।

एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है।

राघवेन्द्र प्रताप सिंह,  
ग्राम जंजीरहा, पोस्ट बलुआ,  
जनपद देवरिया, उत्तर प्रदेश।